विजय मत

राष्ट्र को समर्पित

मध्यप्रदेश-छत्तीसगढ़ से प्रकाशित दैनिक समाचार पत्र

www.vijaymat.com | भोपाल, बुधवार, 7 मई 2025 | वर्ष- 10 | अंक- 142 | पेज- 08 | मूल्य- ₹5.00/-

ज्ञानामृत

दूसरों को दण्ड देना सहज है, किन्तु उन्हें क्षमा करना और उनकी भूल सुधारना अत्यधिक कठिन कार्य है।

▶▶ भगवान महावीर स्वामी

मध्य प्रदेश बोर्ड परीक्षा परिणाम | 74.48प्रतिशत स्टूडेंट व 10वीं में कुल 76.22प्रतिशत पास, शिक्षा मंत्री का जिला सबसे आगे, दमोह फिसड्डी

10वीं में सिंगरौली की प्रज्ञा को 500/500 व 12वीं में मैहर की प्रियल द्विवेदी ओवरऑल टॉपर

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 12वीं की परीक्षा का परिणाम मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंगलवार को जारी कर दिया। इस बार 7 लाख 6 हजार छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी थी। इनमें से 74.48त्न पास हुए। मैहर की प्रियल द्विवेदी ने मैथ्स-साइंस में 500 में से 492 नंबर हासिल कर प्रदेश में टॉप किया है। प्रियल कन्या शासकीय उमा स्कूल, अमरपाटन की स्टूडेंट हैं। प्रियल द्विवेदी सिविल सर्विसेज में जाना चाहती हैं। उन्होंने कहा- रेगुलर स्कूल जाएं, मन लगाकर पढ़ाई करें तो सफलता जरूर मिलती है।

नरसिंहपुर का प्रदर्शन सबसे बेहतर

हायर सेकेंडरी के रिजल्ट में शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप सिंह का जिला नरसिंहपुर सबसे बेहतर रहा। यहां 91.91 प्रतिशत रेगुलर और 50.85 फीसदी प्राइवेट स्टूडेंट पास हुए हैं। इस लिस्ट में दमोह जिला सबसे नीचे हैं। यहां 48.05 प्रतिशत रेगुलर और 8.13 फीसदी प्राइवेट स्टूडेंट पास हुए हैं।

रायसेन की डॉली को बायोलॉजी मेरिट लिस्ट में 7वां स्थान

रायसेन के बेगमगंज में शासकीय सीएम राइज स्कूल में पढ़ने वाली डॉली गौर ने 500 में से 477 अंक लाकर बायोलॉजी समूह की मेरिट लिस्ट में 9वां स्थान हासिल किया है। डॉली ने बताया कि दो साल पहले एसडीएम सौरभ मिश्रा आए थे। उन्होंने हम लोगों को ई-उपवास की शपथ दिलाई थी। तब से मैंने मोबाइल से दूरी बना ली थी। केवल किताबों से दोस्ती कर ली थी। भविष्य में मेरा सपना डॉक्टर बनना है। डॉली के पिता मानसिक रूप से बीमार है। भाई हर्षित गौर ने भी 12वीं में टॉप किया था। वह अभी बीएससी कर रहा है।

प्रज्ञा ने 10वीं में किया टॉप

10वीं में सिंगरौली की प्रज्ञा जायसवाल ने 500 में से 500 अंक प्राप्त कर प्रदेश में टॉप किया। रीवा के आयुष द्विवेदी 499 अंक के साथ सेकेंड और जबलपुर की शैजाह फातिमा 498 अंक के साथ थर्ड टॉपर रहीं। मेरिट में 212 स्टूडेंट्स हैं, इनमें 145 लड़कियां शामिल हैं। 2025 में 9 लाख 53 हजार छात्र-छात्राओं ने परीक्षा दी थी। इनमें 76.2प्रतिशत यानी 6 लाख से अधिक छात्र-छात्राएं पास हुए, ये पिछले 4 वर्षों में सबसे अधिक हैं। 2024 में 58.09% छात्र-छात्राएं पास हुए थे, जो 2023 से लगभग 5% कम था। सीएम हाउस में आयोजित कार्यक्रम में डॉ. मोहन यादव ने कहा- असफल विद्यार्थी खुद को फेल न समझें, उनको परीक्षा का एक और मौका मिलेगा। माशिमं की अध्यक्ष स्मिता भारद्वाज ने कहा, जो छात्र-छात्राएं फेल हो गए हैं या अपने अंकों में सुधार करना चाहते हैं, वे 17 जून से दोबारा परीक्षा दे सकेंगे।

10-12 वीं कक्षाओं की मेरिट सूची में छात्राएं शीर्ष स्थान पर रहीं

इस साल छात्राओं ने बाजी मारी है और दोनों कक्षाओं की मेरिट सूची में छात्राएं अव्वल रही हैं। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने राज्य के स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की उपस्थिति में हायर सेकेंडरी (12) और हाई स्कूल (10) के नतीजे घोषित किए।

संबंधित समाचार पढ़े पेज-08 पर

हायर सेकेंडरी की परीक्षा में कुल 74.48 प्रतिशत बच्चों ने सफलता हासिल की

इस बार के हायर सेकेंडरी की परीक्षा में कुल 74.48 प्रतिशत बच्चों ने सफलता हासिल की है और इस परीक्षा की मेरिट सूची में सतना की प्रियम द्विवेदी अव्वल रही हैं, जिन्हें 500 में से 492 अंक हासिल हुए। इस प्रवीण सूची में कुल 159 छात्रों ने जगह बनाई है, जिनमें 89 छात्राएं हैं और 70 छात्र हैं। हाई स्कूल की बात करें तो इस बार के नतीजे 76.22 प्रतिशत रहे हैं। इस नतीजे में भी छात्राओं ने बाजी मारी है। बात प्रवीण सूची की करें तो सिंगरौली की प्रज्ञा जायसवाल ने शत प्रतिशत 500 में 500 अंक हासिल किए हैं।

न्यूज इन शॉर्ट

भारत-पाकिस्तान तनाव के बीच जासूसी कॉल्स में हो रही बढ़ोतरी, सीमा इलाकों में अलर्ट

नई दिल्ली/जैसलमेर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता ही जा रहा है। जहां आतंकवादियों का पनाहगाह पाकिस्तान लगातार अपने नापाक इरादे दिखा रहा है। इसी बीच सीमा से सटे इलाकों में संदिग्ध जासूसी कॉल्स की संख्या में भी तेजी देखी जा रही है। मामले में जैसलमेर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) सुधीर चौधरी ने बताया कि अज्ञात कॉलर्स सेना या सरकारी अधिकारी बनकर लोगों से संवेदनशील जानकारी निकालने की कोशिश कर रहे हैं। एसपी सुधीर चौधरी ने बताया कि मामले में बढ़ते जासूसी कॉल्स को देखते हुए हमने सभी अधिकारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए हैं। लोग अगर किसी अजनबी कॉलर से ऐसी जानकारी मांगे जाने पर तुरंत पुलिस को सूचित करें।

अब 2027 में लॉन्च किया जाएगा गगनयान मिशन, पहले व्योममित्र को भेजेंगे अंतरिक्ष: इसरो प्रमुख

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' अब 2027 की पहली तिमाही में लॉन्च किया जाएगा। यह मिशन पहले 2022 में होना था, लेकिन अब इसमें करीब पांच साल की देरी हो गई है। इस जटिल मिशन को शुरू करने के लिए अभी कई तकनीकी चुनौतियां का सामना है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के प्रमुख वी. नारायणन ने बताया कि इस साल के अंत तक पहला मानव रहित मिशन लॉन्च किया जाएगा। इसके बाद 2026 में दो और मानव रहित मिशन किए जाएंगे। 'पहला मानव मिशन अब 2027 की पहली तिमाही में होगा।'

बलूचिस्तान में पाकिस्तानी सेना के वाहन पर हमला, मेजर सहित छह जवान मारे गए, पांच घायल

इस्लामाबाद, एजेंसी। अशांत बलूचिस्तान प्रांत में पाकिस्तानी सेना के वाहन पर बड़ा हमला हुआ है। इस हमले में पाकिस्तानी सेना की फ्रंटियर कोर (एफसी) के छह जवान मारे गए हैं। जबकि पांच अन्य घायल हुए हैं। आईईडी (इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस) विस्फोट प्रांत के बोलान इलाके में आमिर पोस्ट और अली खान बेस के बीच हुआ। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, हमले में पाकिस्तानी सेना के मेजर तारिक इमरान, नायक आसिफ, सुबेदार फारूक, नायक मशकूर, सिपाही वाजिद, सिपाही काशिफ की मौत हुई है।

कैबिनेट बैठक: राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल का होगा गठन

पचमढ़ी को मिली विकास की राह नक्सल क्षेत्रों में बढ़ेगी निगरानी

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में हुई मंत्रि-परिषद की बैठक में पचमढ़ी नगर की नजूल भूमि को अभयारण्य की सीमा से पृथक किये जाने का निर्णय लिया गया। पचमढ़ी नगर का नजूल क्षेत्र जिसका रकबा 395.931 हेक्टेयर है, जो साडा के प्रशासनिक नियंत्रण में है, को पचमढी अभयारण्य की सीमा से बाहर करने का निर्णय लिया गया है। इसके पूर्व अधिसूचना 22 दिसम्बर 2017 द्वारा पचमढ़ी अभयारण्य की परिधि पर स्थित 11 ग्रामों को अभयारण्य से बाहर किया और कुछ ग्रामों को इन्क्लोजर में रखा गया है। मंत्रि-परिषद द्वारा पैरा-ओलम्पिक में पदक विजेता खिलाड़ियों को 50-50 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि दिये जाने का अनुमोदन दिया गया। मुख्यमंत्री की घोषणा के क्रियान्वयन के लिए पैरा-ओलम्पिक-2024 में कांस्य पदक विजेता खिलाडियों को 50 लाख रूपये की अतिरिक्त राशि दी जाएगी, जिससे कुल सम्मान राशि 1 करोड़ रूपये हो जाएगी।

मण्डला एवं डिण्डोरी के लिए विशेष सहयोगी दस्ते के 850 पद स्वीकृत

नक्सल क्षेत्रों में तैनात होंगे 850 कार्यकर्ता

बालाघाट, मंडला और डिंडोरी जैसे नक्सल प्रभावित जिलों में सरकार 850 स्थानीय कार्यकर्ताओं की एक वर्ष के लिए नियुक्ति करेगी। ये कार्यकर्ता गांवों में नक्सल गतिविधियों पर नजर रखेंगे और प्रशासन को समय पर जानकारी देंगे। प्रत्येक कार्यकर्ता को 25,000 मासिक मानदेय दिया जाएगा।

दिव्यांग खिलाड़ियों को मिलेगा सम्मान

पेरिस में दिव्यांग ओलंपिक में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले मध्यप्रदेश के ब्लाइंड जूडो खिलाड़ी कपिल परमार और शूटिंग में रूबिना फ्रांसिस को एक-एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी जाएगी। इससे पहले दोनों को 50-50 लाख दिए जा चुके थे। शेष 50 लाख की राशि अब स्वीकृत की गई है। बता दें मुख्यमंत्री द्वारा पैरा-ओलम्पिक खिलाडी सुश्री रूबिना फ्रांसिस और श्री कपिल परमार को पैरा-ओलम्पिक खेल में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर 1 करोड़ रूपये की सम्मान राशि देने की घोषणा की थी।

पेंशन प्रकरणों के लिए बनेगा राज्य स्तरीय केंद्रीकृत सेल

पेंशन प्रकरणों के त्वरित और प्रभावी निराकरण के लिए राज्य केंद्रीयकृत पेंशन प्रोसेसिंग सेल के गठन को स्वीकृति दी गई। यह सेल पेंशन मामलों की पूरी प्रक्रिया के संचालन और समाधान के लिए अधिकृत रहेगा। राज्य सरकार ने निर्णय लिया है कि संभागीय एवं जिला स्तर पर स्थित वर्तमान पेंशन कार्यालयों को अस्थायी रूप से दो वर्षों के लिए पेंशन समाधान केंद्र के रूप में सीमित संरचना के साथ संचालित किया जाएगा।

मप्र के 5 शहरों में मॉक ड्रिल

भोपाल-इंदौर, जबलपुर-कटनी और ग्वालियर में आज बजेगा सायरन

ब्लैकआउट और रेस्क्यू ऑपरेशन की तैयारी

विजय मत, भोपाल

केंद्रीय गृह मंत्रालय के निर्देश पर देश के सभी राज्यों में बुधवार (7 मई) को होने वाली मॉक ड्रिल के लिए एमपी के भी पांच शहरों को चुना गया है। इनमें इंदौर, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और कटनी शामिल हैं। इन शहरों में कल होमगार्ड, एनडीआरएफ, एसडीईआरएफ और पुलिस के जवान मॉक ड्रिल करेंगे। यह मॉक ड्रिल केंद्र सरकार की ओर से शाम तक जारी की जाने वाली गाइडलाइन के आधार पर होगी। बुधवार शाम 4 बजे से सायरन के जरिए खतरे की सूचना, ब्लैकआउट, प्रमुख सरकारी और गैर सरकारी इमारतों को सुरक्षित रखने, दुर्घटना की स्थिति में घायलों को सुरक्षित निकालने जैसी गतिविधियों की ड्रिल की जाएगी। इस संबंध में जिला कलेक्टर और पुलिस अधीक्षकों को दिशा-निर्देश जारी किए जा रहे हैं। बता दें कि देश के 244 शहरों में केंद्रीय गृह मंत्रालय की ओर से मॉक ड्रिल करने के निर्देश जारी किए गए हैं। कैबिनेट ब्रीफिंग के दौरान नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि मॉक ड्रिल को लेकर शाम तक भारत सरकार की ओर से राज्य सरकार को मार्गदर्शन दिया जाएगा।

प्रशासनिक जिलों से अलग हैं सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट

गृह मंत्रालय ने मंगलवार को मॉक ड्रिल वाले जिलों की लिस्ट जारी की। इनमें राज्यवार संवेदनशीलता के आधार पर जिलों को बांटा गया है। देश के 25 राज्यों के कुल 244 सिविल डिफेंस डिस्ट्रिक्ट को कैटेगरी-1 से 3 के बीच रखा गया है। मध्य प्रदेश की राजधानी होने के साथ ही यहां सेना की इंफेंट्री है। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल की बटालियन है। देश की नवरत्न कंपनियों में शामिल भेल का कारखाना है। एमपी का साइबर मुख्यालय, स्टेट डेटा सेंटर होने के चलते भी भोपाल सुरक्षा के लिए खास महत्व रखता है। महू में आर्मी वॉर कॉलेज है। यहां रणनीति, रसद, समकालीन सैन्य अध्ययन और सैन्य सिद्धांत में सुधार पर अनुसंधान किया जाता है।

बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आई

7 फीट ऊंचे हिम शिवलिंग के दर्शन को आएंगे लाखों श्रद्धालु, यात्रा 3 जुलाई से

श्रीनगर, एजेंसी

कश्मीर के अनंतनाग जिले में अमरनाथ की पवित्र गुफा से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर सामने आ गई है। इस बार बर्फ का शिवलिंग करीब 7 फीट ऊंचा है। इस शिवलिंग के दर्शन के लिए देशभर से लाखों लोग अमरनाथ आते हैं। यात्रा 3 जुलाई से शुरू होगी जो करीब 38 दिन चलेगी। 9 अगस्त को छड़ी मुबारक के साथ रक्षाबंधन के दिन पूरी होगी। यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो गए हैं। जरूरी मेडिकल सर्टिफिकेट बनवाने की प्रक्रिया चल रही है। 13 से 70 साल की उम्र तक के भारतीय अमरनाथ यात्रा कर सकते हैं। 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले का अमरनाथ यात्रा के रजिस्ट्रेशन पर कोई असर नहीं नजर आ है।

10 महीने बाद बढ़ेसांची दूध के रेट

अमूल के बाद सांची ने भी बढ़ाए दाम, आज से दो रुपए प्रति लीटर महंगा

विजय मत, भोपाल

अमूल के बाद अब सांची ने भी ग्राहकों को झटका दिया है। सांची ने भी दूध के रेट बढ़ा दिए हैं। 1 लीटर दूध पर 2 रुपए, जबकि आधा लीटर पर एक रुपए की बढ़ोतरी की गई है। 7 मई से नए रेट लागू हो जाएंगे। यानी, कल से सांची दूध महंगा मिलेगा। भोपाल के अलावा इंदौर में भी सांची दूध महंगा हुआ है। वहीं, उज्जैन, ग्वालियर, सागर, बुंदेलखंड दुग्ध संघ भी रेट बढ़ा रहे हैं। भोपाल में पैक्ड दूध में सांची की सबसे ज्यादा खपत होती है। रोज साढ़े 3 लाख लीटर से अधिक दूध की खपत है। अमूल की खपत 70 हजार लीटर है। इसके बाद सौरभ, श्रीधी, मदर डेयरी के दूध भी पैकेट में बिकते हैं। सौरभ और श्रीधी की बात करें, तो इनकी करीब 1 लाख लीटर दूध की खपत शहर और भोपाल के ग्रामीण इलाकों में है।

पहलगाम हमले को लेकर खड़गे का बड़ा दावा-

प्रधानमंत्री मोदी को 3 दिन पहले भेजी गई थी खुफिया रिपोर्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

पहलगाम हमले को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि इस हमले से पहले पीएम मोदी को एक खुफिया रिपोर्ट दी गई थी, जिसके बाद उनका कश्मीर का दौरा कैंसिल किया गया था। झारखंड में हुई रैली में संबोधन के दौरान खड़गे ने दावा किया है कि इस हमले के तीन दिन पहले पीएम को रिपोर्ट भेजी गई थी। अब ये हमला होने के पीछे इंटेलिजेंस फेलियर है। उन्होंने सवाल उठाया कि, सरकार ने इसे स्वीकार किया है और अब वे इसमें सुधार करेंगे। अगर सरकार इस बारे में जानती थी तो उन्होंने कुछ किया क्यों नहीं? मुझे पता चला कि हमले से तीन दिन पहले पीएम मोदी को खुफिया रिपोर्ट भेजी गई थी। इसके बाद ही उनका कश्मीर दौरा रद्द किया गया।

महिला उम्मीदवारों के लिए सचिव पद आरक्षित हो

एससीबीए चुनाव के लिए कोर्ट ने तय की 20 मई की तारीख

नई दिल्ली, एजेंसी

शीर्ष कोर्ट ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) के चुनाव के लिए 20 मई की तारीख तय की। ये चुनाव 2024 में तैयार की गई अंतिम मतदाता सूची के आधार पर होंगे। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एन. कोटिश्वर सिंह की बेंच ने निर्देश दिया कि इस बार के चुनाव में एससीबीए के सचिव पद को महिला वकीलों के लिए आरक्षित किया जाए। इसके अलावा, कार्यकारी समिति में पहले से लागू एक-तिहाई महिला आरक्षण भी बना रहेगा। बेंच ने यह भी स्पष्ट किया कि जिन वकीलों ने 28 फरवरी तक पात्रता हासिल कर ली है, वे एससीबीए के 2025 के चुनाव के लिए मतदाता सूची में शामिल होने के हकदार होंगे। चुनाव के बाद मतगणना होगी और नतीजे 21 मई को घोषित किए जाएंगे। शीर्ष कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज एल. नागेश्वर राव की रिपोर्ट एससीबीए की वेबसाइट पर अपलोड की जाए। राव को उप-नियमों में सुधार के लिए सुझाव देने की जिम्मेदारी दी गई थी।

विजय मत एंकर भारत सरकार ने पूरे देश में कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम लागू करने की अधिसूचना जारी की

सड़क हादसे में घायल लोगों को अब पूरे देश में मिलेगा मुफ्त इलाज

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत सरकार ने पूरे देश में कैशलेस ट्रीटमेंट स्कीम (नकद रहित इलाज योजना) लागू करने की अधिसूचना जारी कर दी है। जिसके तहत सड़क दुर्घटना के शिकार हर व्यक्ति को प्रति हादसा अधिकतम 1.5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल सकेगा। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा जारी गजट अधिसूचना के अनुसार, यह योजना 5 मई, 2025 से लागू हो गई है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की ओर से जारी अधिसूचना के मुताबिक, अगर किसी भी व्यक्ति का सड़क हादसा मोटर वाहन के कारण होता है, तो उसे इस स्कीम के तहत देश के किसी भी हिस्से में इलाज की सुविधा मुफ्त में मिलेगी। हादसे के शिकार व्यक्ति को सरकारी या नामित अस्पतालों में इलाज के लिए कोई पैसे नहीं देने होंगे। योजना की प्रभावी निगरानी के लिए केंद्र सरकार एक स्टीयरिंग कमेटी (निगरानी समिति) भी बनाएगी। जो यह सुनिश्चित करेगी कि योजना का सही तरीके से पालन हो रहा है या नहीं। गौरतलब है कि 14 मार्च 2024 को सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने इस स्कीम का पायलट प्रोग्राम शुरू किया था, जिससे सीख लेकर अब इसे राष्ट्रीय स्तर पर लागू किया गया है।

दुर्घटना के 7 दिनों तक मुफ्त इलाज की सुविधा

इस योजना के तहत पीड़ित व्यक्ति को दुर्घटना की तारीख से अगले सात दिनों तक, अधिकतम 1,50,000 रुपये तक का मुफ्त इलाज दिया जाएगा। यह सुविधा सिर्फ उन अस्पतालों में पूरी तरह लागू होगी जो सरकार द्वारा नामित किए गए हैं।

अन्य अस्पतालों में सिर्फ प्राथमिक इलाज

अगर किसी कारणवश पीड़ित को नामित अस्पताल नहीं मिल पाता और इलाज किसी अन्य अस्पताल में कराया जाता है। तो उस स्थिति में उस अस्पताल में सिर्फ स्थिर हालत (स्टेबलाइजेशन) तक का इलाज ही इस योजना के तहत कवर किया जाएगा। इस बारे में अलग से गाइडलाइंस जारी की गई हैं।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण योजना को लागू करेगा

इस योजना को लागू करने की जिम्मेदारी नेशनल हेल्थ अथॉरिटी को सौंपी गई है। यह संस्था पुलिस, अस्पतालों और राज्य स्तरीय स्वास्थ्य एजेंसियों के साथ मिलकर काम करेगी ताकि स्कीम को प्रभावी ढंग से लागू किया जा सके। हर राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में स्टेट रोड सेफ्टी काउंसिल इस योजना की नोडल एजेंसी होगी। यह काउंसिल इस बात की निगरानी करेगी कि योजना को ठीक से लागू किया जाए, अस्पतालों को योजना से जोड़ा जाए, पीड़ितों का इलाज हो और भुगतान की प्रक्रिया सही ढंग से चले।

भारत-पाक में तनातनी के बीच गिरावट के साथ बंद शेयर बाजार, सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान पर

नई दिल्ली, एजेंसी। बैंकिंग एवं पेट्रोलियम शेयरों में मुनाफावसूली आने और भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से निवेशकों की सतर्कता के चलते मंगलवार को शेयर बाजारों में गिरावट देखने को मिली। सेंसेक्स 156 अंक फिसल गया, जबकि निफ्टी में 82 अंक की गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को गिरवाट के साथ खुला सेंसेक्स 155.77 अंक गिरकर 80,641.07 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी 81.55 अंक गिरकर 24,379.60 पर पहुंच गया। कारोबारी सप्ताह के दूसरे दिन मंगलवार को दो दिनों की बढ़त के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 155.77 अंक या 0.19 प्रतिशत गिरकर 80,641.07 पर बंद हुआ। दिन के दौरान यह 315.81 अंक या 0.39 प्रतिशत गिरकर 80,481.03 के स्तर तक पहुंच गया था। एनएसई निफ्टी 81.55 अंक या 0.33 प्रतिशत गिरकर 24,379.60 पर आ गया।

कार्यालय: भोपाल ■ शहडोल ■ इंदौर ■ जबलपुर ■ होशंगाबाद ■ विदिशा ■ सीहोर ■ बैतूल ■ छिंदवाड़ा ■ ग्वालियर ■ ब्यौहारी ■ अनूपपुर ■ उमरिया ■ सीधी ■ सिंगरौली ■ रीवा ■ सतना ■ बालाघाट ■ सिवनी ■ कटनी ■ सागर ■ मुलताई ■ मुरैना ■ टीकमगढ़ ■ रायपुर ■ बिलासपुर ■ भिलाई

न्यूज इन शॉर्ट

जनसुनवाई में कलेक्टर ने 81 आवेदन पत्रों में की सुनवाई

अनूपपुर / जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में संपन्न हुई। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने 81 आवेदनों पर जनसुनवाई करते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को निराकरण करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा, अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय डिप्टी कलेक्टर कमलेश पुरी सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारीगणों ने भी आवेदकों की समस्याएं सुनी।
जनसुनवाई में ग्राम चकेठी तहसील अनूपपुर के सत्यनारायण सोनी ने पिता की दुर्घटना में मृत्यु होने पर मुख्यमंत्री जन कल्याण (संबल) योजना के तहत सहायता राशि दिलाए जाने, ग्राम पसला तहसील अनूपपुर के श्री लल्ला कुम्हार ने उनके पट्टे की भूमि को बाईपास मार्ग के निर्माण हेतु अधिग्रहीत किए जाने पर मुआवजा राशि दिलाए जाने, ग्राम सुलखारी तहसील जैतहरी के श्री जोहन राठौर ने पट्टे की भूमि का नक्शा तरमीम कराए जाने, ग्राम केल्हौरी तहसील अनूपपुर के रमेश बैगा ने दबंगों द्वारा उनके पट्टे की भूमि पर जबरन कब्जा कर आवास निर्माण किए जाने, ग्राम पड़ौर तहसील अनूपपुर के उमाकान्त सिंह ने ओलावृष्टि से फसल नुकसान होने पर मुआवजा राशि दिलाए जाने के संबंध में आवेदन दिए।

केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने मां नर्मदा की पूजा अर्चना की

अनूपपुर। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर ने आज अनूपपुर जिले के अमरकंटक प्रवास के दौरान मां नर्मदा के उद्गम स्थल में पहुंचकर मां नर्मदा की पूजा अर्चना की देश तथा प्रदेश के नागरिकों के कल्याण और सुख समृद्धि के लिए मां नर्मदा से कामना की। इस अवसर पर मध्यप्रदेश कोल विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष (कैबिनेट मंत्री दर्जा) रामलाल रौतेल, नायाब तहसीलदार अमरकंटक कौशलेंद्र मिश्रा, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला बाल विकास विनोद परस्ते, पुजारीगण, पत्रकारगण, सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं प्रशासनिक अधिकारी, आमजन उपस्थित थे।

कलेक्टर के निर्देशन में दिव्यांग को मिली व्हीलचेयर

अनूपपुर / कलेक्टर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में कलेक्टर हर्षल पंचोली को जनपद पंचायत अनूपपुर के ग्राम पंचायत चुकान निवासी दिव्यांग रोहिणी प्रसाद ने बताया कि वह जन्म से ही दिव्यांग है तथा उन्हें चलने-फिरने में अब अत्यधिक कठिनाई होती है, जिसके कारण उन्हें व्हीलचेयर की आवश्यकता है, जिससे वह एक स्थान से दूसरे स्थान तक आ जा सके। कलेक्टर के निर्देशानुसार सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा आवश्यक प्रक्रिया पूर्ण कर दिव्यांग हितग्राही रोहिणी प्रसाद को एडीप योजना अंतर्गत सहायक उपकरण व्हीलचेयर प्रदान करने की व्यवस्था सामाजिक न्याय विभाग के प्रभारी तथा समग्र विस्तार अधिकारी श्री सुदीप गर्ग द्वारा की गई। तत्पश्चात् अपर कलेक्टर दिलीप कुमार पाण्डेय द्वारा रोहिणी प्रसाद को व्हीलचेयर ससम्मान प्रदान किया गया। इस त्वरित और संवेदनशील कार्यवाही से दिव्यांग हितग्राही रोहिणी प्रसाद प्रसन्न नजर आए और प्रसन्नता व्यक्त करते हुए शासन एवं जिला प्रशासन का आभार माना।

अब अपराध नहीं, कार्रवाई बोलेगी- बल्लू-वाजिद के घर पर बुलडोजर, पप्पू बैटरी को बचाएगा कौन ?

मंत्री के निर्देश पर चला प्रशासन का हथौड़ा,अवैध मकान पर 3 दिन का अल्टीमेटम, जिला बदर की फाइल एसपी के पास पहुंची, कोतमा में अपराध का पावर हाउसः

विजय मत, अनूपपुर

कोतमा में पशु तस्करी का गंदा खेल अब प्रशासन की सख्ती की जद में आ चुका है। मध्यप्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल के निर्देश पर पुलिस और प्रशासन ने पशु तस्कर बल्लू वाजिद के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है।
कोतमा थाना प्रभारी सुंदरेष सिंह मरावी ने मंगलवार को बल्लू-वाजिद के विरुद्ध जिला बदर की फाइल पुलिस अधीक्षक मोती उर रहमान के समक्ष प्रस्तुत कर दी है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, आगामी 8 से 10 दिनों में बल्लू वाजिद पर औपचारिक रूप से जिला बदर की कार्रवाई हो सकती है।
इसी के साथ, कोतमा नगर पालिका ने भी बड़ा कदम उठाया है। वार्ड क्रमांक 4 में स्थित उस मकान, जहां से अवैध पिस्तौल और मांस बरामद हुए थे, उसे लेकर तीन दिन का नोटिस जारी किया गया है। मकान मालिक से जमीन के वैध दस्तावेज मांगे गए हैं। यदि तय समय में दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए, तो मकान पर बुलडोजर चलेगा और उसे जमींदोज कर दिया जाएगा।
कोतमा में पशु तस्कर बल्लू वाजिद के खिलाफ की गई कार्रवाई के बाद अब प्रशासन की निष्क्रियता और सांठगांठ पर जनता खुलकर सवाल उठा रही है। मामला अब एक अपराधी की गिरफ्तारी से कहीं आगे बढ़ चुका है,अब मुद्दा है, अपराधियों के संरक्षक कौन हैं?

www.vijaymat.com
शहडोल, रविवार 04 मई 2025
अनूपपुर 5
कोतमा में हथियारों के साथ पकड़े गए पशु तस्कर, 21 भैंसे बरामद
11.85 लाख की जब्ती, दो आरोपी गिरफ्तार, दो फरार, अवैध हथियार जप्त
मांस और वाहन भी मिले, बल्लू-वाजिद के खिलाफ विभिन्न थानों में दर्ज है पुराने मामले

www.vijaymat.com
शहडोल, मंगलवार 06 मई 2025
अनूपपुर 5
कोतमा में पशु तस्करों पर 'जायसवाल स्ट्राइक' – बुलडोजर से होगी सफाई, जिला बदर की तैयारी
गौमांस, अवैध हथियार और पशु तस्करी, मंत्री बोले बुलडोजर ही इलाज है ऐसे अपराधियों का
गौ मांस और अवैध हथियार बरामद, बल्लू-वाजिद के घर पर चलेगा बुलडोजर ; जिला बदर की तैयारी

नगर में चर्चा का केंद्र बना है एक और चर्चित नाम – %पप्पू बैटरी%। बल्लू वाजिद के ठिकाने से भारी मात्रा में गोमांस और अवैध पिस्तौल मिलने के बाद जनता की नजरें अब पप्पू बैटरी पर टिक गई हैं, जो वर्षों से न केवल अवैध कार्यों में संलिप्त बताया जाता है बल्कि पुलिस और राजस्व अधिकारियों की संगत में खुलेआम घूमता रहा है।

किस प्रशासनिक संरक्षण

पप्पू बैटरी के ऊपर आरोप होने के बावजूद अब तक उस पर कोई कार्रवाई न होना यह दर्शाता है कि अपराधियों को संरक्षण देना यहां एक सिस्टमेटिक अपराध बन चुका है। लोगों का आरोप है कि पप्पू बैटरी ही वह कड़ी है जो पशु तस्करी, मांस तस्करी, और अवैध कारोबारियों को न केवल सहयोग देता है बल्कि उनके लिए जमानत और कानूनी सुरक्षा भी सुनिश्चित करता है।कई बार पप्पू बैटरी को अवैध गोदामों, पशु तस्करी के वाहनों और संदिग्ध ठिकानों के पास देखा गया है, लेकिन हर बार प्रशासन ने या तो आंख मूंद ली या फिर लीपापोती कर दी। अब यह स्पष्ट होता जा रहा है कि यदि बल्लू वाजिद इस अवैध खेल का चेहरा था, तो पप्पू बैटरी वह हाथ है जो इन चेहरों को नचाता है।

सोशल मीडिया पर नगरवासियों ने अब खुला अभियान छेड़ दिया है –

प्रदेश सरकार के कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग राज्य मंत्री दिलीप जायसवाल ने बल्लू व वाजिद के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई और जिला बदर के आदेश देकर जो सख्ती दिखाई, अब वही सख्ती पप्पू बैटरी पर भी लागू करने की मांग जोर पकड़ रही है।
यदि अब भी पप्पू बैटरी पर कार्रवाई नहीं होती है, तो यह प्रमाण होगा कि कोतमा में अपराधियों से ज्यादा मजबूत है उनका संरक्षण।अब यह सिर्फ एक अपराधी का मामला नहीं, यह प्रशासन की साख का इम्तिहान बन चुका है।

अपराधियों को पकड़ने पुलिस का प्रयास जारी : एसपी

पुलिस अधीक्षक अनूपपुर मोतिउर रहमान ने बताया कि लगातार फरार पशु तस्कर बल्लू व वाजिद को पकड़ने के लिए टीम का गठन किया गया है ,जहां उनके ठिकानों पर पुलिस दबिश दे रही है ,जल्द उन्हें गिरफ्तार कर दिया जाएगा। दोनों तस्करों के विरुद्ध जिला बदर की फाइल भी आ चुकी है 8 से 10 दिन के अंदर जिला बदर की कार्रवाई पूरी हो जाएगी। मंत्री के भी स्पष्ट निर्देश है कि तस्करों के विरुद्ध कार्रवाई की जाए, जिसे लेकर पुलिस के द्वारा पशु तस्करों के विरुद्ध जिले में लगातार कार्रवाई जारी रहेगी।

हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम 72.27 तथा हा से का परीक्षा परिणाम 68.44 प्रतिशत रहा

विजय मत, उमरिया

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल व्दारा मंगलवार की सुबह हाई स्कूल एवं हायर सेकेण्डरी का परीक्षा परिणाम घोषित कर दिया गया है। जिले में हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम 72.27 प्रतिशत तथा हायर सेकेण्डरी का परीक्षा परिणाम 68.44 प्रतिशत रहा। पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष हाई स्कूल के परीक्षा परिणाम में 24.53 प्रतिशत तथा हायर सेकेण्डरी के परीक्षा परिणाम में 19.49 प्रतिशत वृध्दि हुई है। हाई स्कूल और हायर सेकेंडरी स्कूल की टॉप 10 की लिस्ट भी जारी की गई है जिसमें उमरिया जिले से दो छात्रों ने मध्य प्रदेश की मेरिट सूची में स्थान बनाया है। कक्षा 10 वीं के छात्र सौरभ पांडे आत्मज मोहन राम पांडे नवज्योति अकादमी उ.मा.वि., मानपुर उमरिया ने मध्यप्रदेश में 8वां स्थान अर्जित किया है वहीं कक्षा 10वीं की छात्रा कु. शिवि गुप्ता आत्मज विजय कुमार गुप्ता सरस्वती उ.मा.वि., चंदिया उमरिया ने प्रदेश में 9वां स्थान हासिल किया है। सौरभ पांडेय एवं शिवि गुप्ता की इस सफलता पर कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर शिव गोविंद सिंह मरकाम ने शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की है।

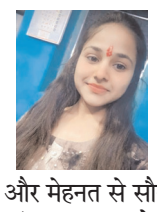

हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में सौरभ ने रचा कीर्तिमान

हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में इस बार उमरिया जिले ने भी प्रदेश भर में परचम लहराया है। इस बार के परिणाम में मानपुर, बड़खेरा के मेधावी छात्र सौरभ पाण्डेय ने 98.6 प्रतिशत अंक अर्जित कर नया कीर्तिमान रचा है। अपनी लगन

और मेहनत से सौरभ ने 500 में 493 अंक प्राप्त कर प्रदेश में 8 वां स्थान एवं जिले में पहला स्थान अर्जित किया है। सौरभ मानपुर नव ज्योति हायर सेकेण्डरी स्कूल में अध्यनरत हैं, जिनके पिता मोहनराम पाण्डेय पेशे से किसान हैं और बड़खेरा गांव में रहकर खेती किसानी करते हैं, उनकी मां श्री मती संगीता पाण्डेय गृहणी हैं। इस उपलब्धि पर सौरभ ने बताया कि वह स्कूल के अलावा घर में ही कड़ी मेहनत से पढ़ाई करते थे और रात का समय सबसे अच्छा होता है जब कोई समस्या या शोरगुल नहीं होता है।

शिवि इंजीनियर बनने की करेंगी तैयारी

चंदिया तहसील निवासी शिवि गुप्ता पिता विजय गुप्ता ने बताया कि पिता इलेक्ट्रानिक की दुकान चलाते है। माता गृहिणी है। मैंने अपनी पढ़ाई सरस्वती स्कूल चंदिया से की है।इस उपलब्धि को हासिल करने के लिए प्रतिदिन 5 से 6 घंटे पढ़ाई करती थी। गुरूजनों व्दारा जो शिक्षा स्कूल में दी जाती थी, उसका नियमित रूप से अभ्यास किया।जो प्रश्न समझ में नही आते थे, उसे गुरूजनों से पूछकर हल किया। इसके साथ ही माता पिता का भी समय समय पर सहयोग मिलता रहा।जिसका परिणाम रहा कि प्रदेश की प्रवीण्य सूची में नौवा स्थान प्राप्त हुआ है। शिवि गुप्ता ने 492 अंक अर्जित कर प्रदेश की प्रवीण्य सूची में नौवां स्थान अर्जित किया है। उन्होने अन्य छात्र-छात्राओं को सलाह दी है कि जीवन में सफल होने के लिए शिक्षा का हमारे जीवन मे बहुत महत्व है, इसलिए आवश्यक है कि मन लगाकर शिक्षा अर्जित करें और गृह, जिला व प्रदेश का नाम रोशन करें। उन्होने बताया कि वे जेईई की तैयारी करके इंजीनियरिंग में जाना चाहती है। शिवि की इस सफलता से चंदिया नगर ही नही बल्कि उमरिया जिला भी गौरांवित हुआ है।

जिले में छात्र छात्राओं ने स्थान किया अर्जित

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल व्दारा घोषित हाई एवं हायर सेकेण्डरी के परीक्षा परिणाम में जिले की मेरिट सूची में छात्र छात्राओं ने अपना स्थान बनाया है जिसमें कक्षा 12 वीं के अतुल गुप्ता पिता राजेश गुप्ता नवज्योति अकादमी एचएस स्कूल, मानपुर, ने 464 अंक, कक्षा 12 वीं के हर्षित शुक्ला पिता राजेंद्र कुमार शुक्ला शासकीय एचएस स्कूल, अमिलिहा ने 449 अंक, कक्षा 12 वीं की अंशिका गुप्ता टीकाराम गुप्ता देवकांत गुप्ता स्वराज पब्लिक एचएस स्कूल, सिंगल टोला वार्ड नंबर 13 ने 469 अंक, हिमांशु त्रिपाठी पिता धर्मेंद्र त्रिपाठी सीमा त्रिपाठी एसटी जेवियर एचएस स्कूल कोइलारी उमरिया ने 465 अंक, प्रियांशु विश्वकर्मा पिता दयाराम विश्वकर्मा सरस्वती शिशु मंदिर एचएस स्कूल, विंध्य कॉलोनी, उमरिया ने 462 अंक , कक्षा 10 वीं की अंजुम पटेल पिता संजय पटेल प्रभा पटेल शासकीय आदिवासी एचएस स्कूल, नौगवां, उमरिया ने 462 अंक, कक्षा 12 वीं की साक्षी विश्वकर्मा पिता मनोज कुमार विश्वकर्मा वैष्णवी जनता एच.एस.स्कूल, नौरोजाबाद, उमरिया ने 469 अंक, कक्षा 12 वीं के सम्मान गुप्ता पिता संजय गुप्ता जोसेफ एच एस स्कूल विंध्य कॉलोनी, महुरा, पिनौरा, उमरिया ने 441 अंक, कक्षा 12 वीं की अंजलि गुप्ता पिता द्वारिका प्रसाद गुप्ता शशिकला गुप्ता शासकीय एचएस स्कूल, पिनौरा ने 456 अंक तथा कक्षा 10 वीं की कामनी बैगा पिता विमल बैगा शासकीय कन्या एचएस स्कूल, बीरसिंह पुर पाली उमरिया ने 405 अंक अर्जित किया है।

इंस्टाग्राम पर दोस्ती के बाद शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म

कोतवाली पुलिस ने कुछ घंटों में आरोपी को जैतपुर से दबोचा

विजय मत, अनूपपुर

सोशल मीडिया पर पहले दोस्ती फिर शादी का झांसा देकर एक युवक ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म किया। घटना की शिकायत मिलने पर कोतवाली पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए आरोपी को महज कुछ घंटों में गिरफ्तार कर लिया। 16 साल 11 महीने की नाबालिग बालिका सोमवार सुबह अपने परिजनों के साथ थाने पहुंची और रिपोर्ट दर्ज कराई कि रवि कोल (उम्र 27 वर्ष), निवासी अमलई, जिला शहडोल ने इंस्टाग्राम और मोबाइल फोन के जरिए पहले दोस्ती की और फिर शादी का झांसा देकर अपने साथ ले जाकर दुष्कर्म किया।
शिकायत पर पुलिस ने अपराध क्रमांक 214/25 धारा 137(2), 87, 69 बीएनएस व 3/4 पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर तत्काल कार्रवाई की। थाना प्रभारी अरविंद जैन के नेतृत्व में उपनिरीक्षक सरिता लकड़ा, प्रधान आरक्षक शेख रसीद, रीतेश सिंह और आरक्षक प्रकाश तिवारी की टीम ने आरोपी को उसकी ससुराल जैतपुर (शहडोल) से गिरफ्तार किया।

एसपी की अपील

एसपी मोती उर रहमान ने अपील की है कि माता-पिता अपने नाबालिग बच्चों की सोशल मीडिया गतिविधियों पर सतर्क निगरानी रखें ताकि उन्हें साइबर शिकार बनने से बचाया जा सके।

अनूपपुर पहला जिला, जहां पुलिस ने शुरू की स्मार्ट कार्ड योजना

अनूपपुर। यात्री वाहनों की मॉनिटरिंग को आधुनिक और सुविधाजनक बनाने की दिशा में अनूपपुर पुलिस ने एक बड़ा कदम उठाया है। जिले में अब यात्री वाहनों के लिए स्मार्ट कार्ड जारी किए जा रहे हैं। यह योजना अनूपपुर को पहला ऐसा जिला बना रही है, जहां पुलिस स्तर पर इस तरह की डिजिटल पहल की गई है।पुलिस अधीक्षक अनूपपुर ने इस योजना की शुरुआत करते हुए बताया कि स्मार्ट कार्ड के जरिए अब हर यात्री वाहन की जानकारी डिजिटल रूप से उपलब्ध रहेगी। वाहन के दस्तावेज जैसे फिटनेस, परमिट, बीमा, ड्राइविंग लाइसेंस आदि की वैधता सीधे सिस्टम में दर्ज होगी और जैसे ही कोई दस्तावेज समाप्त होगा, उस पर स्वतः कार्यवाही की जा सकेगी।

यात्रियों को मिलेगी राहत, समय की होगी बचत

पुलिस अधीक्षक ने बताया कि चेकिंग के दौरान अब दस्तावेज दिखाने में लगने वाला समय बचेगा। इससे यात्रियों को अनावश्यक देरी और असुविधा से मुक्ति मिलेगी। साथ ही यात्री वाहनों का रिकॉर्ड भी सुरक्षित और व्यवस्थित रहेगा।यह स्मार्ट कार्ड वाहन स्वामियों, चालकों और आम यात्रियों – सभी के लिए लाभकारी सिद्ध होगा।

परीक्षा फल

एमपी बोर्ड परीक्षा 2025 के प्रावीण्य सूची में अनूपपुर जिले ने दसवीं में चौथा तथा बारहवीं में सातवां स्थान किया अर्जित

दसवीं में 87.66 व बारहवी में 83.51 प्रतिशत रहा परिणाम

कलेक्टर एवं जिपं. सीईओ ने सफलता प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को दी शुभकामनाएं

विजय मत, अनूपपुर

मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल सर्टिफिकेट 2025 के परीक्षा परिणाम मंगलवार को घोषित किए गए। जिले का हाई स्कूल का बोर्ड परीक्षा परिणाम पूर्व वर्ष के 70.29 प्रतिशत से बढ़कर 87.66 प्रतिशत रहा। इस तरह 17.37 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। हायर सेकेंडरी का बोर्ड परीक्षा परिणाम पूर्व वर्ष के 75.98 प्रतिशत से बढ़कर 83.51 प्रतिशत रहा, इसमें 7.51 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई है।
मध्यप्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल के हाई स्कूल (दसवीं) के परीक्षा परिणाम में अनूपपुर जिले के विवेक शिक्षा निकेतन कोतमा के छात्र अंशुल केवट पिता कमल केवट ने 500 में से 492 अंक प्राप्त कर जिले में प्रथम स्थान एवं प्रदेश की प्रवीण्य सूची में नौवां तथा पैरामाउंट अकादमी अंग्रेजी माध्यम उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जैतहरी की छात्रा कु. आकृति शर्मा ने 500 में से 491 अंक प्राप्त कर प्रथम रहकर प्रदेश की

प्रवीण्य सूची में दसवां स्थान अर्जित किया है। माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्यप्रदेश द्वारा आयोजित हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी सर्टिफिकेट परीक्षा वर्ष 2025 में अनूपपुर जिले ने प्रदेश के टॉप-10 में स्थान अर्जित किया है। इसी प्रकार प्रदेश की प्रवीण्य सूची में जिले को कक्षा दसवीं में चौथा तथा कक्षा 12वीं में सातवां स्थान प्राप्त हुआ है।
कलेक्टर हर्षल पंचोली के शिक्षा की गुणवत्ता के लिए किए गए सार्थक प्रयास का परिणाम कक्षा दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षा परिणाम में देखने को मिला है। कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली के शिक्षा की गुणवत्ता के लिए प्री बोर्ड परीक्षा के माध्यम से विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी कराने, मॉडल मॉक टेस्ट, कमजोर बच्चों विशेष फोकस व

विषय वार तैयारी से उत्साह जनक परिणाम परिलक्षित हुआ है। जिला प्रशासन द्वारा आगामी वर्ष में स्मार्ट क्लास तथा विषयवार आवश्यक तैयारी के साथ आगामी शैक्षणिक सत्र में जिले के परीक्षा परिणाम में और वृद्धि के प्रयास किए जाएंगे।

कलेक्टर एवं सीईओ ने दी बधाई

इसी तारतम्य में कलेक्टर हर्षल पंचोली एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत तन्मय वशिष्ठ शर्मा ने हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा में जिला स्तरीय मेरिट सूची सहित जिले के अन्य सभी सफलता प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की मंगल कामना की है।
जिला शिक्षा अधिकारी टी आर आर्मो तथा रमसा के जिला परियोजना समन्वयक देवेश सिंह बघेल से प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला स्तरीय प्रवीण्य सूची में कक्षा दसवीं में नंदिनी सोनी पिता राजेश सोनी न्यू स्टेला मैरी स्कूल हाई स्कूल अनूपपुर ने 487 अंक प्राप्त कर प्रथम, शिवांश त्रिपाठी पिता शिवप्रसाद त्रिपाठी सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय अनूपपुर ने 484 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं अनुष्का सिंह राठौर पिता श्री अभय राज राठौर न्यू स्टेला मैरी स्कूल हाई स्कूल अनूपपुर ने 479 अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान अर्जित किया है।
इसी प्रकार कक्षा 12वीं में जिला स्तर पर महक शिवहरे पिता श्री शुभम शिवहरे सरस्वती शिशु शिक्षा मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जैतहरी ने 481 अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, कृष्ण कुमार तिवारी पिता श्री यज्ञ नारायण तिवारी सरस्वती शिशु शिक्षा मंदिर उच्चतर माध्यमिक स्कूल जैतहरी ने 471 अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान एवं रिया शुक्ला पिता श्री सत्येंद्र शुक्ला शासकीय बालक हायर सेकेंडरी स्कूल कोतमा ने 469 अंक प्राप्त कर जिले में तृतीय स्थान अर्जित किया है। पूरे जिले में घोषित परीक्षा परिणाम से उत्साह व उमंग का माहौल बना हुआ है।

रीजनल हॉस्पिटल में मरीज़ गर्मी से तड़प रहे, जनरेटर बंद

कोतमा। भीषण गर्मी में कोतमा का रीजनल हॉस्पिटल खुद बीमार हो गया है। जनरेटर बंद, बिजली गुल, और पैथोलॉजी सेवाएं ठप। ऐसे हालात में इलाज कराने पहुंचे कोयला मजदूरों के परिजन गर्मी से बेहाल होकर अस्पताल छोड़ने को मजबूर हैं, लेकिन जिम्मेदार अधिकारियों को कोई फर्क नहीं पड़ रहा।यह अस्पताल एसईसीएल (जमुना-कोतमा क्षेत्र) द्वारा संचालित है, जिसका उद्देश्य कोयला मजदूरों और उनके परिजनों को इलाज की सुविधा देना है। मगर इस वक्त स्थिति यह है कि अस्पताल में बिजली कटौती के दौरान जनरेटर तक चालू नहीं किया जा रहा, क्योंकि स्टाफ ऑफिसर (ई एंड एम) का कहना है - मैं कोयला निकालूं या जनरेटर चलाऊं, दोनों नहीं कर सकता।सूत्रों के अनुसार, जनरेटर को जानबूझकर एक गोदाम में बंद कर ताला जड़ दिया गया है। इतना ही नहीं, जब इस विषय में रीजनल अस्पताल के सीएमओ से बात की गई, तो उन्होंने कहा - जनरेटर चालू कराना मेरा काम नहीं है। अस्पताल में पैथोलॉजी की सेवाएं पूरी तरह से ठप हैं। कई मरीज़ जो भर्ती थे, वे इलाज की प्रक्रिया शुरू होने से पहले ही गर्मी और अव्यवस्थाओं के कारण अस्पताल छोड़कर जा चुके हैं।
मजदूर संगठन ने दी आंदोलन की चेतावनी– इस पूरे मामले को लेकर साउथ ईस्टर्न कोल वर्कर्स कांग्रेस के अध्यक्ष संजय पटेल ने जमुना-कोतमा क्षेत्र के महाप्रबंधक को लिखित पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि अगर शीघ्र बिजली व जनरेटर की समुचित व्यवस्था नहीं की गई, तो संगठन प्रशासन के खिलाफ आंदोलन करेगा।प्रशासनिक तानाशाही या घोर लापरवाही? अब बड़ा सवाल यह है कि जब अस्पताल में संसाधन मौजूद हैं, तो उन्हें उपयोग में लाने से रोका क्यों जा रहा है? क्या कोयला उत्पादन की आड़ में मानवता को भुला दिया गया है?

न्यूज इन शॉर्ट

भोपाल-लखनऊ वंदे भारत को इंदौर से चलाने की मांग

विजय मत, भोपाल। इंदौर से लखनऊ के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। इंदौर के डेली रूटीन यात्री संगठनों ने यह मांग की है। दरअसल, भोपाल और लखनऊ के बीच सप्ताह में छह दिन वंदे भारत एक्सप्रेस चलाने का प्रस्ताव रेलवे के पास विचाराधीन है। कहा जा रहा है कि जून अंत तक यह ट्रेन शुरू हो सकती है। भोपाल से लखनऊ के लिए विचाराधीन वंदे भारत ट्रेन को ही इंदौर से चलाने की मांग की जा रही है। इस मामले को लेकर सांसद शंकर लालवानी का भी कहना है कि रेलवे बोर्ड को इस सुझाव पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। बता दें कि भोपाल-लखनऊ के बीच लगभग 26 ट्रेनें चलती हैं। इनमें कुछ सुपर फास्ट एक्सप्रेस हैं। इनमें यात्रा का समय 10 से 14 घंटे तक है।

मप्र में पेंशन कार्यालय में स्टाफ घटाया जाएगा

विजय मत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव की अध्यक्षता में कैबिनेट बैठक में निर्णय लिया गया कि सभी जिलों में जो पेंशन कार्यालय हैं वहां के स्टाफ को कम कर जाएगा। एक केंद्रीय प्रकोष्ठ बनाया जाएगा। दरअसल, पेंशनर्स की संख्या कम होती जा रही है और स्टाफ अधिक है। ऑनलाइन व्यवस्था होने के कारण इस स्टाफ का उपयोग अन्यत्र किया जाएगा। पचमढ़ी शहर की भूमि जो वन विभाग दावा करता था कि हमारी है, उसे राजस्व विभाग को देने का निर्णय लिया गया। सुप्रीम कोर्ट में चल रहे प्रकरण में हुए आदेश के मद्देनजर निर्णय लिया गया है। इससे अब क्षेत्र में विकास की गतिविधियां तेज हो सकेंगे। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि पचमढ़ी को पर्यटन के नक्शे पर तेजी से उभरने में इस निर्णय से मदद मिलेगी।

मुस्लिम धर्म गुरुओं की लव जिहाद के आरोपियों पर सख्त कार्यवाही की मांग

विजय मत, भोपाल। शहर में हुए लव जिहाद मामले पर अब मुस्लिम धर्मगुरुओं ने भी सामने आकर इसकी कड़ी खिलाफत की है। शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी और शहर मुफ्ती अबुल कलाम कासमी ने अपना वक्तव्य जारी करते हुए लव जिहाद मामले में गिरफ्तार हुए सभी आरोपियों के खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर इस्लामी कानून के तहत कड़ी कार्रवाई करने मांग की है। शहर काजी ने कहा कि इस्लाम एक पाक साफ मज़हब है। इस्लाम में लव जिहाद की कोई गुंजाइश नहीं है,लव जिहाद कुछ नही होता है। उन्होंने कहा कि इस्लाम में अच्छे कामों को फैलने के लिए जो कार्य किए जाते है,उन्हे जिहाद कहां जाता है। बुराइयों के लिए इस्लाम में कोई जगह नही है। आरोपियों द्वारा सवाब के लिए लव जिहाद करने वाले बयान पर शहर काजी नदवी ने कहा कि इस्लाम में जिना करना हराम है,गैर मेहराम को देखना भी गुनाह के दायरे में आता है। इस्लाम में इसकी कड़ी सजा का प्रावधान है। अगर कोई फिर भी इस तरह की बाते कर रहा है, तो वह इस्लाम से नावाकिफ है और धर्म को बदनाम कर अपने आप को बर्बाद कर रहा है। शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी ने प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया से आव्हान करते कहा कि बिना तस्दीक के वह इस तरह की खबरों का प्रसारण नही करें जिससे हमारे देश प्रदेश का अमानो अमान खतरे में पड़े। वही शहर मुफ्ती कासमी ने कहा कि इस्लाम में गैर मेहराम को देखना भी पाप का काम है। जो इसको सही काम बता रहा है उसे सख्त सजा देना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने समत्व भवन में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में सभी जिलों के अधिकारियों को किया निर्देशित

अपराधों पर नियंत्रण के लिए सख्त एक्शन लें पुलिस अधिकारी: मुख्यमंत्री मोहन

विजय मत, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में सामान्य अपराधों और महिलाओं के विरुद्ध होने वाले अपराधों के मामलों में सख्त एक्शन लिया जाए। जो पुलिस अधिकारी प्रभावी कार्रवाई नहीं करेंगे, वे अधिकारी मैदान में नहीं दिखेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि शिक्षा केंद्रों पर विशेष सावधानी की आवश्यकता है। स्कूल और कॉलेज के शिक्षक-शिक्षिकाएं भी शिक्षण केंद्र स्तर पर अराजक तत्वों को रोकने की पुख्ता कार्रवाई के लिये नजदीकी थाने में तत्काल सूचना दें। छेड़खानी करने वाले युवकों को शिक्षण केंद्र के स्तर पर भी बिल्कुल नहीं बख्शा जाएं। पुलिस द्वारा ऐसे दर्ज मामलों और निरीक्षण के उपरांत सख्त कार्रवाई की जाए। सायबर अपराधों में लिप्त व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर एक्शन लिया जाए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंगलवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) में आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में प्रदेश के पुलिस अधीक्षकों को भी निर्देश दिए और की जा रही कार्रवाई का नियमित प्रतिवेदन देने के निर्देश दिए। वीडियो कॉन्फ्रेंस द्वारा जिलों के अधिकारियों को निर्देशित किया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में नक्सल गतिविधियों के नियंत्रण संबंधी जानकारी भी प्राप्त की मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नए आपराधिक कानून के संबंध में क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाना और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों ने अपराध नियंत्रण से संबंधित प्रेजेंटेशन दिया।

दस को होगा ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए एमओयू

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश शीघ्र ही तीसरी नदी जोड़ो परियोजना के क्रियान्वयन की ओर अग्रसर हो रहा है। यह परियोजना महाराष्ट्र के सहयोग से क्रियान्वित की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और मार्ग दर्शन में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की नदी जोड़ो परियोजना की संकल्पना को क्रियन्वित करने में मध्यप्रदेश, देश में अग्रणी रहा है। उत्तर प्रदेश और राजस्थान के बाद महाराष्ट्र के साथ ताप्ती बेसिन मेगा रिचार्ज परियोजना के लिए एमओयू होने जा रहा है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस भी 10 मई को भोपाल में मौजूद रहेंगे। दोनों राज्यों में सिंचाई क्षेत्र के विस्तार और पेयजल उपलब्धता को सुगम बनाने में यह परियोजना महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे गुजरात भी लाभान्वित होगा।

मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

- प्रदेश में विद्यालय और महाविद्यालय स्तर पर छात्राओं और सार्वजनिक स्थान पर महिलाओं के विरुद्ध अपराध घटित करने वाले तत्वों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई हो। इस बारे में कोई रियायत न बरती जाए।
- प्रदेश में एक समेकित अभियान संचालित कर छात्राओं और महिलाओं के विरुद्ध अपराधों पर नियंत्रण को अधिक प्रभावी बनाया जाए। इस संबंध में नियमित मॉनिटरिंग भी की जाए।
- नए कानून के क्रियान्वयन के प्रति गंभीर रहें।
- प्रदेश में न्याय श्रुति सॉफ्टवेयर के माध्यम से थानों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग व्यवस्था को सशक्त बनाया जाए।
- देवास जिले में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर पोस्टमार्टम रिपोर्ट, विधि विज्ञान रिपोर्ट और ई-अभियोजन के कार्य में लगभग 20 हजार मानव घंटे की बचत का कार्य सराहनीय है। अन्य जिले भी इस मॉडल पर कार्य करें।
- पुलिस का प्रशासनिक अमला और थानों का स्टॉफ संवेदनशील होकर नागरिकों के हित में और सुदृढ़ कानून व्यवस्था के लिए सभी आवश्यक कार्रवाई करें।
- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति, नक्सल गतिविधियों के नियंत्रण, पुलिस द्वारा सुशासन क्षेत्र के प्रयास और नए कानूनों के क्रियान्वयन की जानकारी प्राप्त कर समीक्षा कर निर्देश दिए। बैठक में मुख्य सचिव अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा और अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

रूस के विजय दिवस समारोह में राज्य अतिथि होंगी महापौर मालती राय

भोपाल एवं स्मोलेंस्क के बीच होगा 'सिस्टर सिटी' एमओयू

राजधानी में सांस्कृतिक, तकनीकी और शैक्षणिक सहयोग के नए रास्ते खुलेंगे

"सिस्टर सिटी" समझौते की संभावनाएं

- **शिक्षा व प्रशिक्षण-** विद्यार्थियों का आदान-प्रदान, रूस में उच्च शिक्षा के अवसर
- **संस्कृति व कला-** सांस्कृतिक दलों का परस्पर दौरा, परंपराओं का प्रदर्शन
- **पर्यटन-** दोनों शहरों में पर्यटन का विकास, स्थानीय उद्योग को बढ़ावा
- **तकनीकी सहयोग-** रूस की उन्नत तकनीकों से भोपाल के विकास में गति
- **स्वच्छता नवाचार-** स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नवाचारों का आदान-प्रदान
- **हस्तशिल्प और लघु उद्योग-** स्थानीय कारीगरों के लिए रूसी बाजार तक पहुँच

विजय मत, भोपाल

राजधानी भोपाल वैश्विक मंच पर एक नई पहचान की ओर अग्रसर है। भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय 9 मई को रूस के स्मोलेंस्क शहर में आयोजित विजय दिवस समारोह में राज्य अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगी। द्वितीय विश्व युद्ध में रूसी सेना की विजय के उपलक्ष्य में यह समारोह प्रत्येक वर्ष रूस के प्रमुख शहरों में आयोजित किया जाता है। इस बार स्मोलेंस्क शहर के मेयर के आमंत्रण पर महापौर राय इस गौरवमयी आयोजन में भाग लेने जा रही हैं। इस यात्रा के दौरान भोपाल और स्मोलेंस्क शहर के बीच सिस्टर सिटी एम.ओ.यू. (समझौता ज्ञापन) पर भी हस्ताक्षर होंगे। यह समझौता न केवल दोनों शहरों के बीच बल्कि भारत और रूस के बीच भी सांस्कृतिक, शैक्षणिक और तकनीकी सहयोग को मजबूती देगा। महापौर ने इस ऐतिहासिक पहल को भोपाल की जनता के लिए गर्व का क्षण बताया।

भोपाल की वैश्विक पहचान में नया अध्याय

महापौर श्रीमती राय ने बताया कि मध्यप्रदेश शासन की अनुमति से उन्हें यह अवसर प्राप्त हुआ है। यह केवल भोपाल के नगर निगम तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दो संस्कृतियों और दो राष्ट्रों के बीच मैत्रीपूर्ण संबंधों की दिशा में एक मजबूत कदम है। उन्होंने कहा कि सिस्टर सिटी समझौता शहरी विकास, स्वच्छता, अपशिष्ट प्रबंधन, पर्यटन, हस्तशिल्प और तकनीकी नवाचार के क्षेत्रों में सहयोग के नए द्वार खोलेगा। महापौर राय ने बताया कि स्मोलेंस्क में भोपाल नगर निगम द्वारा किए जा रहे स्वच्छता एवं कचरा प्रबंधन के नवाचारों को प्रस्तुत किया जाएगा। साथ ही, रूस में प्रयुक्त आधुनिक तकनीकों की जानकारी ली जाएगी ताकि उनका समावेश भोपाल के विकास कार्यों में किया जा सके। यह समझौता दोनों शहरों के युवाओं, कलाकारों, विद्यार्थियों और उद्यमियों के लिए एक वैश्विक मंच तैयार करेगा।

सिस्टर सिटी समझौते से संभावित लाभ

- रूस की तकनीकी विशेषज्ञता का उपयोग भोपाल में।
- पर्यटन एवं हस्तशिल्प उद्योग को मिलेगा अंतरराष्ट्रीय बाजार।
- छात्रों को मिलेगी वैश्विक शिक्षा व प्रशिक्षण की सुविधा।
- सांस्कृतिक संबंध होंगे और प्रगाढ़।
- नगर विकास के लिए अंतरराष्ट्रीय अनुभवों का लाभ।
- अपशिष्ट प्रबंधन और शहरी सौंदर्यीकरण में तकनीकी आदान-प्रदान।

कम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान

विजय मत, भोपाल। जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य कश्यप की अध्यक्षता में भोपाल शहर के कम्प्रिहेंसिव मोबिलिटी प्लान के स्टेक होल्डर्स की बैठक संपन्न बैठक में विधायक रामेश्वर शर्मा, आरिफ मसूद, भगवानदास सबनानी, महापौर श्रीमती मालती राय, आयुक्त नगरीय प्रशासन एवं विकास सीबि चक्रवर्ती एम., कलेक्टर कौशलेन्द्र विक्रम सिंह व निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन भी सम्मिलित हुए।

मप्र में अब नहीं खुलेंगे नए डिग्री कॉलेज

विजय मत, भोपाल

मध्य प्रदेश सरकार ने नई डिग्री कॉलेज खोलने की नीति को पूरी तरह से बदल दिया है। विधायक और सांसदों की मांग पर नये डिग्री कॉलेज शुरू नहीं किए जाएंगे। उच्च शिक्षा विभाग पहले सर्वे कराएगा, सर्वे में सभी जानकारी प्राप्त करने के बाद जरूरी होगा, तभी नये डिग्री कॉलेज खोले जा सकेंगे। 2023 विस चुनाव के समय प्रदेश में नए 35 डिग्री कॉलेज खोले गए थे।इनमें मात्र 1500 छात्र शिक्षारत हैं। इन कॉलेजों पर हर साल सरकार के 150 करोड रुपए खर्च हो रहे हैं। इस स्थिति को देखते हुए डिग्री कॉलेज खोलने की नीति में परिवर्तन किया गया है।

पीथमपुर के रामकी में जलाया जा रहा यूनियन कार्बाइड का कचरा

307 टन यूका का कचरा 55 दिन में होगा भस्म

- **जमीन की सतह से डेढ़ मीटर ऊंचाई तक राख को रखकर उसे पालीथीन लाइनर में रखा जाएगा**
- **अवशेष रुप में बचने वाली राख को जमीन में नहीं गाड़ा जाएगा**

विजय मत, भोपाल

41 साल पहले भोपाल में गैस त्रासदी का जिम्मेदार यूनियन कार्बाइड के नामो निशान को खत्म करने का अंतिम चरण सोमवार से शुरू हुआ। भोपाल से लाए गए 307 टन कचरे को पीथमपुर में इंवायरो एनर्जी कंपनी के भस्मक संयत्र में सोमवार रात 8 बजे से जलाने की प्रक्रिया शुरु हुई। संयत्र में 270 किलो प्रति घंटे की दर से कचरे को 850 से 1100 डिग्री सेल्सियस तापमान पर जलाया जाएगा। हाईकोर्ट ने 72 दिन में कचरा नष्ट करने की प्रक्रिया को पूरा करने के निर्देश दिए है। विशेषज्ञों के मुताबिक अगले 51 से 55 दिन में यह कचरा पूरी तरह नष्ट कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि 28 फरवरी से नौ मार्च के बीच 30 टन यूका के कचरे का ट्रायल रन के तहत नष्ट किया जा चुका है।

सोमवार सुबह 7.42 भस्मक संयत्र में ब्लैंक रन शुरु किया। संयत्र के प्रथम व द्वितीय दहन कक्ष में डीजल जलाकर चेंबर को गर्म कर 1100 से डिग्री तक तापमान पहुंचाया गया। यह प्रक्रिया 12 घंटे तक निरंतर चली। इसके बाद भस्मक संयंत्र परिसर में विधि-विधान से पूजन कर सोमवार रात 8 बजे कचरे व लाइम के 18-18 किलो पैकेट को भस्मक संयंत्र में डालने का कार्य शुरु हुआ है।

डॉयक्सीन व फ्यूरान गैस की होगी सैम्पलिंग, हैदराबाद भेजेंगे सैम्पल

पिछली बार किए गए ट्रायल रन की तर्ज पर इस बार भी यूका के कचरे के जलाने के दौरान डायक्सीन व फ्यूरान गैस की निगरानी फेयर लैब कंपनी द्वारा की जाएगी। इन गैसों के लिए प्रत्येक आठ घंटे में सैम्पल लेकर उसे केमिकल अंबर लाइट एएक्सडी टू से गुजारा जाएगा।

मर्करी की मात्रा का होगा आंकलन

संयंत्र की चिमनी में मर्करी एनालइजर लगाया गया है। ऐसे मे कचरा जलने के बाद जो धुंआ चिमनी से बाहर निकलेगा। उसमें मर्करी है या नहीं इसकी जानकारी एनालाइजर के माध्यम से रियल टाइम पर डिस्प्ले बोर्ड पर दिखाई देगी।

दो गांव के ग्रामीणों को मिलेंगी प्रदूषण का रियल टाइम स्तर

संयंत्र से लगे बजरंगपुरा व चिराखान गांव में एम्बिएंट एयर मानीटरिंग स्टेशन लगाए गए है। इसके साथ डिस्पले बोर्ड भी लगाए गए है। ऐसे में यहां के ग्रामीणों को रियल टाइम में उस क्षेत्र में प्रदूषण की मात्रा की जानकारी मिल सकेगी। पहले प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड मैन्युअली मानीटरिंग कर रहा था। तारापुरा में एम्बिएंट एयर मानीटरिंग स्टेशन पहले लगा है।

जनसुनवाई में सुनीं गई 110 आवेदकों की समस्याएं

विजय मत, भोपाल। कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह की निर्देशन में मंगलवार को एडीएम भूपेंद्र गोयल, अंकुर मेश्राम एवं अन्य अधिकारियों ने जिले से जनसुनवाई में आए नागरिकों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान अनेक समस्याओं का निराकरण मौके पर ही कर दिया गया। जनसुनवाई में आए नागरिकों से 110 आवेदन प्राप्त हुए। एडीएम गोयल, मेश्राम ने जनसुनवाई में आए हर एक आवेदक से धैर्यपूर्वक उनकी समस्याओं पर चर्चा की और उन्हें उनके शीघ्र निराकरण का आश्वासन भी दिया। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को नागरिकों से प्राप्त आवेदनों पर संवेदनशील रूख अपनाते हुए निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने आवेदकों की समस्याओं पर संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों को कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

यूरोलॉजी सम्मेलन यूकेयूएसकॉन 2025 में एम्स भोपाल ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

विजय मत, भोपाल

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह संकाय सदस्यों और छात्रों के बीच अकादमिक उत्कृष्टता और ज्ञान-साझाकरण की संस्कृति को सदैव बढ़ावा देते रहते हैं। प्रो. सिंह से प्रेरित होकर संकाय सदस्य विभिन्न शोध कार्यों में असाधारण प्रदर्शन कर रहे हैं। हाल ही में, एम्स भोपाल के संकाय सदस्यों और रेजिडेंट्स ने एम्स ऋषिकेश में आयोजित यूरोलॉजिकल कॉन्फ्रेंस यूकेयूएसकॉन 2025 में महत्वपूर्ण उपस्थिति दर्ज कराई। उत्तराखंड यूरोलॉजी एसोसिएशन के सहयोग से आयोजित इस सम्मेलन में अकादमिक संवाद और सांस्कृतिक अनुभव का अद्वितीय समन्वय देखने को मिला, जो पवित्र नगरी ऋषिकेश में आयोजित हुआ। डॉ. केतन मेहरा (एसोसिएट प्रोफेसर, यूरोलॉजी विभाग) ने इस सम्मेलन में प्रमुख भूमिका निभाई। उन्होंने शॉकवेव्स इन इरेक्टाइल डिस्फंक्शन विषय पर एक वैज्ञानिक प्रस्तुति दी, जिसमें पुरुष स्वास्थ्य में उभरते हुए उपचारात्मक दृष्टिकोणों को उजागर किया गया। इसके अतिरिक्त, डॉ. मेहरा को कई वैज्ञानिक सत्रों की अध्यक्षता एवं संचालन के लिए आमंत्रित किया गया, जहां उन्होंने यूरोलॉजी क्षेत्र की समसामयिक चुनौतियों पर उच्च स्तरीय अकादमिक चर्चाओं में सक्रिय योगदान दिया। एम्स भोपाल की अकादमिक भागीदारी को आगे बढ़ाते हुए, डॉ. कुमार मधवन (एसोसिएट प्रोफेसर, यूरोलॉजी विभाग) ने यूरोलॉजी में सोनोग्राफी के उपयोग पर आधारित लाइव रेजिडेंट प्रशिक्षण सत्रों में भाग लिया और देश भर से आए युवा यूरोलॉजिस्ट्स के साथ व्यावहारिक ज्ञान साझा किया। एम्स भोपाल के यूरोलॉजी विभाग के रेजीडेंट्स ने वृषण कैंसर, युवतियों में दुर्लभ यूरोलॉजिकल ट्रॉमा के प्रबंधन, और बाल यूरोलॉजी में असामान्य विषयों पर मौलिक शोध प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों को काफी सराहना मिली और इन्होंने सम्मेलन के विविध शैक्षणिक वातावरण को समृद्ध किया।

विजय मत एंकर — भोपाल में होगी दो दिवसीय एआई भारत @ एमपी कार्यशाला

डिजिटल गवर्नेंस, आधार-अनुप्रयोग और तकनीकी नवाचारों पर होगा मंथन

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम एवं राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग द्वारा 8 और 9 मई 2025 को एआई भारत @ एमपी कृत्रिम बुद्धिमत्ता, आधार और डिजिटल गवर्नेंस में नवाचार विषय पर कार्यशाला का आयोजन भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में किया जाएगा। दो दिवसीय कार्यशाला प्रातः 9.30 से सांय काल 5.30 बजे तक आयोजित होगी।

कार्यशाला डिजिटल गवर्नेंस को अधिक प्रभावी, समावेशी और नागरिकोन्मुखी बनाने के लिये 'कृत्रिम बुद्धिमत्ता' और 'आधार' के प्रयोग की संभावनाओं पर केंद्रित होगी। कार्यशाला में नीति-निर्माताओं, तकनीकी विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और सरकारी प्रतिनिधियों की भागीदारी से नॉलेज शेयर और विचार-विमर्श किया जायेगा। कार्यशाला में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी अपर मुख्य सचिव संजय दुबे राज्य की डिजिटल रणनीति पर प्रकाश डालेंगे। राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस प्रभाग के सीईओ नंद कुमारम, डिजिटल नीति पर राष्ट्रीय दृष्टिकोण साझा करेंगे। मध्यप्रदेश राज्य इलेक्ट्रॉनिक्स विकास निगम के प्रबंध संचालक आशीष वशिष्ठ कार्यशाला के उद्देश्यों की जानकारी देंगे। कार्यशाला का उद्देश्य उभरती तकनीकों के जिम्मेदार उपयोग को बढ़ावा देना और मध्यप्रदेश को तकनीकी रूप से सक्षम व फ्यूचर-रेडी राज्य के रूप में स्थापित करना है।

कार्यशाला का पहला दिन 8 मई

कार्यशाला का पहले दिन प्रशासन को गतिशील बनाने में एआई नवाचार और आधार के प्रयोग पर केंद्रित रहेगा। इसमें IIT इंदौर की प्रो. अरुणा तिवारी और आईआईएम इंदौर के डीन प्रो. प्रशांत सलवान एआई अनुसंधान में शिक्षा जगत की भूमिका पर चर्चा करेंगे। UIDAI के डीडीजी आमोद कुमार और डीबीटी सचिवालय के अपर सचिव सौरभ कुमार तिवारी आधार-सक्षम लाभ वितरण पर जानकारी देंगे। AWS, Oracle और इंडिया एआई मिशन जैसे तकनीकी संस्थानों के विशेषज्ञ भी वास्तविक एआई अनुप्रयोगों को प्रस्तुत करेंगे। कार्यशाला में प्रयागराज कुंभ जैसे बड़े आयोजनों में एआई के प्रयोग, स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, अधोसंरचना और सुरक्षा क्षेत्रों में इसके प्रभाव और भविष्य की दिशा पर केंद्रित सत्र होंगे। कार्यशाला में एआई मोरल्स और सरकारी विभागों में एआई की मदद से कैपेसिटी बिल्डिंग पर विशेष चर्चा की जायेगी।

कार्यशाला का दूसरा दिन 9 मई

कार्यशाला के दूसरे दिन डिजिटल इंडिया स्टेट कंसल्टेशन वर्कशॉप आयोजित की जायेगी, जिसमें केंद्र और राज्यों के बीच डिजिटल गवर्नेंस को बढ़ावा देने के लिए संवाद और सहयोग पर बल दिया जाएगा। कार्यशाला में DigiLocker, API Setu, UMANG, मेरी पहचान और मायस्कीम जैसे प्रमुख एप पर विशेष प्रेजेंटेशन सत्र आयोजित किये जायेंगे। साथ ही प्रमाणीकरण सेवाओं, साइबर सुरक्षा, डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन अधिनियम 2023, ई संजीवनी, दीक्षा और एमएसएच प्लेटफ़ॉर्म्स पर भी सत्रों के माध्यम से गहन चर्चा की जायेगी।

जुबेर मौलाना गैंग ने हिस्ट्रीशीटर बदमाश के दो ठिकानों पर की हवाई फायरिंग, तोड़फोड़

दो दिन पहले सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के दी थी धमकी

विजय मत, भोपाल

राजधानी के कुख्यात बदमाश जुबेर मौलाना ने अपने साथियो के साथ मिलकर अलसुबह मंगलवारा के हिस्ट्री शीटर बदमाश साद खॉन के दो ठिकानों पर फायरिंग कर वाहनों में तोड़फोड़ कर दी। हैरानी की बात यह है, की भोपाल पुलिस के रिकार्ड के मुताबिक बदमाश जुबेर करीब 6 महीनों से फरार चल रहा है। और फरारी में रहते हुए ही वारदात को अंजाम दिया है। मिली जानकारी के मुताबिक साद खॉन मंगलवारा थाने का हिस्ट्री शीटर बदमाश है, जो कुछ महीने पहले ही जेल से छूटा है। बदमाश साद का पुश्तैनी मकान छावनी में है, जहॉ उसकी मां सहित अन्य रिश्तेदार रहते हैं। जबकि साद फिलहाल ऐशबाग इलाके में रह रहा है। शहर के कुख्यात बदमाश जुबेर मौलाना से साद की पुरानी रजिशं चल रही है। जारी रंजिश को लेकर सोमवार की रात साद और जुबेर के बीच सोशल मीडिया पर बहसबाजी हो गई थी, और दोनों ने एक दूसरे को मैसेज और ऑडियो रिकार्ड कर धमकी भरे मैसैज किये थे। धमकी देने के बाद बदमाश जुबेर ने सुबह करीब 5 बजे अपने साथियो के साथ दो पहिया वाहन से छावनी में साद के पुश्तैनी मकान के बाहर हवाई फायरिंग कर वहां खड़े आधा दर्जन से अधिक वाहनों में भी तोड़फोड़ कर दी। क्षेत्र में दहशत फैलाने के बाद बदमाश अपने साथियो के साथ फरार हो गया। घटना का सीसीटीवी फुटेज भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। बताया जा रहा है, कि जुबेर और उसके चार गुर्गे तीन दो पहिया वाहनो पर सवार होकर आए थे। सभी ने अपनी पहचान छिपाने के लिये चेहरो पर कपड़ा बांधा हुआ था। छावनी में साद के पुश्तैनी मकान के बाहर दहशत फैलाने के बाद जुबेर और उसके गुर्गे सुबह करीब 6 बजे टीला जमालपुरा के इंद्रा नगर पहुंचे। यहां साद का साला फैसल रहता है। बदमाशों ने फैसल के घर के बाहर फायरिंग की और दहशत फैला कर फरार हो गए। मामले में मंगलवारा और टीला जमालपुरा पुलिस ने अलग-अलग मामले दर्ज किए हैं। दोनों ही मामलों में आरोपियों की तलाश की जा रही है। पुलिस की टीम ने घटनास्थल से कारतूस के खोके बरामद किए हैं।

संस्थापक
श्री रामसिपाही शुक्ल

सवाल नीयत का: पाक कर रहा हदें पार: जंग के आसार....!

हमारे पहलगांव में पाकिस्तान द्वारा की गई जंग की पहल के बाद फिर एक बार भारत-पाक के बीच जंग के हालात बनते नजर आ रहे हैं, एक पखवाड़े पूर्व पाकिस्तानियों ने पहलगांव में घुसकर दो दर्जन से अधिक निर्दोष पर्यटकों की निर्मम हत्या कर दी थी और तभी हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी ने पाक को सबक सिखाने का संकल्प ले लिया था। जिसकी पूर्ति किसी भी समय संभव है, अब सीमा पर आसार कुछ ऐसे बन रहे है कि कभी भी जंग शुरू हो सकती है। किंतु यहां विशेष जानकारी के तथ्य यह है कि पाक यह जुर्रत जरूर कर रहा है किंतु उसने कभी भी 'आत्मनिरीक्षण' नही किया, भारत विरोधी देशों के उकसावे पर वह बिना कुछ सोचें-समझे युद्ध के मैदान में उतरने की तैयारी कर रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि वह भारत की सैन्य शक्ति के सामने कभी नही टिक सकता, फिर आज मोदी की विश्वव्यापी लोकप्रियता और धमक इतनी है कि कोई भी देश इस जंग में खुलकर पाकिस्तान का साथ नही दे सकता। आज पाक की वास्तविकता यह है कि वह नब्बे घण्टे से ज्यादा जंग कर ही नही सकता। उसके पास गोला बारूद तो है नही और परमाणु बम की धमकी दे रहा है, आर्थिक लालच में अभी कुछ ही दिन पहले अपने सभी महत्वपूर्ण हथियार युक्रेन को बैच चुका है। अब उसके स्वयं के पास कोई हथियार नही है, हथियारों को बैंचकर उसने अपनी आर्थिक मजबूती के प्रयास किए है, अब उसके पास अपनी स्वयं की रक्षा के लिए हथियार शेष नही बचे है। इसके बावजूद नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर लगातान फायरिंग जारी रखे हुए है। अब वह लगातार चार दिन भी युद्ध जारी रखने की स्थिति में नही है, उसके पास रॉकेट तथा तोप-गोलों की भारी कमी है, एक ओर जहां पाक की यह स्थिति है, वही भारत में पाक को माकूल जवाब देने की जबरदस्त तैयारी है, हालात को देखते हुए भारतीय सेना की सभी तरह की छुट्टियां निरस्त कर दी गई है, अब भारतीय सेना को सिर्फ और सिर्फ ''ग्रीन सिग्नल'' का इंतजार है, वह मिलते ही सेना अपना शौर्य दिखाना शुरू कर देगी और कुछ ही घण्टों में पाक सेना को अपनी 'दुम' दबाकर भागना पड़ेगा।

नोट

सम्पादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित लेख-आलेख एवं विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं अतः यह जरूरी नहीं है कि विजय मत समूह उपरोक्त लेख या विचारों से सहमत हो। किसी लेख से जुड़े सभी दावे या आपत्ति के लिए सिर्फ लेखक ही जिम्मेदार हैं।

भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीक हैं टैगोर

योगेश कुमार गोयल

कोलकाता में साहित्यिक माहौल वाले कुलीन धनाढ्य परिवार में 7 मई 1861 को जन्मे रवीन्द्रनाथ टैगोर एक कवि, उच्च कोटि के साहित्यकार, उपन्यासकार और नाटककार के अलावा संगीतप्रेमी, अच्छे चित्रकार तथा दार्शनिक भी थे। टैगोर एशिया के प्रथम ऐसे व्यक्ति थे, जिन्हें नोबेल पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्हें वर्ष 1913 में विश्वविख्यात महाकाव्य 'गीतांजली' की रचना के लिए साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार दिया गया था। हालांकि उन्होंने यह पुरस्कार स्वयं समारोह में उपस्थित होकर ग्रहण नहीं किया था बल्कि ब्रिटेन के एक राजदूत ने यह पुरस्कार लेकर उन तक पहुंचाया था। नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहतरी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया। मार्च 1913 में लंदन की मैकमिलन एंड कंपनी ने इसे प्रकाशित किया और 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छापे गए।

> नोबेल पुरस्कार में मिले करीब एक लाख आठ हजार रुपये की राशि टैगोर ने किसानों की बेहतरी के लिए कृषि बैंक तथा सहकारी समिति की स्थापना और भूमिहीन किसानों के बच्चों की शिक्षा के लिए स्कूल बनाने में इस्तेमाल की। टैगोर की महान रचना 'गीतांजली' का प्रकाशन वर्ष 1910 में हुआ था, जो उनकी 157 कविताओं का संग्रह है। इसी काव्य संग्रह को बाद में दुनिया की कई भाषाओं में प्रकाशित किया गया। मार्च 1913 में लंदन की मैकमिलन एंड कंपनी ने इसे प्रकाशित किया और 13 नवम्बर 1913 को नोबेल पुरस्कार की घोषणा से पहले इसके दस संस्करण छापे गए।

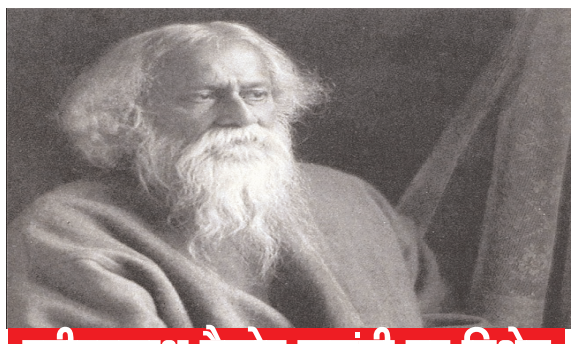

रवीन्द्रनाथ टैगोर जयंती पर विशेष

टैगोर की कुछ कविताएं तो बांग्लादेश के स्कूली पाठ्यक्रम का हिस्सा भी हैं। जहां तक भारत के राष्ट्रीय गीत 'जन गण मन' की बात है कि इसे भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के कलकत्ता अधिवेशन के दूसरे दिन का काम शुरू होने से पहले 27 दिसम्बर 1911 को पहली बार गाया गया था। हालांकि उस दौरान इस बात को लेकर भी कुछ विवाद चला कि कहीं उन्होंने यह गीत अंग्रेजों की प्रशंसा में तो नहीं लिखा लेकिन इसके रचयिता टैगोर ने स्पष्ट करते हुए कहा था कि इस गीत में वर्णित 'भारत भाग्य विधाता' के केवल दो ही अर्थ हो सकते हैं, देश की जनता या फिर सर्वशक्तिमान ऊपर वाला, फिर चाहे उसे भगवान कहें या देव। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी तथा रवीन्द्र नाथ टैगोर राष्ट्रीयता, देशभक्ति, तर्कशक्ति इत्यादि विभिन्न मुद्दों पर अलग-अलग राय रखते थे लेकिन दोनों एक-दूसरे का बहुत सम्मान भी किया करते थे। साहित्य के लिए नोबेल पुरस्कार मिलने के बाद टैगोर को गांधीजी ने ही सर्वप्रथम 'गुरूदेव' कहा था जबकि गांधीजी को महात्मा की उपाधि टैगोर ने दी थी। उन्होंने 12 अप्रैल 1919 को गांधीजी को 'महात्मा' का सम्बोधन करते हुए एक पत्र लिखा था, उसके बाद ही गांधीजी को महात्मा कहा जाने लगा।

मात्र आठ वर्ष की आयु में रवीन्द्रनाथ टैगोर ने अपनी पहली कविता लिखी थी और 16 वर्ष की आयु में कहानियां तथा नाटक लिखना शुरू कर दिया था। बैरिस्टर बनने के सपने के साथ वह 1878 में इंग्लैंड चले गए थे लेकिन दो ही वर्ष बाद डिग्री लिए बिना ही भारत लौट आए। 1901 में सियालदह छोड़कर पश्चिम बंगाल के ग्रामीण क्षेत्र में स्थित शांतिनिकेतन में आने के बाद रवीन्द्रनाथ टैगोर ने वहां प्रकृति की गोद में खुले प्राकृतिक वातावरण में वृक्षों, बगीचों और एक लाइब्रेरी के साथ केवल पांच छात्रों के साथ छोटे से 'शांतिनिकेतन स्कूल' की स्थापना की, जो 1921 में 'विश्वभारती' नाम से एक समृद्ध विश्वविद्यालय बना।। 1919 में उन्होंने शांतिनिकेतन कला के एक स्कूल 'कला भवन' की भी नींव रखी, जो दो साल बाद विश्वभारती विश्वविद्यालय का हिस्सा बन गया। शांतिनिकेतन में ही गुरूदेव ने अपनी कई साहित्यिक कृतियां लिखी और यहां मौजूद उनका घर आज भी ऐतिहासिक महत्व का है। उनका ज्यादातर साहित्य काव्यमय रहा और अनेक रचनाएं गीतों के रूप में प्रसिद्ध हैं। 1880 के दशक में उन्होंने कविताओं की कई पुस्तकें प्रकाशित की और 1890 में 'मानसी' की रचना की।

कविता, गान, उपन्यास, कथा, नाटक, प्रबंध, शिल्पकला इत्यादि साहित्य की शायद ही ऐसी कोई विधा है, जिसमें उनकी रचना न हो। उनकी प्रमुख रचनाओं में गीतांजली, गीताली, गीतिमाल्य, कथा ओ कहानी, शिशु, शिशु भोलानाथ, कणिका, क्षणिका, खेया हैमांति, क्षुदिता, मुसलमानिर गोल्पो आदि प्रमुख हैं। उन्होंने कई किताबों का अनुवाद अंग्रेजी में किया, जिसके बाद उनकी रचनाएं पूरी दुनिया में पढ़ी और सराही गई। उपन्यास में गोरा, चतुरंगा, नौकादुबी, जोगजोग, घरे बायर, मुन्ने की वापसी, अंतिम प्यार, अनाथ इत्यादि गुरूदेव के कुछ प्रमुख उपन्यास हैं। इनके अलावा काबुलीवाला, मास्टर साहब, पोस्टमास्टर इत्यादि उनकी कई कहानियों को भी बेहद पसंद किया गया। अपने जीवनकाल में गुरूदेव ने करीब 2230 गीतों की रचना की और बांग्ला साहित्य के जरिये भारतीय सांस्कृतिक चेतना में नई जान डाली। अपनी अधिकांश रचनाओं में उन्होंने इंसान और भगवान के बीच के संबंधों तथा भावनाओं को उजागर किया। सही मायनों में गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर मानवता के मुखर पैरोकार थे। उन्होंने अमेरिका, ब्रिटेन, जापान, चीन सहित दर्जनों देशों की यात्राएं की। स्वामी विवेकानंद के बाद वे दूसरे ऐसे भारतीय थे, जिन्होंने विश्व धर्म संसद को दो बार सम्बोधित किया। बहुआयामी प्रतिभा के धनी गुरूदेव रवीन्द्रनाथ टैगोर ने प्रोस्टेट कैंसर के कारण 7 अगस्त 1941 को कोलकाता में अंतिम सांस ली।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

रवींद्रनाथ टैगोर शांति के लिए हमेशा याद किए जाएंगे

संजय गोस्वामी

रवींद्रनाथ टैगोर का जन्म 7 मई, 1861 को कोलकाता, भारत में हुआ था रवींद्रनाथ ठाकुर (7मई 1861 - 7 अगस्त 1941) एक बंगाली बहुश्रुत थे, जिन्होंने बंगाल पुनर्जागरण के कवि, लेखक, नाटककार, संगीतकार, दार्शनिक, समाज सुधारक और चित्रकार के रूप में काम किया। उन्होंने 19वीं सदी के अंत और 20वीं सदी की शुरुआत में प्रासंगिक आधुनिकता के साथ बंगाली साहित्य और संगीत के साथ-साथ भारतीय कला को भी नया रूप दिया। वे गीतांजलि की गहन संवेदनशील, ताज़ा और सुंदर कविता के लेखक थे। 1913 में, टैगोर किसी भी श्रेणी में नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले गैर-यूरोपीय व्यक्ति बने, और साहित्य में नोबेल पुरस्कार जीतने वाले पहले गीतकार भी। टैगोर के काव्य गीतों को आध्यात्मिक और मधुर माना जाता था; जहाँ उनका सुंदर गद्य और जादुई कविता भारतीय उपमहाद्वीप में व्यापक रूप से लोकप्रिय थी।[9] वे रॉयल एशियाटिक सोसाइटी के फेलो थे। उन्हें बंगाल का कवि कहा जाता था, टैगोर को गुरुदेव, कोबीगुरु और बिस्वकोबी जैसे उपनामों से जाना जाता था।कलकत्ता के एक बंगाली ब्राह्मण, जिनकी पैतृक जड़ें बर्दवान जिले जेसोर में थीं, टैगोर ने आठ साल की उम्र में कविताएँ लिखीं। सोलह साल की उम्र में, उन्होंने छद्म नाम भानुसिंह (सूर्य सिंह) के तहत अपनी पहली महत्वपूर्ण कविताएँ जारी कीं, जिन्हें साहित्यिक अधिकारियों ने लंबे समय से खोई हुई क्लासिक्स के रूप में जब्त कर लिया। तक उन्होंने अपनी पहली लघु कथाएँ और नाटक लिखे, जो उनके वास्तविक नाम से प्रकाशित हुए। एक मानवतावादी, सार्वभौमिकवादी, अंतर्राष्ट्रीयवादी और राष्ट्रवाद के प्रबल आलोचक के रूप में, उन्होंने ब्रिटिश राज की निंदा की और ब्रिटेन से स्वतंत्रता की वकालत की। बंगाल पुनर्जागरण के एक प्रतिपादक के रूप में, उन्होंने एक विशाल कैनन को आगे बढ़ाया जिसमें पेंटिंग, रेखाचित्र और डूडल, सैकड़ों ग्रंथ और लगभग दो हज़ार गीत शामिल थे; उनकी विरासत विश्वभारती विश्वविद्यालय की स्थापना में भी कायम है।टैगोर ने कठोर शास्त्रीय रूपों को त्यागकर और भाषाई प्रतिबंधों का विरोध करके बंगाली कला का आधुनिकीकरण किया।

(यह लेखक के निजी विचार हैं) -साभार

स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहना होगा

रमेश सर्राफ धमोरा

आज दुनिया भर में मनुष्य के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त की जा रही है। विश्व स्वास्थ्य संगठन भी दुनिया के देशों को समय-समय पर चेतावनी देता रहता है। कुछ वर्ष पूर्व आई कोरोना महामारी ने पूरी दुनिया को हिला कर रख दिया था। मगर वैज्ञानिकों की तत्परता से वैक्सीन निर्माण होने के चलते वह नियंत्रण में आ गई थी। मगर भविष्य में भी ऐसी कोई गारंटी नहीं है कि कोरोना जैसी महामारी फिर नहीं आए। कभी भी कोई नई महामारी आ सकती है। इसलिए हमें हमारे खानपान, रहन-सहन व वातावरण में सावधानी बरतनी चाहिए ताकि हम बेवजह की बीमारियों से बच सके।

इससे उनके कार्य क्षमता में भी कमी आई है। मनुष्य के अस्वस्थ होने पर उसके उपचार पर पैसे खर्च होते हैं जिससे उसकी आर्थिक स्थिति कमजोर होने लगती है। इसके साथ ही बीमार व्यक्ति का पूरा परिवार भी उसकी बीमारी के चलते तनाव में रहने लगता है। भागम-भाग के दौर वाली आज की जिंदगी में जो व्यक्ति अपना स्वास्थ्य सही रख पाता है। वह कम कमा कर भी सबसे अधिक सुखी रह सकता है। इसलिए हमें सबसे अधिक अपने स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए।

स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहने के लिए प्रति वर्ष 7 अप्रैल को पूरी दुनिया में विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाया जाता है। इस दिन को मनाने के पीछे विश्व स्वास्थ्य संगठन का मकसद दुनियाभर में लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना है। साथ ही साथ सरकारों को स्वास्थ्य नीतियों के निर्माण के लिए प्रोत्साहित और प्रेरित करना। वर्तमान में इस संगठन के बैनर तले 195 से अधिक देश अपने-अपने देश के नागरिकों को रोगमुक्त बनाने के लिए प्रयासरत है। विश्व स्वास्थ्य दिवस मनाने की शुरुआत 1950 से हुई। वैश्विक आधार पर स्वास्थ्य से जुड़े सभी मुद्दे को विश्व स्वास्थ्य दिवस लक्ष्य बनाता है। जिसके लिये कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के द्वारा अंतरर्राष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न प्रकार के खास विषय पर आधारित कार्यक्रम इसमें आयोजित होते हैं। पूरे साल भर के स्वास्थ्य का ध्यान रखने के लिये और उत्सव को चलाने के लिये एक खास विषय का चुनाव किया जाता है। वर्ष 2025 में विश्व स्वास्थ्य दिवस का विषय है स्वस्थ शुरुआत, आशावादी भविष्य। यह विषय माताओं और नवजात शिशुओं के स्वास्थ्य और जीवन को बढ़ाने पर केंद्रित है। जिसका लक्ष्य परिहार्य मातृ और शिशु मृत्यु के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि आधे भारतीयों की आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच ही नहीं है। जबकि स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाने वाले लोग अपनी आय का 10 फीसदी से ज्यादा इलाज पर ही खर्च कर रहे हैं। वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआई) 2024 में भारत का स्कोर 98.49/100 रहा है। यह स्कोर अमेरिका, जापान, और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ भारत को टियर 1 में रखता है। वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा सूचकांक 2024 के अनुसार भारत 42.8 के समग्र सूचकांक स्कोर के साथ 195 देशों में से 66वें स्थान पर है और 2019 से -0.8 का परिवर्तन है। 2021 में दुनिया भर के देशों की स्वास्थ्य प्रणालियों की रैंकिंग के अनुसार, स्वास्थ्य सूचकांक स्कोर के आधार पर भारत 167 देशों में से 111वें स्थान पर था।

राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण के अनुसार तीन साल की अवस्था वाले 3.88 प्रतिशत बच्चों का विकास अपनी उम्र के हिसाब से नहीं हो सकी है और 46 प्रतिशत बच्चे अपनी अवस्था की तुलना में कम वजन के हैं, जबकि 79.2 प्रतिशत बच्चे एनीमिया से पीड़ित हैं। गर्भवती महिलाओं में एनीमिया 50 से 58 प्रतिशत बढ़ा है। कहा जाता है कि जिस देश कि चिकित्सा सुविधाएं बेहतर होगी उस देश के लोगों कि औसत आयु उतनी ही अधिक होगी। भारतवासियों को यह जानकर हैरानी होगी कि औसत आयु के मामले में बांग्लादेश भारत से आगे है। भारत में औसत आयु जहां 64.6 वर्ष मानी गई है, वहीं बांग्लादेश में यह 66.9 वर्ष है। इसके अलावा भारत में कम वजन वाले बच्चों का अनुपात 43.5 प्रतिशत है और प्रजनन क्षमता की दर 2.7 प्रतिशत है, जबकि पांच वर्षों से कम अवस्था वाले बच्चों की मृत्यु दर 66 है और शिशु मृत्यु दर जन्म लेने वाले प्रति हजार बच्चों में 41 है जबकि 66 प्रतिशत बच्चों को डीपीटी का टीका देना पड़ता है।

> स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए सबसे महत्वपूर्ण है। इंसान जब तक स्वस्थ रहता है तब तक उसमें कार्य करने की क्षमता बनी रहती है। जब वह अस्वस्थ होने लगता है तो उसके कार्य करने की क्षमता भी कमजोर पड़ने लगती है। इसीलिए हमारे बुजुर्ग कहा करते थे कि पहला सुख निरोगी काया। यानी शरीर स्वस्थ रहने पर ही सबसे पहला सुख मिलता है। आज के दौर में खानपान में लापरवाही के चलते अधिकतर व्यक्ति किसी ने किसी बीमारी से ग्रसित रहने लगे हैं।

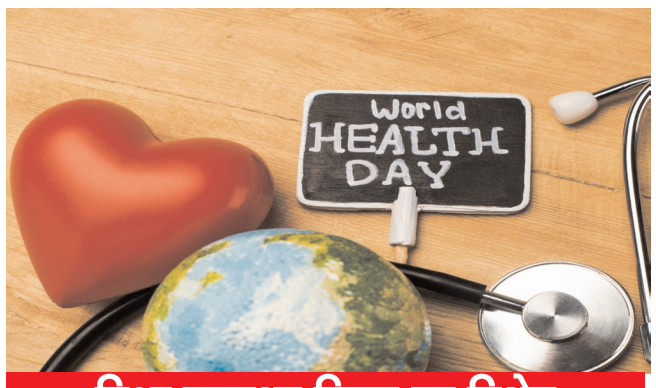

विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विशेष

भारतीय स्वास्थ्य रिपोर्ट के मुताबिक सार्वजनिक स्वास्थ्य की सेवाएं अभी भी पूरी तरह से मुफ्त नहीं है और जो है उनकी हालत अच्छी नहीं है। स्वास्थ्य के क्षेत्र में प्रशिक्षित लोगों की काफी कमी है। भारत में डॉक्टर और आबादी का अनुपात भी संतोषजनक नहीं है। हमारे देश में 1000 लोगों पर एक डॉक्टर भी उपलब्ध नहीं है। अस्पतालों में बिस्तर की उपलब्धता भी काफी कम है और केवल 28 प्रतिशत लोग ही बेहतर साफ-सफाई का ध्यान रखते हैं। पिछले कुछ सालों में हमारे देश में कैंसर जैसी जानलेवा बीमारियों का प्रभाव बढ़ा है। साथ ही मधुमेह, हृदय रोग, क्षय रोग, मोटापा, तनाव की चपेट में भी लोग बड़ी संख्या में आ रहे हैं। महिलाओं में स्तन कैंसर, गर्भाशय कैंसर का खतरा बढ़ा है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं)- साभार

शब्द पहेली - 8359

1	2	■	3		4		■	5
■	6	7		■		■	8	
9	■	10		11	■	12		■
13		■	■		■	14		15
	■	16					■	
17	18		■		■	■	19	
■	20		■	21	22	23	■	
24		■	25	■	26		27	■
	■	28				■	29	

बाएँ से दाएँ

1. पेड़, दरख्त-2
3. प्रार्थना, पूजना-4
6. आदर्श, पैमाना-3
8. त्वचा, चमड़ी, खाल-2
10. सड़ने की प्रक्रिया, गलन-3
12. देव, देवता-2
13. चलने का ढंग-2
14. प्रशंसा, गुणगान-3
16. आरामदायक-5
17. कक्ष, रूम-3
19. हिंदू कलैंडर का एक महीना, भाद्रवा-2
20. 500 कागजों की गड्डी-2
21. कबाड़, खराब वस्तु-3
24. मजा, मस्ती-2
26. सांभर जैसा खाद्य पदार्थ-3
28. शोरगुल, -4
29. तह, परत-2

ऊपर से नीचे

2. माफी-2
3. झूठी शान, घमंड-3
4. गर्दन से नीचे का शरीर, देह-2
5. अपराध, गुनाह-2
7. रग, नाड़ी-2
8. सूत कातने का यंत्र-3
9. एकाएक-4
11. शीश झुकाए हुए-5
12. भोर, प्रातः-3
15. ननद का पति-4
16. विश्राम, राहत-3
18. रोगी, बीमार-3
22. उच्चतम-3
23. गरबा, नृत्य-2
24. मृत्यु-2
25. रास्ता, मार्ग-2
27. आनंदित, मौजी-2

शब्द पहेली -8358 का हल

प्र	का	श	■	छ	■	आ	स	■
हा	■	र	स	म	ला	ई	■	जों
र	म	ण	■	छ	■	ना	ह	क
■	न	■	■	म	■	■	क	■
अ	प	रा	ध	■	न	ह	ला	ना
■	सं	■	■	जा	■	■	ह	■
क	द	म	■	न	■	ब	ट	र
ब्र	■	द	शा	व	ता	र	■	ई
■	फो	न	■	र	■	खा	लि	स

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल- 7144

कठिन ★★★★☆

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7143 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

ज्ञानोदय स्कूल की दो छात्राएं प्रदेश की मैरिट सूची में

हाई स्कूल एवं हायर सेकेन्ड्री की परीक्षा में प्रदेश की मेरिट में आने वाले मेधावी विद्यार्थियों का जिला प्रशासन द्वारा किया गया सम्मान

विजय मत, शहडोल

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के हाई स्कूल एंव हायर सेकेन्ड्री के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। जिसमें शहडोल जिले के कक्षा 12वीं कला संकाय में कुमारी हीना देवी आत्मज भम्मू बंजारा ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल ने कला समूह में 500 में से 488 अंक प्राप्त कर प्रदेश में दूसरा स्थाना प्राप्त किया है। इसी तरह कुमारी सौम्या तिवारी आत्मज शैलेश तिवारी ज्ञानोदय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय शहडोल ने कला संकाय में 500 में से 482 अंक प्राप्त कर प्रदेश की मेरिट सूची में 8वां स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह जीव विज्ञान समूह में कुमार दिशा जसुजा आत्मज अजीत जसुजा टाइम पब्लिक स्कूल टीपीएस शहडोल ने 500 मे से 478 अंक प्राप्त कर प्रदेश की मेरिट सूची में 6वां स्थान प्राप्त किया है। इसी तरह कक्षा 10वीं में वैभव कुमार सिंह आत्मज सत्यपाल सिंह सरस्वती उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बुढ़ार शहडोल ने 500 में से 492 अंक प्राप्त कर मेरिट सूची में 9वां स्थान प्राप्त किया है।

मेरिट में स्थान प्राप्त करने वाले मेधावी छात्रों, उनके शिक्षकों तथा अभिभावकों एवं परिजनों को कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में जिला प्रशासन द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक जैतपुर जयसिंह मरावी ने विद्यार्थियों, शिक्षकों तथा अभिभावकों की मेहनत से जिले का नाम प्रदेश स्तर में रोशन करने वाले विद्यार्थियों की सफलता पर बधाई दी। उन्होनें कहा कि समन्वित प्रयासों से शहडोल जिले का बेहतर परीक्षा परिणाम आया है। आगे भी इसी तरह के प्रयासों से जिले में शिक्षा तथा प्रतियोगी परीक्षाओं में बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे।

मेधावी विद्यार्थियों का जिला प्रशासन हर संभव सहयोग करेगा: कलेक्टर

कलेक्टर डॉ केदार सिंह ने कहा कि मेधावी छात्र और अधिक मेहनत कर लक्ष्य को प्राप्त करें, जिला प्रशासन उनका हर संभव सहयोग करने के लिए तत्पर रहेगा। आपने कहा कि बच्चे अपना भविष्य स्वयं तय करें तथा अपनी पहचान बनाएं। सलेक्टेड एवं शार्टकट अध्ययन की जगह विस्तारित अध्ययन पर जोर दें। प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए स्वयं को तैयार करें। आपने मेरिट में आने वाले विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उनके अभिभावकों तथा शिक्षकों को बधाई दी। इस अवसर पर नगर पालिका शहडोल के उपाध्यक्ष प्रवीण शर्मा डोली, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास आनन्द राय सिन्हा, एपीसी अरविंद पाण्डेय, शिक्षक तथा संचालक गण उपस्थित रहे।

सेंट्रल एकेडमी हायर सेकेंडरी स्कूल की पांच टॉपर छात्राएं

शहडोल। सेंट्रल अकैडमी हायर सेकेंडरी स्कूल शहडोल की पांच छात्राएं 12वीं एवं 10वीं की बोर्ड परीक्षा में टॉपर स्टूडेंट में शामिल हो गई है। इनमें से सौम्या गुप्ता पिता जयशंकर गुप्ता दसवीं की बोर्ड परीक्षा में 98प्रतिशत अंक प्राप्त कर जिले की टॉपर बन गई है। उसे पहला रैंक मिला है। इसी प्रकार सेंट्रल अकैडमी हायर सेकेंडरी स्कूल की 12वीं की छात्रा वैष्णवी सिंह पिता कैलाश सिंह ने 93. 2प्रतिशत अंक प्राप्त कर टॉपर स्टूडेंट की सूची में अपना नाम शामिल कर लिया है। इसी विद्यालय की अर्पिता गौतम पिता रविशंकर गौतम ने 12वीं की परीक्षा में 90प्रतिशतअंक प्राप्त किया है तथा देवासी श्रीवास्तव पिता देवेंद्र कुमार श्रीवास्तव ने 90 प्रतिशत तैयबा वी पिता मुख्तार खान ने 89.4प्रतिशतअंक प्राप्त कर सेंट्रल अकैडमी हायर सेकेंडरी स्कूल के टॉपर स्टूडेंट में अपना नाम जुडवा लिया है।

सरकारी स्कूलों के बच्चे फिसड्डी निकले

10 वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षा में प्राइवेट स्कूलों के बच्चों ने तो मेरिट लिस्ट में अपना नाम जुड़वाने में सफलता अर्जित की है परंतु सरकारी स्कूलों के खासतौर पर उत्कृष्ट विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के नाम मेरिट सूची में दिखाई नहीं दे रहे हैं। यह बड़े आश्चर्य की बात है कि प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों को बहुत कम वेतन मिलती है फिर भी वह बच्चों को बेहतर रिजल्ट दे रहे हैं दूसरी तरफ सरकारी स्कूलों में 4 से 5 गुना अधिक वेतन पाने वाले शिक्षक अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन ईमानदारी से नहीं कर रहे है ऐसा प्रतीत होता है।

हाई स्कूल परीक्षा में जिले की लड़कियों ने मारी बाजी

माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा शैक्षणिक सत्र 2024-25 के हाई स्कूल के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। हाई स्कूल परीक्षा में जिले के लड़कियों ने मारी बाजी, लड़कियों का परीक्षा परिणाम 83.72 प्रतिशत रहा। जिसमें लड़कों का परीक्षा परिणाम 82.30 तथा लड़कियों का परीक्षा परिणाम 84.86 प्रतिशत रहा।

जिले में हाई स्कूल परीक्षा में 10118 नियमित छात्रों ने परीक्षा हेतु पंजीयन कराया था। जिसमें 4510 लड़के तथा 5608 लड़कियां शामिल हैं। परीक्षा में कुल 10058 नियमित छात्र शामिल हुए जिसमें 4476 बालक एवं 5582 बालिकाएं शामिल थी। परीक्षा में पास हुए विद्यार्थियों की संख्या 8421 रही। जिसमें 3684 बालक तथा 4737 बालिका शामिल हैं। जिले में 5302 विद्यार्थी प्रथम श्रेणी में 3043 विद्यार्थी द्वितीय श्रेणी में तथा 69 विद्यार्थी तृतीय श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण हुए। जिले का हाई स्कूल का परीक्षा परिणाम उत्साह जनक रहने पर कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता, आईजी शहडोल जोन अनुराग शर्मा, कलेक्टर डॉ केदार सिंह, पुलिस अधीक्षक रामजी श्रीवास्तव, अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम सोहागपुर अरविंद शाह, जिला शिक्षा अधिकारी फूलसिंह मारपाची, सहायक आयुक्त आदिवासी विकास आनन्द राय सिन्हा, एपीसी अरविंद कुमार पाण्डेय सहित शिक्षा जगत से जुड़े अन्य अधिकारियों ने प्रसन्नता व्यक्त की है तथा परीक्षा परिणाम का श्रेय विद्यार्थियों तथा उनके गुरूजनों की मेहनत को दिया हैं, साथ ही भविष्य में भी इसी तरह के प्रयासों से जिले का नाम रोशन करने की अपेक्षा की है।

विवेक पब्लिक स्कूल की छात्रा समृद्धि पांडे जिले में अव्वल

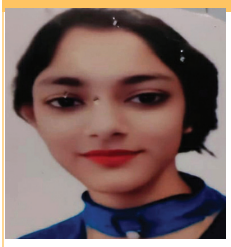

शहडोल जिले की मेरिट सूची में विवेक पब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा समृद्धि पांडे पिता शारदा प्रसाद पांडे माता श्रीमती अपर्णा पांडे अब्बल रहीं। विवेक पब्लिक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा सुश्री समृद्धि पांडे ने हायर सेकेंडरी परीक्षा 2025 में जिले की मेरिट सूची में प्रथम स्थान प्राप्त कर अपना परचम लहराया है। समृद्धि कला संकाय की नियमित छात्रा है जिसे 500 में कुल 472 अंक प्राप्त कर 94 प्रतिशत अंकों से अब्बल रही । ज्ञात हो कि विगत वर्षों में भी वाणिज्य ग्रुप में पंकज सिंह और कला ग्रुप में अनुश्री निगम ने भी परचम लहराया था विवेक पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल की प्राचार्या डॉ अनीता निगम व्यवस्थापक डॉ गोपाल प्रसाद निगम प्रभारी प्राचार्य उमाकांत वर्मा पी आर ओ रामकरण मिश्रा के साथ विद्यालय के सभी शिक्षकों ने बधाई दी है।

न्यूज इन शॉर्ट

माइंड्स आई इंटरनेशनल हाई स्कूल, शहडोल में एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं के परिणामों में शानदार सफलता

शहडोल। माइंड्स आई इंटरनेशनल हाई स्कूल, शहडोल के विद्यार्थियों ने एमपी बोर्ड कक्षा 10वीं के परीक्षा परिणामों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम रोशन किया है। इस वर्ष विद्यालय का शत-प्रतिशत परिणाम रहा, जिसमें सभी छात्र प्रथम श्रेणी से उत्तीर्ण हुए। विद्यालय की छात्रा अदिति गुप्ता ने 95.6त अंक प्राप्त कर विद्यालय में टॉप किया। वहीं अपूर्व लारिया ने भी 88.9त अंक अर्जित कर श्रेष्ठ प्रदर्शन किया। अदिति गुप्ता ने बिना किसी ट्यूशन के केवल अपनी मेहनत और विद्यालय के शिक्षकों के मार्गदर्शन से यह उपलब्धि हासिल की, जिस पर विद्यालय परिवार को गर्व है। विद्यालय के प्राचार्य अभय कुमार बियानी एवं समस्त स्टाफ ने सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं और विशेष रूप से अदिति की मेहनत व समर्पण की सराहना की। प्राचार्य ने कहा कि यह सफलता विद्यार्थियों की कड़ी मेहनत और शिक्षकों की लगन का परिणाम है। विद्यालय ने भविष्य में भी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए निरंतर कार्य करते रहने का संकल्प लिया है।

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे नवीन खेत तालाब निर्माण के कार्य

शहडोल। जल है प्रकृति का अमूल्य उपहार बचाओ इसे, यही है जीवन का आधार शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायतो में जल संरक्षण के कार्य कराए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान जल के एक एक बूंद को सहेजने के लिए 30 जून 2025 तक अभियान चलाया जा रहा है। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत बुढार में ग्राम पंचायत खम्हारिया, देवरी, कदाहर में नवीन खेत तालाब के कार्य किया गया।

न्यू बस स्टैंड एवं घरौला तालाब में नपा ने चलाया साफ-सफाई अभियान

शहडोल। नगर पालिका क्षेत्र अंतर्गत स्थित न्यू बस स्टैंड परिसर का साफ सफाई धुलाई एवं यात्रियों के लिए पेयजल ठंडा पानी प्याऊ की व्यवस्था कराई गई है। मुख्य नगर पालिका अधिकारी अक्षत बुंदेला के निर्देशन में प्रतिदिन सफाई करने के निर्देश दिए गए हैं जिसके अंतर्गत प्रतिदिन परिसर की साफ सफाई एवं यात्रियों के लिए प्याऊ के माध्यम से ठंडा पेयजल उपलब्ध कराया गया है मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्री अक्षत बुंदेला ने लोगों से अपील किया है कि परिसर में साफ सफाई व्यवस्था बनाए रखें एवं कचरा को कचरा दान में ही डालें जिससे नगर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाए रखने में सहयोग करें।

जिला अस्पताल में कैंटीन निर्माण की योजना ठंडे बस्ते में

कैंटीन स्थापित करने की योजना बीते छः माह से अधर में लटकी

विजय मत, शहडोल

कुशाभाऊ ठाकरे जिला चिकित्सालय में मरीजों और उनके परिजनों की सुविधा के लिए कैंटीन स्थापित करने की योजना बीते छः माह से अधर में लटकी हुई है। अस्पताल परिसर में कैंटीन की अनुपस्थिति मरीजों और उनके साथ आने वाले परिजनों के लिए असुविधा का बड़ा कारण बनी हुई है। यह स्थिति न केवल स्वास्थ्य सेवाओं को प्रभावित कर रही है।

उपयुक्त स्थान नहीं हो सका तय -सिविल सर्जन ने लगभग तीन महीने पूर्व यह आश्वासन दिया था कि अस्पताल परिसर में एक सर्वसुविधायुक्त कैंटीन शीघ्र शुरू की जाएगी, जिससे मरीजों और अटेंडरों को भोजन, नाश्ता और चाय-पानी जैसी आवश्यक सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हो सकें। लेकिन अब तक अस्पताल प्रबंधन कैंटीन के संचालन हेतु कोई उपयुक्त स्थान तय नहीं कर सका है। स्थान के अभाव और निर्णय में देरी के चलते यह योजना पूरी तरह ठप पड़ गई है।

कैंटीन के अभाव में दिन-रात होती है परेशानी - अस्पताल में भर्ती मरीजों को दवाइयों के साथ हल्का भोजन लेना आवश्यक होता है। चिकित्सक अक्सर सलाह देते हैं कि दवाइयां खाली पेट न ली जाएं। ऐसे में मरीजों के साथ आने वाले परिजनों को बाहर की दुकानों से खाद्य सामग्री लानी पड़ती है। दिन के समय फिर भी कुछ दुकानें खुली रहती हैं, लेकिन रात होते ही स्थिति गंभीर हो जाती है।

रात में सबसे ज्यादा परेशानी -अस्पताल के आसपास की सभी दुकानें और होटलें बंद हो जाती हैं, जिससे रात में न तो चाय मिलती है और न ही अन्य जरूरी खाद्य सामग्री। विशेष रूप से डिलीवरी वार्ड और मेडिकल इमरजेंसी में आने वाले मरीजों के अटेंडरों को रात में छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार चाय या हल्के नाश्ते की आवश्यकता होती है।

विवाह से पहले थैलेसीमिया की जांच जरूरी है: चिकित्सक

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर जागरूकता रैली एवं रक्तदान शिविर का आयोजन 8 मई को

विजय मत, शहडोल

विश्व थैलेसीमिया दिवस पर 8 मई को जागरूकता रैली एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इस कार्यक्रम के आयोजन का मुख्य उद्देश्य थैलेसीमिया जैसी बीमारी से शहडोल जिले को मुक्त करना है। इस कार्यक्रम की आयोजक संस्थानों में शहडोल अकैडमी ऑफ प्रिडिक्स दिशा वेलफेयर एवं सांझी रसोई जैसी सामाजिक संस्थाएं शामिल है।

8 मई को थैलेसीमिया जागरूकता रैली शाम 5ः00 बजे जय स्तंभ से गांधी चौक तक निकलेगी। जबकि रक्तदान शिविर सुबह 8ः00 बजे से दोपहर 2ः00 बजे तक जिला चिकित्सालय के ब्लड बैंक में आयोजित किया जाएगा। इस रक्तदान शिविर का मुख्य उद्देश्य थैलेसीमिया पीड़ित बच्चों के लिए रक्त संग्रह करना है।

मंगलवार को आयोजित पत्रकार वार्ता में उच्च जानकारी देते हुए आयोजक संस्थाओं के प्रतिनिधि के रूप में डॉक्टर टीएन चतुर्वेदी डॉक्टर उमेश नामदेव डॉक्टर सुनील हथगेल डॉ सुधा नामदेव एवं डॉक्टर सत्येश विसंदासनी राजेश्वर उदानिया पूनम सिंघई एवं अन्य पदाधिकारी ने दी।

पत्रकार वार्ता में आयोजकों ने बताया कि थैलेसीमिया बीमारी से बचने के लिए लोगों को जागरूक करना आवश्यक है। थैलेसीमिया की जांच के बाद ही विवाह करना चाहिए जन्म कुंडली के साथ ही रक्त कुंडली बनवाकर विवाह के लिए लड़के लड़कियों को जागरूक करना जरूरी है। यह बीमारी जींस के कहां होती है गर्भ में बीमारी का यदि पता चल जाए तो गर्भपात किया जाना कानूनी अधिकार है। थैलेसीमिया बीमारी लॉन्ग लाइफ होती है बोन मैरो ट्रांसप्लांट के माध्यम से इसका इलाज किया जाता है। इस बीमारी के कारण बच्चों में कंसंट्रेशन नहीं होता है बच्चा एक्टिव नहीं होता एवं खून की कमी हो जाती है कमजोरी आ जाती है जिसके कारण बार-बार खून बदलना पड़ता है।

डॉ सुधा नामदेव ने बताया कि शहडोल जिले में लगभग 320 सिकल सेल के मरीज है एवं 50 से अधिक थैलेसीमिया के मरीज हैं इस तरह से लगभग 400 यूनिट ब्लड हर महीने जरूरत पड़ती है इसलिए रक्तदान शिविर में अधिक से अधिक लोगों को रक्तदान कर थैलेसीमिया एवं शिकल सेल के मरीज के इलाज में मदद करना चाहिए।

कमिश्नर ने सुनी लोगों की समस्याएं

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता की उपस्थिति में आज कमिश्नर कार्यालय शहडोल के अमरकंटक सभाकक्ष में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई कार्यक्रम में कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने शहडोल संभाग के दूर-दराज से आए लोगों की समस्याएं और शिकायतें सुनी और समस्याओं तथा शिकायतों का निराकरण समय-सीमा में करने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों को दिए। जनसुनवाई में दुर्गा केवट निवासी नगर परिषद बकहो जिला शहडोल ने साउथ ईस्ट कोल फिल्ड लिमिटेड सोहागपुर क्षेत्र धनपुरी में अधिकरण की गई भूमि का विवरण एवं नकल कॉपी उपलब्ध कराने हेतु, लाल बहादुर यादव निवासी देवगवां तहसील कोतमा जिला अनूपपुर ने आर्थिक सहायता राशि दिलाए जाने हेतु, पशु चिकित्सक एवं पशुपालकगण पशुचिकित्सा क्षेत्र चुहिरी ने पशु चिकित्सालय को अतिक्रमण से बचाने हेतु, अजय कुमार चौधरी निवासी ग्राम इटौर तहसील पुष्पराजगढ, जिला शहडोल ने ग्राम पंचायत इटौर में प्रशासकीय भवन का निर्माण हुए बिना राशि का आहरण किए जाने की शिकायत संबंधी आवेदन कमिश्नर शहडोल संभाग श्री सुरभि गुप्ता को दिए है। इसी प्रकार अन्य अवेदकों ने भी अपनी शिकायतें एवं समस्याओं संबंधी आवेदन कमिश्नर को दिए।

विवाह प्रोत्साहन राशि दिलाने की हितग्राही ने की मांग

विजय मत, शहडोल

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने आज कलेक्टर कार्यालय के सोन सभागार में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में शहडोल जिले के दूर-दराज क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं व शिकायतें सुनी तथा निराकरण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए।

जनसुनवाई में जिले के ब्यौहारी के वार्ड नं 15 निवासी मृगेंद्र सेन ने आवेदन देकर कलेक्टर को बताया कि 22 जनवरी 2025 जिला विवाह अधिकारी के समक्ष पुष्पांजली सिंह गोड़ के साथ विवाह किया था जिसका विवाह प्रमाण पत्र क्र0-02/2025 है। जिसको विवाह प्रोत्साहन राशि अभी तक नही मिली है। उनका कहना था कि मुझे विवाह प्रोत्साहन की राषि दिलाई जाए। जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर आवष्यक कार्यवाही के निर्देष दिए। जनसुनवाई में ब्यौहारी तहसील के ग्राम घोरसा निवासी राजेंद्र प्रसाद द्विवेदी ने आवेदन देकर बताया कि मुझे टीवी रोग है जिसके उपचार के लिए पैसे नही है। उनका कहना था कि मुझे टीवी रोग के उपचार के लिए आर्थिक सहायता राषि प्रदान की जाए जिस पर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारी की ओर आवेदन प्रेषित कर कार्यवाही करने के निर्देष दिए। जनसुनवाई में संभागीय मुख्यालय शहडोल के वार्ड नं. 14 निवासी प्रकाष गुप्ता ने आवेदन देकर बताया कि वार्ड नं0 14 दुर्गा कालोनी में पुरानी नाली के उपर रोड बन जाने के कारण पानी निकासी नहीं हो पा रही है बरसात का पानी तालाब में जाने का कोई रास्ता न होने के कारण पानी सड़क पर भरा रहता है ।

सुरक्षा पुलिस वेरिफिकेशन और आईडी की कमी से सुरक्षा पर सवाल, प्रशासन बना अनजान

बाहरी लोगों द्वारा चलाए जा रहे ठेले-दुकानों पर नहीं है कोई नियंत्रण

विजय मत, शहडोल

नगर की गलियों, बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर इन दिनों बाहर से आकर ठेला और अस्थायी दुकानें लगाने वालों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। आइसक्रीम, मोमोज, चाट-फूलकी, समोसे, सड़क किनारे के सेलून और अन्य छोटे-मोटे व्यवसाय के नाम पर जगह-जगह ठेले नजर आ रहे हैं। ये सभी दुकानें बिना किसी स्पष्ट पहचान और प्रशासनिक अनुमति के चल रही हैं। न तो इनका पुलिस वेरिफिकेशन हुआ है और न ही इन दुकानदारों ने अपनी कोई आईडी सार्वजनिक रूप से लगाई है। इससे शहर की सुरक्षा और व्यवस्थित व्यापार पर गंभीर प्रश्न खड़े हो रहे हैं।

बिना पुलिस जांच के खुलेआम व्यवसाय -इन दिनों शहडोल के मुख्य बाजार, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन और मोहल्लों में ऐसे दर्जनों ठेले दिखाई देते हैं जिनके संचालक बाहरी राज्यों या जिलों से आकर काम कर रहे हैं। पुलिस विभाग द्वारा न तो उनका सत्यापन किया गया है, न ही वे किसी प्रकार की नगर निगम की अनुमति लेकर व्यवसाय चला रहे हैं। यह स्थिति न केवल अवैध है, बल्कि भविष्य में किसी भी अप्रिय घटना की आशंका को जन्म देती है।

आईडी और व्यापारिक प्रमाणपत्र की कमी -सरकार द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार सार्वजनिक स्थल पर व्यवसाय करने वालों को अपनी पहचान और पंजीकरण की जानकारी साफ-साफ प्रदर्शित करनी होती है। लेकिन शहडोल के इन दुकानों पर न कोई आधार कार्ड, न नाम, न पता और न ही कोई संपर्क विवरण दिखाई देता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि बिना किसी निगरानी और प्रक्रिया के ये ठेले संचालित किए जा रहे हैं।

स्थानीय व्यापारियों में असंतोष -शहर के स्थायी दुकानदारों और व्यापारियों ने इस मुद्दे पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि इन बिना अनुमति वाले ठेलों की वजह से उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। न तो ये लोग टैक्स देते हैं और न ही व्यापार नियमों का पालन करते हैं। इसके बावजूद वे खुलेआम ग्राहकों को आकर्षित कर रहे हैं, जिससे व्यवस्थित व्यापार प्रणाली को नुकसान हो रहा है।

सुरक्षा व्यवस्था पर खतरा -बिना वेरिफिकेशन के शहर में बाहरी लोगों का इस प्रकार से सक्रिय होना शहडोल की कानून व्यवस्था पर खतरा बन सकता है। पुलिस के पास इनकी कोई पृष्ठभूमि जानकारी नहीं होती, जिससे किसी भी अपराध के बाद इनका पता लगाना मुश्किल हो सकता है। यह स्थिति न केवल नागरिकों की सुरक्षा के लिए चिंताजनक है, बल्कि प्रशासन की विफलता को भी उजागर करती है।

प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम -शहडोल नगर निगम और पुलिस विभाग की निष्क्रियता की वजह से ये असंगठित व्यवसायी लगातार बढ़ते जा रहे हैं। कहीं कोई स्थायी जांच नहीं हो रही, न ही नगर निगम की ओर से किसी प्रकार की छानबीन या कार्रवाई की जा रही है। जनता को मजबूरन इन असुरक्षित दुकानों से सेवा लेनी पड़ रही है, जिनकी गुणवत्ता और पृष्ठभूमि दोनों संदिग्ध हैं।

जनहित में जरूरी है सख्त कदम

इस समस्या का समाधान केवल तभी संभव है जब प्रशासन गंभीरता से कार्रवाई करे। हर अस्थायी दुकान और ठेले को नगर निगम में पंजीकृत किया जाए और पुलिस वेरिफिकेशन अनिवार्य किया जाए। दुकान पर आईडी, मोबाइल नंबर और नाम-पता का बोर्ड लगाया जाना चाहिए ताकि जरूरत पड़ने पर जानकारी मिल सके। साथ ही, नगर निगम को नियमित निरीक्षण करना चाहिए ताकि ऐसे असंगठित व्यवसायियों पर रोक लगाई जा सके।

2 वार्षिक वेतन वृद्धियां असंचयी प्रभाव से रोकते हुए प्रकरण किया समाप्त

शहडोल। कमिश्नर शहडोल संभाग श्रीमती सुरभि गुप्ता ने उमरिया जिले के प्रभारी तहसीलदार पाली श्री डीएस मरावी को कार्यों में लापरवाही बतरने पर कारण बताओं नोटिस जारी किया था तथा प्रकरणों का अवलोकन किया गया था।कमिश्नर ने आदेश जारी करते हुए श्री मरावी के पदीय दायित्वों के निर्वहन में घोर लापरवाही एवं उदासीनता बरती गई है, जिसके लिए वे दोषी हैं। अतएव प्रस्तुत उत्तर संतोषप्रद व समाधानकारक न पाये जाने के कारण म.प्र. सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम-1966 के नियम-10(4) के अंतर्गत आगामी 02 वार्षिक वेतन वृद्धियां असंचयी प्रभाव से रोकते हुये जारी कारण बताओ सूचना पत्र से प्रचलित कार्यवाही इसी स्तर समाप्त किया जाता है।

न्यूज इन शॉर्ट

जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत किए जा रहे कार्य

शहडोल। आओ बचाएं जल, करे सुरक्षित कल पानी बचाओ कल के लिये पानी की बर्बादी जीवन की बर्बादी जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत जल संरक्षण हेतु जन भागीदारी, जनप्रतिनिधियों जन अभियान परिषद के सदस्यों, समाजसेवी व अन्य लोगों के सहयोग से जल संग्रहण संरचनाओं के जीर्णोद्धार, नदी नालों की सफाई, बोरी बंधान तालाबों का गहरीकरण जैसे अन्य कार्य निरंतर किये जा रहे है। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में शहडोल जिले में जल गंगा संवर्धन अभियान प्रगति पर है। शहडोल जिले के जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम सिंहपुर, मैकी में नवीन खेत तालाब निर्माण कार्य, जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम पंचायत देवगण में लघु तालाब निर्माण कार्य जल के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु किया गया।

अरहर उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 15 मई तक

शहडोल। शासन द्वारा निर्धारित समर्थन मूल्य 7550 रुपए प्रति क्विंटल पर जिले भर में अरहर का उपार्जन किया जाएगा। खरीफ वर्ष 2024-25 में ई उपार्जन पोर्टल पर अरहर (तुअर) फसल के उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन 15 मई तक होगा। उपार्जन के लिए किसान ई उपार्जन पोर्टल में अपना पंजीयन 15 मई से पहले करा लें। सभी सहकारी समिति प्रबंधक तुअर उपार्जन के लिए किसानों का पंजीयन सुनिश्चित करें। पंजीकृत किसानों को ही समर्थन मूल्य पर तुअर के उपार्जन का लाभ मिलेगा।

शासकीय प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रवेश हेतु अवसर

उमरिया । नोडल प्राचार्य औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाएं ने बताया कि जिले में संचालित समस्त शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं आईटीआई सत्र 2025-26 के लिए एमपी आनलाइन के अधि.त कियोस्क, स्वयं व्दारा् केक.उच.हव.अ.पद के माध्यम से संस्थाओं में निर्धारित सीटो के विरूध्द 31 मई तक आवेदन किए जा सकते है । इच्छुक अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक पंजीयन, चाइस फिलिंग कर शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं में प्रवेश हेतु अवसर प्राप्त कर सकते है ।

उन्होने बताया कि आईटीआई उमरिया में कोपा 48 सीट, आईटीआई कोहका में 48 सीट एनसीव्हीटी , आईटीआई पाली में 24 सीट एससीव्हीटी, आईटीआई उमरिया में फिटर की 20 तथा आईटीआई कोहका में 20 सीट एनसीव्हीटी, आईटीआई उमरिया में वेल्डर की 40 सीट तथा आईटीआई कोहका में 40 सीट एनसीव्हीटी , आईटीआई पाली में 20 एससीव्हीटी, आईटीआई उमरिया में स्टेनो हिंदी की 24 सीट एनसीव्हीटी तथा आईटीआई चंदिया में एससीव्हीटी, आईटीआई उमरिया में ड्राफ्टमैन मेकेनिक में 24 सीट एनसीव्हीटी, स्विंग टेक्नोलाजी सिलाई में 20 सीट एनसीव्हीटी तथा आईटीआई कोहका में मेकेनिक रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशन 24 एनसीव्हीटी सीटों की संख्या है ।

मेंटीनेंस कार्य हेतु बिजली आपूर्ति 8 मई को बंद रहेगी

उमरिया। कार्यपालन अभियंता संचा, संधा मप्रपूक्षेविकलि ने बताया कि 132 केव्ही उप केंद्र उमरिया में 132/33 केव्ही 50 एमव्हीए ट्रांसफार्मर आई/सी 2 33 केव्ही साइड के वाय फेज कंडक्टर को बदलने एवं मेन बस में अन्य मेंटीनेंस कर्य हेतु बिजली आपूर्ति 8 मई को प्रातः 8 बजे से दोपहर 3 बजे तक बंद रहेगी । उन्होने बताया कि बिजली आपूर्ति बंद रहने के दौरान चंदिया उपकेंद्र , पथरहटा उपकेंद्र, अखड़ार उपकेंद्र, कौडिया उपकेंद्र, कुदरा उपकेंद्र से निकलने वाले सभी 11 केव्ही फीडर से संबंधित समस्त ग्राम प्रभावित होगे। इसी तरह उमरिया उपकेन्द्र से निकलने वाले 11 केव्ही लोढ़ा, बरबसपुर फीडर से संबंधित समस्त ग्राम प्रभावित होंगे । इसी प्रकार रीवा रोड हास्पिटल स्टेशन रोड 11 केव्ही लाईन आंशिक रूप से चालू रहेगी। आवश्यकतानुसार समयावधि घटाई एवं बढ़ाई जा सकती है। उपभोक्ताओ से वैकल्पिक व्यवस्था के साथ ही सहयोग की अपेक्षा की गई है।

नामान्तरण कराने पटवारी मांग रहा 10 हजार रुपए रिश्वत

विजय मत, शहडोल।

सासाहिक जनसुनवाई कार्यक्रम में अपर कलेक्टर शिवगोविंद सिंह मरकाम ने जिले के दूर दराज से आए लोगों की समस्याओं को सुना तथा प्राप्त आवेदनों को संबंधित विभागीय अधिकारी को प्रेषित कर उनका निराकरण करने के निर्देश दिए।

जनसुनवाई में रामकुमार बैगा ने ग्राम पंचायत मझखेता के अंतर्गत स्थित ग्राम मढउ के बैगान मोहल्ला में रोड का निर्माण कार्य पूर्ण करानें, दीन दयाल जायसवाल नौरोजाबाद ने गाड़ी का भाड़ा दिलाने, मीनांक्षी व्दिवेदी ग्राम पंचायत मलियागुड़ा ने समग्र आईडी में पिता का नाम जुड़वाने, रामधनी सिंह मरदरी ने कूप निर्माण कार्य का टीएस कराने, धीरेन्द्र लोनी ग्राम हर्रवाह ने रजिस्ट्री, नामांतरण कराने के नाम पर पटवारी व्दारा 10 हजार रूपये मांगने, भागीरथी सिंह , .ष्ण पाल , गुलबदन , सरमन, अशोक ग्राम माली ने जले ट्रांसफार्मर को बदलवाने, नजबुन निशा वार्ड नंबर 4 मोहनपुरी ने आराजी भूमि ग्राम लालपुर का सीमांकन कराने संबंधी आवेदन दिया।

इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर मीनांक्षी इंगले, सीईओ जनपद पंचायत करकेली हरनीत कौर कलसी सहित जिले के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

सीएम ने समाधान ऑनलाइन में की सीधी सुनवाई

जनता की संतुष्टि ही हमारा ध्येय है : सीएम

विजय मत, शहडोल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जनता की संतुष्टि ही हमारा ध्येय है। जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरना ही सुशासन है, इसलिए प्रदेश के हर नागरिक को सुशासन का लाभ दिलाना सुनिश्चित करें। स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करें और उनके सुझावों पर भी अमल करें। हरसंभव तरीके से अपनी दक्षता और क्षमता बढ़ायें। जिले में चल रही सभी प्रकार की घटनाओं पर पैनी नजर रखें। योजनाओं का समय-सीमा में क्रियान्वयन सुनिश्चित हों, इसके लिए बेहतर से बेहतर प्रबंधन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश के सभी कलेक्टर्स को यह निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को समत्व भवन (मुख्यमंत्री निवास) से समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने समाधान ऑनलाइन में आए प्रदेश के 14 जिलों के विभिन्न प्रकरणों की सीधी सुनवाई की और आवेदकों से रू-ब-रू बात कर उनके मामले के निराकरण की स्थिति की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी कलेक्टर्स सरकार की योजनाओं के डिलेवरी सिस्टम के मजबूती के लिये प्रयास करें। नागरिकों के काम समय पर हों और उन्हें अपनी छोटी-छोटी जरूरतों के लिये यहां-वहां भटकना न पड़े, यह सुनिश्चित किया जाये।

समाधान ऑनलाइन में मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, अपर मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) डॉ. राजेश राजौरा, अपर मुख्य सचिव गृह श्री जे.एन. कंसोटिया, पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाना सहित सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव एवं सचिव उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सीएम हेल्पलाईन में प्राप्त होने वाले सभी आवेदनों का तय समय-सीमा में ही निराकरण किया जाये। यदि कोई मसला समाधान ऑनलाईन में आ रहा है तो यह गंभीर है। सुशासन के तहत स्थानीय स्तर पर ही आवेदकों को उनकी समस्या का निदान मिल जाये, यह सुनिश्चित किया जाना अत्यंत आवश्यक है।

चोरी का खुलासा आरोपी गिरफ्तार

शहडोल। सीधी थानान्तर्गत फरियादिया निवासी ग्राम रिमार डोंगरा टोला ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि गुरूवार की शाम करीब 4 बजे उनका बड़ा बेटा रंगू उर्फ रामचंद्र पाव शराब के नशे में आकर घर का ताला तोड़कर दो टिन की पेटी चोरी कर ले गया। पेटियों में 65,770 नगद 18 चांदी के पुराने सिक्के कीमत 14,400, दो सोने की लॉकेट, आवश्यक दस्तावेज एवं आधार कार्ड रखे थे।जिसके बाद सीधी पुलिस द्वारा उक्त घटना पर अपराध दर्ज कर भारतीय न्याय संहिता के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। विवेचना के दौरान आरोपी रंगू उर्फ रामचंद्र पाव पिता चरकु पाव उम्र 35 वर्ष निवासी रिमार डोंगरा टोलाए थाना सीधी जिसके बाद पुलिस द्वारा चोरी हुआ मशरूका बरामद किया गया जिसमें एक पुरानी टिन की पेटी से नीले पर्स में 20,250, 18 चांदी के सिक्के, दूसरी पेटी से 25,420, दो सोने की लॉकेट, दस्तावेज तथा एक लोहे की रॉड बरामद की गई है।

गोहपारू पुलिस ने की सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही

शहडोल। गोहपारू थानान्तर्गत कस्बा भ्रमण के दौरान मुखबिर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि स्थानीय बाजार के पास में एक व्यक्ति अवैध रूप से सट्टा पर्ची के माध्यम से लोगों को पैसे की हार जीत के दाव लगवा रहा है। सूचना पर गोहपारू पुलिस द्वारा सूचना स्थान में घेराबंदी कर दबिश देकर आरोपी उदा नायक पिता बल्ला नायक निवासी ग्राम रोहनियाए थाना गोहपारू शहडोल के कब्जे से सट्टा खिलाने से प्राप्त नगदी 1,330 रुपये एवं एक अदद् सट्टा पर्ची एवं पेन जब्त किया गया । पुलिस द्वारा आरोपी के विरूद्ध सट्टा एक्ट के तहत कार्यवाही की गई। उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी गोहपारू के नेतृत्व में सउनि् शिवराज सिंह की सराहनीय भूमिका रही।

शहडोल जिले में ई-केवायसी अभियान से उजागर हुई बड़ी अनियमितता

सत्यापन के एक साल बाद भी नहीं मिले एक लाख हितग्राही: राशन घोटाले की ओर इशारा

विजय मत, शहडोल।

राज्य सरकार की मुफ्त राशन योजना के अंतर्गत हितग्राहियों को दी जा रही सुविधा में बड़ा सवाल खड़ा हो गया है। शहडोल जिले में पिछले एक साल से चल रहे ई-केवायसी अभियान के बाद भी एक लाख से अधिक हितग्राहियों का पता नहीं चल पाया है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है कि इन ÷गायब÷ हितग्राहियों के नाम पर आबंटित होने वाला राशन आखिर अब तक कौन लेता रहा।

एक साल में भी नहीं हुई सत्यता की पुष्टि –राज्य सरकार ने यह सुनिश्चित करने के लिए ई-केवायसी प्रक्रिया प्रारंभ की थी कि वास्तविक जरूरतमंदों को ही राशन का लाभ मिल सके। परंतु, शहडोल जिले के आंकड़े प्रशासन की चिंता बढ़ा रहे हैं। जिले में कुल 8 लाख 39 हजार 205 सदस्य ऑफलाइन सूची में दर्ज हैं, जिनमें से 7 लाख 25 हजार 83 की ही ई-केवायसी हो सकी

है। 28 अप्रैल 2025 तक 1 लाख 14 हजार 122 हितग्राही ऐसे रहे जिनका कोई अता-पता नहीं चला।

सवालों के घेरे में राशन वितरण प्रक्रिया –जब इन हितग्राहियों की ई-केवायसी ही नहीं हो सकी और वे स्वयं उपस्थित नहीं हुए, तो वर्षों से उनके नाम पर राशन कौन उठा रहा है? यह प्रश्न प्रशासन से लेकर शासन तक की व्यवस्था पर सवाल खड़ा करता है। क्या राशन दुकानदारों द्वारा किसी मिलीभगत के तहत यह राशन उठाया जा रहा है। क्या फर्जी हितग्राहियों को बनाए रखकर राशन का दुरुपयोग हो रहा है। क्या यह एक संगठित घोटाले का संकेत है।

राशन वितरण में देखी गई गड़बड़ियाँ -- जांच में सामने आए तथ्यों से स्पष्ट है कि कई मामलों में परिवार के अन्य सदस्य ही अनुपस्थित लोगों के नाम से राशन उठाते रहे हैं।

- परिवार की बेटियाँ शादी के बाद अन्य स्थानों पर चली गईं, लेकिन उनके नाम से राशन वितरण जारी रहा।
- कई परिवारों में बुजुर्गों की मृत्यु हो चुकी है, लेकिन उनके नाम पर राशन मिलता रहा।
- शहरों में काम करने गए युवाओं के नाम पर भी गांव में राशन लिया जाता रहा।
- इन स्थितियों ने व्यवस्था की गंभीर खामियों को उजागर किया है।

जब ई-केवायसी में बड़े स्तर पर हितग्राही नहीं मिले, तो प्रशासन ने 10 से 30 अप्रैल के बीच एक विशेष अभियान चलाया। इसका उद्देश्य था सभी वास्तविक हितग्राहियों की उपस्थिति सुनिश्चित कर उनका डिजिटल सत्यापन कराना। लेकिन यह अभियान भी अपेक्षित सफलता नहीं दिला सका

जिला प्रभारी मंत्री आज एक दिवसीय भ्रमण पर आएंगे उमरिया

उमरिया । प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान 7 मई को एक दिवसीय भ्रमण पर उमरिया आएंगे। श्री चौहान 7 मई को इंदौर बिलासपुर एक्सप्रेस से प्रातः 8.30 बजे उमरिया रेल्वे स्टेशन पहुंचेगे तत्पश्चात सर्किट हाउस के लिए रवाना होगे। प्रातरू 10.30 बजे जिला पंचायत सभागार में आयोजित बैठक में भाग लेगे। जिला प्रभारी मंत्री जिला मुख्यालय उमरिया स्थित कॉलरी स्कूल परिसर में दोपहर 12.30 बजे मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना सामूहिक विवाह कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर 3 बजे जल गंगा संवर्धन के तहत आयोजित बोरी बंधान कार्यक्रम में भाग लेंगे। कार्यक्रम के भाग लेने के पश्चात उमरिया सर्किट हाउस पहुंचेंगे।

मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह सम्मेलन में लेंगे भाग

प्रदेश के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में कॉलरी स्कूल परिसर उमरिया में 7 मई को मुख्यमंत्री कन्या विवाह, निकाह योजना के तहत सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमांद्री सिंह करेंगी। विशिष्ट अतिथि के रूप में विधायक मानपुर सुश्री मीना सिंह, विधायक बांधवगढ शिवनारायण सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष अनुजा पटेल उपस्थित रहेंगी ।

प्रदेष शासन के आव्हान पर उमरिया जिले में भी जल गंगा संवर्धन अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में प्रदेष के अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री नागर सिंह चौहान के मुख्य आतिथ्य में मानपुर जनपद पंचायत के ग्राम बरबसपुर स्थित डेंगरहा नाला में बोरी बंधान कार्यक्रम 7 मई को आयोजित किया गया है। कार्यक्रम में कलेक्टर धरणेन्द्र कुमार जैन, सीईओ जिला पंचायत अभय सिह सहित अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे ।

जल की एक-एक बूंद बचाने का दिया जा रहा संदेश

शहडोल। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ÷जल गंगा सवंर्धन अभियान÷ 30 मार्च से प्रारंभ किया है जो कि 30 जून तक संचालित होगा। यह अभियान जन-जन के जीवन से जुड़ा महत्वपूर्ण अभियान है। शहडोल जिले में आगामी तीन माह तक जल गंगा संवर्धन अभियान सतत चलेगा। अभियान के अंतर्गत जहां एक ओर नये तालाब बनाये जायेंगे, वहीं दूसरी ओर पुराने तालाबों, बावड़ियों और कुँओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। नदियों को साफ-स्वच्छ एवं जल एकत्रित करने के लिए भी कार्य किए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद विकास खण्ड सोहागपुर के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति मिठोरी द्वारा ग्राम पंचायत के समीप जलसा तालाब तथा सीढियों की साफ सफाई कार्य में श्रमदान किया गया। श्रमदान कार्य में सरपंच मुन्नी कोल, जन अभियान परिषद के विकास खण्ड समन्वयक प्रिया सिंह बघेल, सचिव नरेंद्र प्रसाद गुप्ता, नवांकुर संस्था की ममता सोनी, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सचिव कल्याण सिंह, रोजगार सहायक शिवराज सिंह, ,मोबलाइजर, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मधु कोल एवं अन्य लोगों ने सहभागिता निभाई तथा जल की एक-एक बूंद बचाने का संदेश दिया जा रहा है।

पशु पक्षियों की प्यास बुझाने लोगो ने रखवाए सकोरे और नाद

शहडोल– गर्मी के मौसम में जहाँ मनुष्य पानी की कमी से जूझता है, वहीं बेजुबान पक्षियों के लिए भी यह समय अत्यंत कठिन होता है। इसी संवेदनशीलता को समझते हुए शहर के जागरूक नागरिकों और सामाजिक संगठनों ने एक सराहनीय पहल की है। उन्होंने विभिन्न स्थानों पर मिट्टी के सकोरे (पानी के बर्तन) रखकर पक्षियों की प्यास बुझाने का कार्य शुरू किया है। आज संभागीय मुख्यालय शहडोल के जगन्नाथ मंदिर , रेलवे कॉलोनी , गायत्री मंदिर , डॉक्टर कॉलोनी , सोहागपुर प्राथमिक विद्यालय , बाणगंगा , निगम कॉलोनी , पांडव नगर में सकोरे एवं नाद रखवाए गए जिसमें गौरव राल्ही मिश्रा , देवेंद्र श्रीवास्तव , क्रिस्टी अब्राहम , दीपक गौतम मिश्रा, शिवनाथ द्विवेदी , प्रकाश सेन , प्रभाकर मिश्र, निलेश गौतम की भूमिका रही।

अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर सोहागपुर में भव्य कार्यक्रम का आयोजन

विजय मत, धनपुरी।

सोहागपुर क्षेत्र में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 1 में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के शुभ अवसर पर सोहागपुर मुख्यालय में भव्य कार्यक्रम आयोजन किया गया और कई श्रमिकों को इस अवसर पर शानदार कार्य के लिए सम्मानित किया गया।

सोहागपुर मुख्यालय के प्रांगण में सोहागपुर के प्रभारी महाप्रबंधक संचालन मनीष श्रीवास्तव के मुख्य अतिथि में कार्यक्रम की शुरुआत हुई वह कार्यक्रम की अध्यक्षता क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक बलराम हेंब्रम ने किया इस मौके पर अमलाई ओपन कास्ट के उपक्षेत्रीय प्रबंधक पी रमन्ना भी मौजूद थे। कार्यक्रम में ध्वजारोहण के पश्चात कंपनी के कॉर्पोरेट गीत सभी लोगों ने गाया व कार्यक्रम का शुभारंभ क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक के उद्बोधन के साथ शुरू हुआ।

क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक बलराम हेंब्रम ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए कहा कि 1 मई मजदूर दिवस पूरे विश्व में मनाया जाता है ।और इस दिन हमेशा मजदूरों के हक में लड़ी गई लड़ाई के लिए याद किया जाता है। क्षेत्रीय कार्मिक प्रबंधक बलराम हेंब्रम ने सभी उपस्थित जनों को मजदूर दिवस की शुभकामनाएं दी और सभी का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि महाप्रबंधक संचालन मनीष श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा की अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस 1889 से पूरे विश्व में मनाया जा रहा है, और यह दिन इस बात का सूचक है कि मजदूरों के हित में लड़ाई जो लड़ी गई थी ,और कई लोगों ने अपनी जान गवाई थी। उसके बाद मजदूरों के हित में यह कानून बना जिसमें मजदूरों के कल्याण के साथ-साथ उनके कार्य अविधि ,नियम और शर्तों सब लिखित में लाई गई और मजदूरों का शोषण इस तरह बंद हुआ।

श्री श्रीवास्तव ने कहा की सोहागपुर क्षेत्र निरंतर प्रगति के शिखर पर जा रहा है और पूरे एस ई सीएल ने इस वर्ष सकारातमक ग्रोथ किया है जो हम सबके लिए गर्व की बात है। श्री श्रीवास्तव ने कहा हमारी कार्यशैली और शक्ति को मददे नजर रखते हुए उच्च प्रबंधन ने हमें इस वर्ष 70 लाख टन का लक्ष्य दिया है जो हमारे लिए चुनौती है लेकिन आप सभी श्रम वीरों के शक्ति के बल पर हम इस मुकाम तक पहुंचने में सफल होंगे ऐसा मेरा मानना है। महाप्रबंधक श्रीवास्तव ने कहा की सोहागपुर क्षेत्र के कई श्रम वीरों को उनके सर्वश्रेष्ठ कार्यों के लिए बिलासपुर मुख्यालय द्वारा सम्मानित किया जा रहा है ।

मुश्किलें सीवर लाइन, सड़कें और नगरपालिका की लापरवाही ने बढ़ाई जनता की मुश्किलें

शहडोल की जमीनी हकीकत उजागर करती बेमौसम बारिश

विजय मत, शहडोल।

शहर में हाल ही में हुई बेमौसम बारिश ने नगर प्रशासन की लचर कार्यप्रणाली की परतें खोल दी हैं। गुरुवार को हुई झमाझम बारिश के बाद नगर के विभिन्न हिस्सों में जलभराव, कीचड़ और टूटी-फूटी सड़कों ने लोगों की मुश्किलें कई गुना बढ़ा दी हैं। जहां एक ओर सीवर लाइन डालने के बाद सड़कें वर्षों से अधूरी पड़ी हैं, वहीं दूसरी ओर जल निकासी की व्यवस्था पूरी तरह चरमराई हुई है।

सड़क नहीं, कीचड़ का दलदल

पुलिस लाइन से सटे पटेल नगर क्षेत्र की सड़क पर सीवर लाइन डालने के लिए कई महीने पहले खुदाई की गई थी, परंतु कार्य पूर्ण होने के बाद भी सड़क का निर्माण अब तक नहीं किया गया है। अब हालात यह हैं कि बारिश के बाद सड़क पूरी तरह से कीचड़ में तब्दील हो गई है। चिकनी मिट्टी फिसलन पैदा कर रही है, जिससे वाहन चालकों और राहगीरों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

सड़क लायक नहीं चलने के

स्थानीय रहवासियों का कहना है कि बारिश होने पर सड़क पर चलना नामुमकिन हो जाता है। पानी सूखने के बाद बड़े-बड़े गड्ढे उभर आते हैं जो दुर्घटनाओं को आमंत्रण देते हैं। नागरिकों का आरोप है कि उन्होंने नगरपालिका से कई बार शिकायत की है,

लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया।

गंज पानी टंकी क्षेत्र: नाली जाम, सड़क जलमग्न

सब्जी मंडी से कोतवाली रोड को जोड़ने वाली सड़क पर न केवल बारिश बल्कि दुकानों और होटलों से निकला निस्तारी पानी भी जमा हो जाता है। यहां की नालियां लंबे समय से जाम हैं, जिससे पानी की निकासी नहीं हो पा रही। परिणामस्वरूप इस व्यस्त सड़क पर हर वक्त पानी भरा रहता है और व्यापार पर भी इसका बुरा असर पड़ रहा है।

जलभराव और गंदगी से फैलेगी बीमारी

स्थानीय डॉक्टरों ने चेतावनी दी है कि यदि जलभराव की स्थिति जल्द नहीं सुधरी तो डेंगू, मलेरिया और अन्य बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। कीचड़ और गंदगी के चलते संक्रामक रोग फैलने की पूरी संभावना है।

नगरपालिका के कर्मचारियों पर आरोप

नागरिकों ने नगरपालिका के कर्मचारियों के लापरवाही और अनदेखी के आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि शहर के विकास के नाम पर केवल योजनाएं बनाई जाती हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर कोई क्रियान्वयन नहीं होता। नगरपालिका की चुप्पी और निष्क्रियता शहडोल नगर की जनता को परेशान कर रही है।

सड़कें कब बनेंगी, पानी कब निकलेगा

अब सवाल यह है कि शहडोल नगर के नागरिक आखिर कब तक इस बदहाली को झेलते रहेंगे, क्या नगरपालिका सीवर लाइन कार्य के बाद अधूरी सड़कों की मरम्मत करेगी। क्या जल निकासी की स्थायी व्यवस्था की जाएगी। इन सवालों का जवाब देने वाला कोई नहीं है, लेकिन जनता अब जवाब चाहती है।

विराट की बल्लेबाजी से आलोचकों को करारा जवाब मिला : डिविलियर्स

जोहांसबर्ग, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स आईपीएल में विराट कोहली के शानदार प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) में विराट के साथी रहे डिविलियर्स ने इसी को लेकर अब आलोचकों पर भी निशाना साध है। डिविलियर्स ने कहा है कि कोहली के स्ट्राइक रेट पर सवाल उठाने वाले दिग्गजों को भी अब जवाब मिल गया होगा। उन्होंने सुनील गावस्कर और वीरेंद्र सहवाग के पुराने बयानों के स्क्रीन शॉट के साथ एक वीडियो भी साझा किया है। उन्होंने मीडिया को भी विराट की आलोचना से बचने को कहा है। इस क्रिकेटर ने सीएसके के खिलाफ विराट की 62 रन की आक्रामक पारी के बाद कहा है कि कोहली आरसीबी के लिए मिस्टर सेफ्टी हैं। वह जब तक होते हैं किसी बात की चिन्ता न करें। उसने पिछले मैच में करीब 200 के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी।

डिविलियर्स ने कहा, 'विराट हमेशा वहां है। वह आरसीबी के लिए मिस्टर सेफ्टी हैं। जब वह हैं तो आपको डरने की जरूरत नहीं। जब विराट पास हो तो कभी मत डरो। यही मेरा कहना है। मैं मीडिया के लोगों से जो कहना चाहता हूं आपने कहा था कि विराट बहुत धीमी बल्लेबाजी कर रहा है। वहीं अब देखे उसने 200 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग की। ' डिविलियर्स ने अपने वीडियो के अंत में कहा उसे पचाइए। इसका मतलब है कि आपके पास तथ्य को स्वीकार करने के अलावा कोई दूसरा रास्ता नहीं है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने गावस्कर और सहवाग के पुराने बयानों से जुड़ीं खबर का स्क्रीन शॉट भी डाला है। पिछले साल विराट कोहली को टी 20 क्रिकेट में खराब स्ट्राइक रेट की वजह से काफी आलोचनाओं का सामना करना पड़ा था। पिछले साल उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ 67 गेंदों में शतक पूरा किया था जो आईपीएल इतिहास का सबसे धीमा शतक है। तब सहवाग ने विराट कोहली के स्ट्राइक रेट पर सवाल उठाये थे।

इसी तरह सुनील गावस्कर ने भी पिछले साल सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ मैच में कॉमेंट्री के दौरान ऑन एयर ही विराट के स्ट्राइक रेट की आलोचना की थी। उन्होंने आरसीबी के तत्कालीन कप्तान कोहली के जोखिम लेकर बल्लेबाजी नहीं करने पर निराशा जाहिर की थी, खासकर तब जब लाइनअप में अच्छे बिग-हिटर मौजूद थे।

इंग्लिश को तीसरे नंबर पर भेजकर श्रेयस ने सही किया: पोंटिंग

धर्मशाला। पंजाब किंग्स के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग ने जोश इंग्लिश को बल्लेबाजी के लिए तीसरे नंबर पर भेजने के कप्तान श्रेयस अय्यर के फैसले की प्रशंसा की है। पोंटिंग ने कहा कि लखनऊ सुपर जायंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव की गेंदबाजी के दौरान इंग्लिश को बल्लेबाजी के लिए तीसरे नंबर पर भेजना काफी फायदेमंद रहा। इंग्लिश ने 14 गेंदो में 30 रन बनाए। पंजाब ने यह मैच 37 रन से जीता। इंग्लिश ने इस सत्र में अधिकतर समय मध्यक्रम में ही बल्लेबाजी की थी। इसी कारण उन्हें तीसरे नंबर पर भेजा गया । पोंटिंग ने मैच के बाद कहा, 'इंग्लिश को तीसरे नंबर पर भेजने का फैसला कप्तान का था। यहां की पिच और गेंबाजों को देखते हुए उनका मानना था कि अगर विकेट जल्दी गिर जाता है तो फिर इंग्लिश को भेजना सही होगा।

प्रीमियर लीग फुटबॉल

लंदन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में खेलते हुए क्रिस्टल पैलेस और नौटिंघम फोरेस्ट के खिलाड़ी।

एशिया कप को लेकर गावस्कर के बयान से भड़के पूर्व पाक क्रिकेटर

लाहौर, एजेंसी

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने हाल में कहा था कि पहलगाम आतंकी हमले के बाद एशिया कप से अब पाकिस्तान की छुट्टी होना तय है। इसी को लेकर पाकिस्तान के कई पूर्व क्रिकेटरों ने नाराजगी जतायी है। कुछ ने गावस्कर के इस बयान को मूर्खता कहा है। हैं तो कुछ ने कहा है कि खेल और राजनीति को नहीं मिलाया जाना चाहिये। गावस्कर ने कहा था कि दोनो देशों के बीच तनाव के कारण पाक को शायद ही शामिल किया जाये। गावस्कर अपने बयान में कहा कि बीसीसीआई आम तौर पर सरकार के रुख के हिसाब से चलती है। उन्होंने इशारों-इशारों में यह कहा कि मौजूदा तनाव की वजह से हो सकता है कि एशिया कप से पाकिस्तान को बाहर कर दिया जाये।

एशिया कप की मेजबानी भारत और श्रीलंका संयुक्त रुप से करेंगे। सितंबर में होने वाले इस टूर्नामेंट में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, यूएई, ओमान और हॉन्ग कॉन्ग की टीमों को हिस्सा लेना है। पूर्व पाक बल्लेबाज जावेद मियांदाद ने कहा, मुझे भरे नहीं हो सकता कि सन्नी भाई ने यह कहा है। वह सम्मानित और जमीन से जुड़े हुए आदमी हैं जो हमेशा राजनीति से दूर रहते हैं।

वहीं पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर बासित अली तो गावस्कर के बयान से इतना बौखला गए कि उसे मूर्खता करार दिया है। अली ने कहा, जांच पूरी होने दीजिए। क्रिकेट को राजनीतिक शत्रुता से ऊपर रखना चाहिए।

पूर्व स्पिनर इकबाल कासिम ने गावस्कर की टिप्पणी पर हैरानी जताई है। उन्होंने कहा, 'गावस्कर एक जिम्मेदार व्यक्ति हैं और बॉर्डर के दोनों ओर उन्हें प्यार मिलता है। राजनीति और खेल को नहीं मिलाना चाहिए।'

टिम पेन बोले- रबाडा ने डोप जांच की बात छिपाकर गलत किया

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान टिम पेन ने डोप जांच में असफल होने की बात छिपाने के लिए दक्षिण अफ्रीकी तेज गेंदबाज कैगिसो रबाडा की आलोचना की है। पेन ने कहा कि इस मामले की जांच कर रहे अधिकारियों को स्पष्ट रुप से अपनी बात रखनी चाहिये थी। वहीं रबाडा ने इस मामले को लेकर कहा था कि मनोरंजन के लिए इस्तेमाल होने वाली प्रतिबंधित दवा के सेवन के कारण ही उनपर अस्थायी प्रतिबंध लगाया गया है। रबाडा को इसी कारण आईपीएल सत्र के बीच में ही स्वदेश वापस लौटना पड़ा था। रबाडा आईपीएल में गुजरात टाइटंस की ओर से खेल रहे थे पर दो मैच खेलने के बाद ही वह निजी कारणों का हवाला देते हुए आईपीएल छोड़कर चले गये थे।

सहवाग बोले-धोनी से बात करें ऋषभ

नई दिल्ली। लखनऊ सुपर जॉयंट्स के कप्तान ऋषभ पंत आईपीएल के इस सत्र में फ्लॉप रहे हैं। आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी होने के बाद भी वह कुल 150 रन भी नहीं बना पाये हैं। इससे उनकी टीम को भी नुकसान हुआ है और उसके लिए प्लेऑफ में जगह बनाना भी असंभव हो गया है। इसी को देखते हुए अब पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि ऋषभ को अपने पुराने फुटेज देखने के साथ ही महेंद्र सिंह धोनी से भी सलाह लेनी चाहिये। वह साल 2016 से ही आईपीएल खेल रहे हैं पर इस सत्र में वह रनों के लिए तरसते दिख रहे हैं।

ऋषभ को अड़ियल रवैये से हो रहा नुकसान पारी की शुरुआत करें: रायडू

नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व भारतीय क्रिकेटर अंबाती रायुडू ने लखनऊ सुपर जायंट्स के कप्तान ऋषभ पंत की आलोचना करते हुए कहा है कि उन्हें अपनी जिद से नुकसान हो रहा है। रायुडू के अनुसार वह अपने बल्लेबाजी क्रम में बदलाव नहीं करने के कारण असफल हो रहे हैं। रायुडू के अनुसार ऋषभ के अंदर मध्य क्रम में बल्लेबाजी करने की मानसिकता नहीं है जिसका नुकसान उन्हें हो रहा है। इसलिए उन्हें सलामी बल्लेबाज के रूप में उतरना चाहिये। वह इस सत्र में सबसे महंगे खिलाड़ी होने के बाद भी रन बनाने में विफल रहे हैं।

ऋषभ ने इस सत्र में केवल एक अर्धशतक लगाया है। रायुडू ने कहा, मुझे उनके लिए बहुत दुख हो रहा है, क्योंकि वह अपने बल्लेबाजी क्रम और रवैय में बदलाव करने में विफल रहे हैं। मुझे लगता है कि वह चीजों को अड़ियल रुख अपनाये हुए हैं। यह उनके लिए ठीक नहीं रहेगा। इस गेम में ऐसा होता है और वह बहुत ही खराब दौर का सामना कर रहे हैं। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, ऐसा किसी के साथ भी हो सकता है।

बिजनेस

टीसीएस ने 70 फीसदी कर्मचारियों को दिया 100 प्रतिशत त्रैमासिक परिवर्तनीय भत्ता

नई दिल्ली। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने जनवरी-मार्च तिमाही के लिए अपने 70 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों को त्रैमासिक परिवर्तनीय भत्ता (क्यूवीए) का भुगतान किया है। टीसीएस का जनवरी-मार्च तिमाही का मुनाफा 1.7 प्रतिशत की गिरावट के साथ 12,224 करोड़ रुपये और कुल राजस्व सालाना आधार पर 5.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 64,479 करोड़ रुपये रहा था। कंपनी ने इस तिमाही में 625 कर्मचारियों को नियुक्त किया जिससे इसके कुल कर्मचारियों की संख्या छह लाख से अधिक हो गई है। इससे पहले टीसीएस ने कहा था कि वह शुल्क मुद्दों से उत्पन्न व्यावसायिक अनिश्चितताओं के कारण अपने 6.07 लाख कर्मचारियों की वार्षिक वेतन वृद्धि को स्थगित करेगी। कंपनी के मुख्य मानव संसाधन अधिकारी ने वार्षिक वेतन वृद्धि में देरी के लिए व्यावसायिक अनिश्चितताओं का हवाला दिया था। वेतन वृद्धि आमतौर पर अप्रैल से शुरू होती है। हालांकि, उन्होंने इसकी कोई जानकारी नहीं दी कि कंपनी वेतन वृद्धि की घोषणा अब कब करेगी।

देश के सेवा क्षेत्र में नए ऑर्डर प्रवाह से अप्रैल में मामूली सुधार

नई दिल्ली। देश के सेवा क्षेत्र में अप्रैल माह में मामूली सुधार दर्ज किया गया है, जो नए ऑर्डर प्रवाह की वजह से देखा जा रहा है। एचएसबीसी इंडिया के मासिक सर्वेक्षण के अनुसार अप्रैल में सेवा कारोबारी गतिविधि सूचकांक 58.7 रहा, जो मार्च की 58.5 की तुलना में बेहतर है। यह आंकड़ा इसके दीर्घकालिक औसत से अधिक है। क्रय प्रबंधक सूचकांक के अनुसार भारतीय सेवा कंपनियों को अप्रैल में लगातार तीसरे महीने में अपने कार्यबल की संख्या में वृद्धि की गई है। साथ ही उन्होंने ग्राहकों की बढ़ती मांग के अनुसार अपने विक्रय मूल्यों में भी वृद्धि की है। कंपनियों ने अपनी सेवाओं के लिए विदेशी मांग से भी लाभ उठाया है, जिसमें एशिया, यूरोप, पश्चिम एशिया और अमेरिका को विशेष रूप से ध्यान में रखा गया है। एचएसबीसी इंडिया के मुख्य अर्थशास्त्री ने इस सुधार को अभिवादन दिया और मार्च की तुलना में अधिक तेजी से इसमें वृद्धि को दर्शाया। इसके साथ ही अप्रैल में मुनाफे में भी सुधार देखा गया है जिसमें लागत दबाव कम होने का भी भागीदारी है।

रुपया आठ पैसे गिरकर 84.38 प्रति डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में कारोबार करता हुआ आठ पैसे की गिरावट के साथ 84.38 प्रति डॉलर पर आ गया। डॉलर सूचकांक में तेजी और एशियाई मुद्राओं में गिरावट का दबाव स्थानीय मुद्रा पर पड़ा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि कच्चे तेल की कीमतों में समग्र गिरावट और विदेशी पूंजी प्रवाह जारी रहने से अमेरिकी डॉलर/भारतीय रुपये की जोड़ी को समर्थन मिला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.28 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों में 84.26 प्रति डॉलर के उच्च स्तर पर पहुंचा और फिर 84.38 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर आ गया जो पिछले बंद के मुकाबले आठ पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 84.30 पर बंद हुआ। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 99.79 पर रहा।

मूडीज ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान घटाकर किया 6.3 प्रतिशत

नई दिल्ली, एजेंसी

मूडीज ने मंगलवार को 2025 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर का अनुमान कम कर दिया। इसके मुताबिक भारत की जीडीपी वृद्धि दर को 6.5 प्रतिशत से 6.3 प्रतिशत कर दिया गया है। रेटिंग एजेंसी ने उदाहरण के रूप में अमेरिकी नीति अनिश्चितता और व्यापार प्रतिबंधों के कारण वैश्विक स्तर पर अर्थव्यवस्थाओं पर दबाव का निरीक्षण किया। मूडीज ने अपने ग्लोबल मैक्रो आउटलुक 2025-26 में सुझाव दिया कि भारत और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के चलते भू-राजनीतिक तनावों से इसके आधारभूत वृद्धि पूर्वानुमान पर नकारात्मक प्रभाव हो सकता है। इसी बारे में मूडीज ने निवेशकों और व्यवसायों को चेताया कि नए भू-राजनीतिक विन्यासों के साथ निवेश करने की आवश्यकता है। मूडीज के मुताबिक भारत की वृद्धि अनुमानों को 2025 के लिए 6.3 प्रतिशत और 2026 के लिए 6.5 प्रतिशत पर बनाए रखा गया है। यह अंक 2024 के 6.7 प्रतिशत से कम है। वहीं भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के विशेष दरों कम करने से वृद्धि पर सकारात्मक प्रभाव हो सकता है। अमेरिका और चीन के मामले में भी मूडीज ने वृद्धि अनुमानों में कमी का संकेत दिया है।

सोने का भाव 97,350 रुपये प्रति 10 ग्राम, चांदी 96,700 रुपये प्रति किलो

डॉलर की नरमी से सोना हुआ महंगा, चांदी में गिरावट

नई दिल्ली, एजेंसी

वैश्विक बाजारों में डॉलर के कमजोर होने से इसका असर अब सोने की कीमतों पर दिखने लगा है। सप्ताह की शुरुआत में ही सोमवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में बड़ी तेजी देखी गई। वहीं चांदी की कीमत में गिरावट दर्ज की गई है। सोने की कीमत 550 रुपये की बढ़त के साथ 97,350 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई, जो अब तक का एक अहम स्तर है। सोने की चमक के विपरीत चांदी की कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार को चांदी 400 रुपये टूटकर 96,700 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। वहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हाजिर सोने की कीमत 46.34 डॉलर बढ़कर 3,286.83 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई. वहीं, चांदी की हाजिर कीमत 1.24 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ 32.41 डॉलर प्रति औंस रही। वैश्विक बाजारों में डॉलर की कमजोरी के चलते निवेशकों का रुझान सुरक्षित निवेश की ओर बढ़ा है।

सेंसेक्स 156 अंक गिरकर 80,641 पर बंद, निफ्टी 82 अंक लुढ़का

बैंक ऑफ बड़ौदा का शेयर 11 प्रतिशत गिरा बैंकिंग और रियल्टी सेक्टर 5 प्रतिशत तक टूटे

मुंबई, एजेंसी

हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन आज यानी मंगलवार, 6 मई को शेयर बाजार में गिरावट रही। सेंसेक्स 156 अंक गिरकर 80,641 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 82 अंक की गिरावट रही, ये 24,380 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 19 गिरकर बंद हुए। जोमैटो का शेयर 3.08 प्रतिशत, टाटा मोटर्स का 2.09 प्रतिशत, SBI का 2.01 प्रतिशत, अडाणी पोर्ट्स और NTPC का 1.96 प्रतिशत नीचे बंद हुए। वहीं, महिंद्रा, एयरटेल, नेस्ले इंडिया, HUL और टाटा स्टील के शेयर 2 प्रतिशत तक चढ़कर बंद हुए।

निफ्टी के 50 शेयरों में से 34 गिरकर बंद हुए हैं। NSE के सेक्टोरल इंडाइसेज में सबसे ज्यादा सरकारी बैंकों के इंडेक्स 4.84 प्रतिशत, रियल्टी इंडेक्स 3.58 प्रतिशत, ऑयल एंड गैस 1.79 प्रतिशत, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.68 प्रतिशत और मीडिया 1.51 प्रतिशत गिरकर बंद हुए। वहीं, कमजोर तिमाही नतीजों के बाद बैंक ऑफ बड़ौदा का शेयर 11 प्रतिशत गिर गया।

एथर एनर्जी का शेयर आज यानी 6 मई को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज पर इश्यू प्राइस से 1.57 प्रतिशत ऊपर 326.05 पर लिस्ट हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर शेयर इश्यू प्राइस से 2.18 प्रतिशत ऊपर 328 पर लिस्ट हुआ। हालांकि, बाद में इसमें 5.5 प्रतिशत की गिरावट रही और ये 304 रुपए पर बंद हुआ।

एथर एनर्जी के IPO का इश्यू प्राइस 321 था। यह IPO रिटेल निवेशकों के लिए 28 अप्रैल से 30 अप्रैल तक बोली लगाने के लिए ओपन था, जो टोटल 1.50 गुना सब्सक्राइब हुआ था।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार, 5 मई को शेयर बाजार में तेजी रही। सेंसेक्स 295 अंक ऊपर 80,797 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 114 अंक की तेजी रही, ये 24,461 के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स के 30 में से 20 शेयरों में तेजी देखने को मिली। अडाणी पोर्ट्स का शेयर 6.31 प्रतिशत, बजाज फिनसर्व 3.73 प्रतिशत, महिंद्रा एंड महिंद्रा 3.11 प्रतिशत और जोमैटो 2.45 प्रतिशत चढ़कर बंद हुए। वहीं, कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 4.59 प्रतिशत और SBI का 1.26 प्रतिशत नीचे आ गए हैं। निफ्टी के 50 शेयरों में से 38 में तेजी रही। ह्स्श्व के सेक्टोरल इंडाइसेज में ऑटो में 1.85 प्रतिशत, FMCG में 1.22 प्रतिशत, मेटल में 0.96 प्रतिशत और ऑयल एंड गैस में 1.70 प्रतिशत की तेजी रही। जबकि, बैंकिंग सेक्टर में मामूली गिरावट रही।

मोटोरोला एज 60 और रेजर 60 सीरीज 8 को होगी पेश

नई दिल्ली, एजेंसी

स्मार्टफोन बनाने वाली कंपनी मोटोरोला आगामी 8 मई को चीन में एक बड़ा लॉन्च इवेंट आयोजित करने जा रही है। इस इवेंट में मोटोरोला एज 60 सीरीज और रेजर 60 सीरीज को पेश किया जाएगा।

रिपोर्ट के मुताबिक, चीनी बाजार में मोटोरोला एज 60 सीरीज के तीन मॉडल - एज 60, एज 60एस और एज 60 प्रो लॉन्च किए जाएंगे। इसमें सबसे खास नाम एज 60ह्य का है, जिसे पहले कभी किसी बाजार में इस नाम से नहीं देखा गया। हालांकि, यह फोन पूरी तरह नया नहीं है। यह एक्सटी2503-3 मॉडल नंबर वाले उस डिवाइस का रीब्रांडेड वर्जन माना जा रहा है, जिसे कुछ समय पहले चीन की सर्टिफिकेशन साइट टेन्ना पर देखा गया था। यह फोन ग्लोबल मार्केट में पहले से मौजूद एज 60 फ्यूजन का नया अवतार होगा। मोटोरोला एज 60एस में 6.7 इंच का कर्व्ड पी-ओलेड डिस्प्ले दिया जाएगा, जो 1.5के रेजॉल्यूशन और 120एचझेड रिफ्रेश रेट को सपोर्ट करेगा। फोन में मीडियाटेक की डाइमेंसिटी 7400 चिपसेट होगा। पावर बैकअप के लिए इसमें 5500एमएएच की बैटरी दी जाएगी, जो 68वॉट फास्ट वायर्ड और 15वॉट वायरलेस चार्जिंग को सपोर्ट करेगी।

फोन का डिज़ाइन भी काफी प्रीमियम होगा, जिसमें आईपी68/69 रेटिंग वाली वाटर और डस्ट रेसिस्टेंट बॉडी मिलेगी। इसका वजन 190 ग्राम होगा और मोटाई 8.2 मिमी रखी गई है। रंग विकल्पों की बात करें तो यह डिवाइस मिंट, पिंक और पर्पल शेड्स में उपलब्ध हो सकता है। मोटोरोला एज 60ह्य मिड-रेंज स्मार्टफोन सेगमेंट में एक मजबूत दावेदार बनकर सामने आ सकता है।कैमरा की बात करें तो फोन में सेल्फी के लिए 32 मेगापिक्सल का फ्रंट कैमरा मिलेगा, जबकि रियर पैनल पर ओआईएस सपोर्ट के साथ 50 मेगापिक्सल का सोनी एलवायटी-700सी प्राइमरी सेंसर और 13 मेगापिक्सल का अल्ट्रा-वाइड कैमरा होगा, जो मैक्रो फोटोग्राफी में भी सक्षम होगा।

टॉप पर शिक्षा मंत्री का जिला, भोपाल, इंदौर, जबलपुर टॉप 10 से बाहर

स्कूल शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप बोले- पूरे तंत्र के समन्वित प्रयासों से आए बेहतर परिणाम, 15 साल का रिकॉर्ड टूटा

विजय मत, भोपाल

माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) का 10वीं और 12वीं का रिजल्ट मंगलवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जारी किया। इस बार का रिजल्ट कुछ खास रहा। सबसे खास बात यह रही कि स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह का जिला नरसिंहपुर दोनों परीक्षाओं में टॉप पर रहा। वहीं, प्रदेश के बड़े शहर जैसे भोपाल, इंदौर,

जबलपुर और ग्वालियर टॉप 10 जिलों की लिस्ट में भी नहीं आ सके। इसके उलट नीमच, मंडला, शाजापुर और बालाघाट जैसे छोटे जिले टॉप 10 में शामिल रहे। इससे साफ दिखता है कि बड़े शहरों में शिक्षा स्तर में गिरावट आई है। जबकि प्रदेश के बड़े शहर भोपाल जबलपुर इंदौर और ग्वालियर टॉप 10 में भी जगह नहीं बना पाए। जबकि नीमच, मंडला शाजापुर, बालाघाट जैसे जिला टॉप 10 में रहे। इस प्रकार प्रदेश के बड़े शहरों की शिक्षा स्तर में गिरावट देखी गई है। दसवीं बोर्ड की परीक्षा में इंदौर 32, भोपाल 36, जबलपुर 45 और ग्वालियर 46वें स्थान पर रहा। वहीं 12वीं बोर्ड परीक्षा में इंदौर 16, भोपाल 28, जबलपुर 36, और ग्वालियर 40वें स्थान पर रहा।

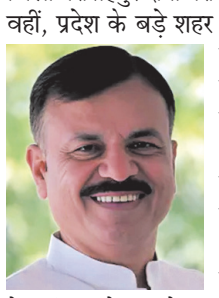

स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह ने मीडिया से बातचीत में कहा कि इस बार का परिणाम बच्चों की मेहनत, शिक्षकों और माता-पिता के समर्पण और सरकार द्वारा दी गई बेहतर शैक्षणिक सुविधाओं का परिणाम है। उदय प्रताप सिंह ने कहा कि वह परिणाम से पूरी तरह संतुष्ट है। नकल और पेपर लीक जैसी सामाजिक बुराइयों को जागरूकता के माध्यम से दूर किया जा रहा है। इस बार पिछले 15 वर्षों का परीक्षा रिकॉर्ड टूटा है।

मंत्री ने बताया कि सरकार ने नई शिक्षा नीति के तहत स्कूलों में बेहतर शैक्षणिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नई शिक्षा व्यवस्था को धरातल पर उतारा गया है। उन्होंने कहा कि सिंगरौली की एक छात्रा ने 500 में से 500 अंक प्राप्त कर प्रदेश को गौरवान्वित किया है। पिछली बार की तुलना में इस बार 10वीं और 12वीं दोनों में 10% से अधिक बेहतर परिणाम आए हैं। शिक्षकों की तैनाती को लेकर मंत्री ने कहा कि अतिशेष शिक्षकों को उन क्षेत्रों में भेजा गया, जहां उनकी वास्तव में जरूरत थी। उन्होंने यह भी कहा कि बच्चों को बेहतर एकेडमिक सपोर्ट देने के लिए सरकार लगातार प्रयास कर रही है।

स्कूल शिक्षा मंत्री ने अंत में कहा कि यह परिणाम किसी एक व्यक्ति का नहीं, पूरे तंत्र के समन्वित प्रयासों का नतीजा है-जिसमें छात्र, अभिभावक, शिक्षक और प्रशासन सभी की भूमिका अहम रही है। मंत्री ने कहा कि इस बार सरकार बच्चों को एक और मौका जून में दे रही है। इसमें फेल होने वाले बच्चे और जो बच्चे अपना रिजल्ट सुधारना चाहते है वह शामिल हो सकते हैं।

10 वीं में टॉप 10 जिले

क्र.	जिला	सरकारी स्कूल	प्राइवेट स्कूल
01	नरसिंहपुर	92.96%	89.48%
02	नीमच	89.21%	80.91%
03	शाजापुर	86.01%	86.25%
04	मंडला	85.67%	84.05%
05	खंडवा	84.63%	80.02%
06	शहडोल	84.38%	81.20%
07	मंदसौर	84.01%	81.64%
08	छिंदवाड़ा	84.01%	72.11%
09	कटनी	83.95%	78.66%
10	अनूपपुर	83.35%	84.41%

12 वीं में टॉप 10 जिले

क्र.	जिला	सरकारी स्कूल	प्राइवेट स्कूल
01	नरसिंहपुर	93.69%	90.74%
02	नीमच	91.07%	80.90%
03	मंडला	90.48%	85.75%
04	बालाघाट	89.82%	77.35%
05	अनूपपुर	89.02%	81.57%
06	शाजापुर	88.34%	83.82%
07	मंदसौर	87.46%	77.64%
08	होशंगाबाद	86.66%	81.06%
09	सिवनी	85.47%	73.13%
10	शाहडोल	84.54%	80.98%

कड़ी मेहनत और आत्मविश्वास की दम पर प्रज्ञा ने रचा इतिहास, अब है आईएएस बनने का सपना

10वीं की परीक्षा में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा प्रज्ञा जायसवाल सिंगरौली जिले के निगरी गांव की रहने वाली हैं। प्रज्ञा ने 500 में से 500 अंक हासिल किए और प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है। प्रज्ञा के माता-पिता दोनों सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। प्रज्ञा ने अपने गांव के एक निजी स्कूल में पढ़ाई की और 10वीं की बोर्ड परीक्षा में सबको हैरान कर दिया। "जहां चाह है, वहां राह है" इस कहावत को प्रज्ञा ने अपनी मेहनत और सफलता से साबित कर दिखाया। सिंगरौली जिले के छोटे से गांव निगरी की रहने वाली प्रज्ञा के पिता सरकारी स्कूल में शिक्षक हैं। एक साधारण परिवार से आने वाली प्रज्ञा ने जब बोर्ड परीक्षा में सफलता हासिल की, तो वह पूरे प्रदेश और देश के युवाओं के लिए प्रेरणा बन गई। प्रज्ञा ने बिना किसी ट्यूशन के उसने 10वीं की बोर्ड परीक्षा में प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया।

ऑटोचालक की बेटी रिमझिम ने हासिल किया पहला स्थान, सीए बनकर पूरा करना है ये सपना

12वीं के वाणिज्य संकाय में ग्वालियर की रिमझिम करोठिया ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। रिमझिम ने 500 में से 491 अंक प्राप्त किए और 98.2 प्रतिशत के साथ यह रैंक प्राप्त की है। रिमझिम बहोड़ापुर के सागरताल रोड स्थित समर्थ बाल मंदिर स्कूल की छात्रा हैं। अपनी सफलता का श्रेय रिमझिम ने अपने माता-पिता और गुरुजनों को दिया है। रिमझिम का कहना है कि उन्होंने मोबाइल से दूर रहकर ही यह सफलता हासिल की। रिमझिम के पिता एक ऑटो चालक हैं और वह अपने माता-पिता, दादी और अन्य परिवार के सदस्यों के साथ 100 फुट के छोटे से घर में रहती हैं। रिमझिम ने बताया कि सुबह जब उसने अपना रिजल्ट देखा, तो उसे देखकर खुशी हुई, लेकिन यह सुनिश्चित करने के लिए कि कोई गलती न हो, उसने चार-पांच बार अपना नाम और नंबर चेक किया।

जबलपुर की शैजाह का मेरिट लिस्ट में तीसरा स्थान, 500 में से 498 अंक मिले

मध्य प्रदेश माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं कक्षा की मेरिट लिस्ट में जबलपुर की शैजाह फातिमा ने 500 में से 498 अंक के साथ तीसरा स्थान प्राप्त कर स्कूल और परिवार का नाम रोशन किया है। उसकी इस उपलब्धि से परिजनों और शिक्षकों में खुशी की लहर है। फातिमा ने अपनी इस सफलता का मूलमंत्र 'मानसिक तनाव न लेना' बताया। शैजाह फातिमा ने बताया कि उसके पिता एक अस्पताल में मैनेजर हैं और मां हाउसवाइफ हैं। फातिमा ने कहा कि सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों को अधिक महत्व नहीं दिया जाता, उसने बिना तनाव लिए मेहनत से पढ़ाई की और यह सफलता हासिल की। उनका मानना है कि कोई भी लक्ष्य मुश्किल नहीं होता, उसके लिए प्रयास करना जरूरी है। शैजाह ने कहा कि वह आगे बायोलॉजी विषय का चयन कर नीट की तैयारी करेगी। उसका सपना डॉक्टर बनकर समाज और देश की सेवा करना है।

दमोह की गार्गी अग्रवाल ने जीव विज्ञान में पाया पहला स्थान, फैशन डिजाइन बनने का है सपना

गार्गी अग्रवाल ने कक्षा बारहवीं में जीव विज्ञान संकाय में प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। इस बार जिला 52वें स्थान पर पहुंचा है। नव जागृति स्कूल में कक्षा बारहवीं की जीव विज्ञान की छात्रा गार्गी पिता मदन अग्रवाल ने प्रदेश में पहला स्थान हासिल किया है। गार्गी ने 484 अंक हासिल किए हैं और अब वह फैशन डिजाइनर बनना चाहती है। अपनी सफलता पर छात्रा ने बताया कि उन्होंने कभी मोबाइल का उपयोग नहीं किया है। सेल्फ स्टडी से ही यह सफलता हासिल की है। पूरा परिवार मेडिकल लाइन में है। इसलिए उन्होंने जीव विज्ञान विषय को चुना था। छात्रा की मां स्मृति ने बताया कि उन्होंने केवल बेटी को पढ़ाई के लिए उससे घर का काम भी नहीं कराया और बेटी ने अपना मुकाम हासिल कर लिया। पूरा परिवार काफी खुश है।

गांव में रहने वाले छात्र साकेत दुबे ने एग्रीकल्चर में लहराया परचम, प्रदेश में पाई दूसरी रैंक

खुलरी गांव स्थित मॉडर्न इंटरनेशनल हाई सेकेंडरी स्कूल, जो तेंदूखेड़ा विधानसभा क्षेत्र में आता है, वहां अध्ययनरत छात्र साकेत दुबे, पुत्र बिहारी लाल दुबे एवं माता सविता दुबे ने एग्रीकल्चर संकाय में प्रदेश में दूसरी रैंक प्राप्त की है। साकेत ने कुल 500 में से 484 अंक अर्जित किए हैं, जो अपने आप में एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। गांव के इस होनहार छात्र की सफलता से पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है। स्कूल प्रबंधन, शिक्षकगण और परिजनों ने साकेत की इस उपलब्धि पर हर्ष जताया है।

नरसिंहपुर की प्राची कौरव की बड़ी उपलब्धि

एमपी बोर्ड द्वारा घोषित कक्षा दसवीं के रिजल्ट में नरसिंहपुर जिले की एक होनहार बेटी ने जिले का नाम पूरे प्रदेश में रोशन किया है। ग्राम इमलिया कल्याणपुर निवासी संतोष कौरव की बेटी प्राची कौरव ने 500 में से 496 अंक अर्जित कर प्रदेश में पांचवां स्थान और जिले में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। प्राची की यह सफलता इसलिए और भी विशेष है। क्योंकि वह एक छोटे से गांव इमलिया कल्याणपुर की रहने वाली हैं और नारगी गांव स्थित सेंट मेरिज कॉन्वेंट स्कूल में सीमित संसाधनों के बीच पढ़ाई करती थीं। उनकी इस शानदार उपलब्धि पर माता-पिता, स्कूल प्रबंधन और शुभचिंतकों ने उन्हें ढेरों बधाइयां और शुभकामनाएं दी हैं।

किराए के कमरे से प्रदेश टॉपर तक, दिव्यांशु की संघर्ष और सपनों की कहानी

सीधी जिले के एक छोटे से गांव से निकलकर प्रदेश की प्रवीण सूची में शीर्ष स्थान हासिल करने वाले दिव्यांशु तिवारी की कहानी संघर्ष, समर्पण और सपनों का जीवंत उदाहरण है। जिला मुख्यालय से लगभग 40 किलोमीटर दूर स्थित गांव के इस मेधावी छात्र ने जीवविज्ञान संकाय में 500 में से 484 अंक प्राप्त कर न केवल अपने परिवार, बल्कि पूरे जिले का नाम रोशन कर दिया। दिव्यांशु के माता-पिता ने उनकी पढ़ाई के लिए सीधी शहर में किराए पर एक कमरा लिया। उनके पिता एक छोटी-सी इलेक्ट्रॉनिक रिपेयरिंग की दुकान चलाते हैं।

पढ़ाई के लिए रोजाना 50 किमी का सफर, प्रदेश में पाया नौवां स्थान, अनूपपुर के कोमल का कमाल

अनूपपुर जिले के कोतमा तहसील के छोटे से गांव गौडारू में रहने वाले किसान कोमल केवट के बेटे अंशुल केवट ने कक्षा दसवीं की बोर्ड परीक्षा में 500 में से 492 अंक लाकर प्रदेश में नौवां स्थान और जिले में पहला स्थान प्राप्त किया है। विवेक स्कूल के छात्र अंशुल ने प्रतिदिन 4 से 6 घंटे की पढ़ाई कर यह सफलता अर्जित की। उसका सपना है कि वह आईएएस परीक्षा पास कर समाज की सेवा करे। अंशुल ने अपनी सफलता का सबसे बड़ा श्रेय अपनी दादी शांति केवट, मां बूटी केवट और विवेक स्कूल के शिक्षकों को दिया है।

न्यूज इन शॉर्ट

नव गठित जिलों में आपूर्ति कार्यालय और नाप-तौल कार्यालय स्थापित करने की स्वीकृति

विजय मत, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता मंत्रि-परिषद द्वारा नव गठित जिले मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अंतर्गत जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय और निवाड़ी, मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में नाप-तौल कार्यालय स्थापित करने की स्वीकृति दी गयी है। तीन जिला आपूर्ति अधिकारी कार्यालय के लिए कुल 16 पद और 4 जिलों में नाप-तौल कार्यालय के लिए कुल 13 पदों की स्वीकृति दी गयी। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने बताया कि मऊगंज, मैहर और पांढुर्णा में जिला आपूर्ति अधिकारी का 1-1 पद, सहायक आपूर्ति अधिकारी के 1-1 पद, कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी के मऊगंज में 2 और मैहर, पांढुर्णा में 1-1 पद, लेखापाल का 1-1 पद एवं भृत्य का 1-1 पद स्वीकृत किया गया। कार्यालय नाप-तौल के लिए नव गठित जिला निवाड़ी, मऊगंज, मैहर एवं पांढुर्णा में निरीक्षक का 1-1 पद, सहायक ग्रेड-3 के 1-1 पद, श्रम सहायक के मऊगंज में 2 पद एवं मैहर, पांढुर्णा और निवाडी में 1-1 पदो की स्वीकृति दी गयी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बायो-फ्यूल योजना क्रियान्वयन के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन

विजय मत, भोपाल। राज्य शासन ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में प्रदेश में बायो-फ्यूल परियोजनाओं के क्रियान्वयन के लिए उच्चाधिकार प्राप्त समिति का गठन किया है। समिति में सचिव वन, किसान कल्याण तथा कृषि विकास, नगरीय विकास एवं आवास, पशुपालन एवं डेयरी, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण, तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास एवं रोजगार सदस्य होंगे। सचिव, नवीन एवं नवकरणीय उर्जा को सदस्य सचिव बनाया गया है। उच्चाधिकार समिति मुख्यतः बायो-फ्यूल योजना की कंडिका 10.2 के अंतर्गत, भूमि सबंधी निर्धारित मानदडों में छूट प्रदान करना, म्युनिसिपल सॉलिड वेस्ट (एमएसडब्ल्यू) के सग्रंहण और बायो-फ्यूल उत्पादकों तक इसके सुगम पहुंच के लिए आवश्यक रूपरेखा तैयार करना, कृषि उपज मंडी के अपशिष्ट की उपलब्धता बायो-फ्यूल उत्पादकों को सुनिश्चित कराना, गोबर की उपलब्धता बायोफ्यूल उत्पादकों को सुनिश्चित कराना, राज्य में कार्यरत सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन कंपनियों को बायो-सीएनजी का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करना, किसानों में फार्मेंटेड ऑर्गेनिक मैन्योर के उपयोग को बढावा देना और सेक्टर में कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था करना जैसे कार्य करेगी।

कुदवा रेंज में हुई घटना के बाद बाघ को किया रेस्क्यू

विजय मत, भोपाल। वन विभाग द्वारा दक्षिण बालाघाट वन मण्डल के अंतर्गत कटंगी के कुदवा रेंज में विगत दिनों बाघ के हमले से दुर्भाग्यवश एक व्यक्ति की मृत्यु हुई थी। इसके बाद वन विभाग द्वारा वन क्षेत्र को सुरक्षित करते हुए पशु चिकित्सकों एवं स्थानीय प्रशासन के साथ समन्वय कर बाघ को रेस्क्यू कर लिया गया। बाघ को "राष्?ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण' की गाइड-लाइन के अनुरूप जाँच और निगरानी में रखा गया। वन्य-जीव और मानव के बीच बढ़ते संघर्ष हमारे लिये एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। मानव सुरक्षा एवं वन्य-जीव संरक्षण के लिये वन विभाग पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है।

मंत्रीगण से प्राप्त विकास कार्यों के प्रस्तावों पर प्राथमिकता से कार्रवाई करें: मंत्री सिलावट

विजय मत, भोपाल। जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा है कि मंत्रीगण से प्राप्त विकास कार्यों के प्रस्तावों पर विभागीय अधिकारी प्राथमिकता से कार्यवाही करें। साथ ही कार्यों की प्रगति से उन्हें समय समय पर अवगत भी कराएं। जनजातीय क्षेत्रों में सिंचाई की छोटी-छोटी योजनाएँ बनाकर उन पर कार्य किया जाए। मंत्री सिलावट मंगलवार को मंत्रालय में मंत्रीगण से प्राप्त विकास कार्यों के प्रस्तावों पर विभागीय क्रियान्वयन की समीक्षा कर रहे थे। बैठक में उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार, अनुसूचित जाति कल्याण मंत्री नागर सिंह चौहान, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री नरेंद्र शिवाजी पटेल, प्रमुख अभियंता विनोद देवड़ा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

जनजातीय बसाहट क्षेत्रों में 1800 करोड़ से सड़कों का हो रहा कायाकल्प: मंत्री डॉ. शाह

1295 बसाहट क्षेत्र में लगभग 1100 किमी सड़कें स्वीकृत

विजय मत, भोपाल

जनजातीय कार्य एवं गैस राहत मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने बताया कि प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम जनमन) के जरिये जनजातीय क्षेत्रों में आवागमन को सहज और सुगम बनाने के लिये लगभग 1100 किमी सड़कों के निर्माण की स्वीकृति प्रदान की गई है।

केन्द्र सरकार द्वारा मध्यप्रदेश में जनजातीय क्षेत्रों में चिन्हित 1295 बसाहटों के लिये 1800 करोड़ रूपये की राशि स्वीकृत की गई है। मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा देश भर में जनजातीय वर्ग के लोगों के सामाजिक, आर्थिक एवं शैक्षणिक विकास के लिये प्रधानमंत्री जनमन योजना के माध्यम से सड़क, शिक्षा, बिजली, पानी और पक्की छत उपलब्ध करवाने के लिये कार्य योजना बनाकर काम किये जा रहे हैं।

मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि केन्द्र सरकार द्वारा जनजातीय संवर्ग के उत्पाद के लिये चलाई जा रही योजनाओं के लिये त्रैमासिक स्तर पर राशि स्वीकृत की जा रही है। उन्होंने बताया कि केन्द्र और राज्य सरकार के समन्वय से 471 जनजातीय बसाहट क्षेत्रों में अभी 1097.29 किमी सड़कों के लिये 833.98 करोड़ रूपये स्वीकृत किये जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि 630 बसाहटों वाले क्षेत्रों में 1187 किमी की सड़कों के निर्माण लिये प्रस्ताव पर स्वीकृति मिली है। इसके अलावा 194 बसाहटों पर कार्यवाही शीघ्र प्रारंभ की जायेगी।

मंत्री डॉ. शाह ने बताया कि गांव-गांव तक सड़क योजना का लाभ घर-घर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके अंतर्गत 110.29 किमी सड़कें पूर्ण की जा चुकी है। इसमें सर्वाधिक 23.49 किमी की सड़क बालाघाट जिले में पूर्ण की गई है। दूसरे नंबर पर मंडला जिले में 21.37 किमी सड़कों का काम पूरा कर लिया गया है।

एम्स भोपाल के आयुष विभाग में स्वर्ण प्राशन का आयोजन

विजय मत, भोपाल

एम्स भोपाल के कार्यपालक निदेशक प्रो. (डॉ.) अजय सिंह के मार्गदर्शन में, आयुष विभाग द्वारा आयुर्वेद ओ.पी.डी. में स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस पहल की शुरुआत वर्ष 2022 में पुष्य नक्षत्र के अवसर पर हुई थी, और तब से प्रत्येक माह पुष्य नक्षत्र के दिन आयुर्वेद ओपीडी में नियमित रूप से स्वर्ण प्राशन किया जा रहा है। इसका उद्देश्य बच्चों के समग्र स्वास्थ्य एवं विकास को प्रोत्साहित करना है। इस माह के आयोजित कार्यक्रम में 1 से 16 वर्ष की आयु के कुल 149 बच्चों ने भाग लिया। इनमें से 84 बच्चे पहले भी स्वर्ण प्राशन करवा चुके थे, जबकि 65 बच्चों ने पहली बार पंजीकरण कराया। कार्यक्रम के दौरान आयुर्वेद चिकित्साधिकारी डॉ. रंजना पांडे ने बच्चों को स्वर्ण प्राशन कराया तथा उनके अभिभावकों को स्वर्ण प्राशन के महत्व और बच्चों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। इस अवसर पर प्रो. सिंह ने कहा, स्वर्ण प्राशन संस्कार एक महत्वपूर्ण आयुर्वेदिक प्रक्रिया है, जो बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास में सहायक है।

मंत्री टेटवाल ने संत शिरोमणि ग्लोबल स्किल पार्क में बालिका छात्रावास का किया लोकार्पण

टीम बिल्डिंग वर्कशॉप तथा NITTTR भोपाल के साथ हुआ एमओयू

विजय मत, भोपाल

कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल की उपस्थिति में संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क एवं राष्ट्रीय तकनीकी शिक्षक प्रशिक्षण एवं अनुसंधान संस्थान भोपाल (NITTTR) के मध्य एमओयू हुआ। यह एमओयू तकनीकी शिक्षा, प्रशिक्षण और शोध के क्षेत्र में आपसी सहयोग को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा। इस अवसर पर आयोजित टीम बिल्डिंग वर्कशॉप में जुलाई 2024 बैच के 104 विद्यार्थियों ने सक्रिय भागीदारी की। इस वर्कशॉप का उद्देश्य विद्यार्थियों को कॉर्पोरेट जीवन की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना था। मंत्री टेटवाल ने वर्कशॉप में प्रशिक्षण प्राप्त छात्रों को प्रमाण पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया। मंत्री टेटवाल ने बताया कि संत शिरोमणि रविदास ग्लोबल स्किल पार्क एशिया का एकमात्र संस्थान है, जहाँ विद्यार्थियों को सिंगापुर से प्रशिक्षित विशेषज्ञों द्वारा अत्याधुनिक लैब्स में 20 से अधिक ट्रेड्स में प्रशिक्षण दिया जा रहा है। संस्थान की नाम मात्र फीस में उच्च गुणवत्ता का कौशल प्रशिक्षण दिया जाता है।

मप्र में 45 चेक पाइंट पर हो रही अवैध वसूली, पूर्व केंद्रीय मंत्री ने वीडियो पोस्ट कर पूछा- किसके पास जा रहा पैसा

विजय मत, भोपाल

मप्र सरकार ने अवैध वसूली की शिकायतों के बाद परिवहन विभाग के चेक पोस्ट तो बंद कर दिए, लेकिन मैदानी अमले ने वसूली बंद नहीं की है। इसकी शिकायत ट्रांसपोर्टर लगातार कर रहे हैं। इस बीच कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने एक आरटीओ चेक पोस्ट का वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में अवैध वसूली करते हुए दिखाया गया है। यह तो महज एक उदाहरण है।

लगभग एक साल पहले, मप्र में गुजरात मॉडल को लागू करते हुए परिवहन चौकियों को बंद कर दिया गया था। उनकी जगह अंतरराज्यीय सीमा पर 45 चेक प्वाइंट बनाए गए थे लेकिन यहां भी ट्रकों और वाहनों से अवैध वसूली की शिकायतें आ रही हैं। यानी प्रदेश में चेक पोस्ट बंद करके जो 45 चेक पाइंट बनाए गए हैं, वहां रात-दिन वाहनों से अवैध की जा रही है। गौरतलब है कि मप्र सरकार ने पिछले साल जुलाई से प्रदेश भर में परिवहन चेकपोस्ट बंद करने का आदेश जारी किया था। परिवहन विभाग के फैसले के बाद भी आरटीओ चेकपोस्ट पर वसूली का खेल लगातार चल रहा है। पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरुण यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर आरटीओ चेकपोस्ट पर हो रही वसूली का वीडियो शेयर करते हुए पूछा है- आखिर सरकार से बड़ा कौन? अरुण यादव ने एक्स पर आगे लिखा कि मामला शिवपुरी जिले के दिनारा का है। जहां आरटीओ चेक पॉइंट पर प्रतिदिन हजारों वाहनों की अवैध रूप से वसूली हो रही है। आखिर प्रदेश में अवैध वसूली किसके नाम पर हो रही है? इसका पैसा किसके पास जा रहा है? पिछले साल जुलाई में प्रदेश की अंतरराज्यीय सीमाओं पर परिवहन जांच चौकियां बंद कर दी गई थीं। इसके साथ ही परिवहन विभाग की ओर से यह दावा किया गया था कि अब नई व्यवस्था के तहत रोड सेफ्टी एंड इंफोर्समेंट चेकिंग प्वाइंट बनाए जाएंगे।

विजय मत एंकर नीति संवाद श्रृंखला में शिक्षा के गुणात्मक सुधार पर विशेषज्ञों के बीच हुई चर्चा

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश अग्रणी राज्य

विजय मत, भोपाल

मध्यप्रदेश राज्य नीति आयोग के नीति संवाद श्रृंखला में कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में मंगलवार को राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में शिक्षा को रोजगार से जोड़ने और शिक्षा के गुणात्मक सुधार पर शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विषय-विशेषज्ञों के बीच विचार विमर्श हुआ। विशेषज्ञों ने बताया कि शिक्षा को भारतीय मूल्यों और संस्कृति पर आधारित बनाते हुए रोजगार से जोड़ना अत्यंत जरूरी है। इन उद्देश्यों की प्राप्ति करके हम विकसित मध्यप्रदेश 2047 के उद्देश्यों को प्राप्त कर सकेंगे।

सत्र के प्रारंभ में अपर मुख्य सचिव उच्च शिक्षा अनुपम राजन ने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के क्रियान्वयन में मध्यप्रदेश देश के अग्रणी राज्यों में रहा है। प्रदेश में शिक्षा को रोजगार से जोड़ने की दिशा में प्रभावी प्रयास निरंतर किये जा रहे है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में पाठ्यक्रम को इस तरह से तैयार किया गया है कि विद्यार्थी उच्च शिक्षा में जितने साल भी पढ़ाई कर लें उसे मूल्यांकन के बाद उस अवधि का सर्टिफिकेट देने की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में हाल ही में जिन स्थानों पर हवाई पट्टी है, वहां पर युवाओं के लिये एविएशन के कोर्स प्रारंभ किये गये है।इसी तरह आज के दौर के कई व्यवसायिक कोर्स की शुरूआत की गई है। परिचर्चा का संचालन सलाहकार सामाजिक अवसंरचना आयोग उत्तराखण्ड की डॉ. भावना शिंदे ने किया।

भारतीय मूल्य आधारित शिक्षा पर स्कूल शिक्षा में विशेष ध्यान... सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. संजय गोयल ने कहा कि प्रदेश की स्कूल शिक्षा व्यवस्था में भारतीय मूल आधारित शिक्षा में विशेष ध्यान दिया जा रहा है। प्रदेश में स्कूल शिक्षा मंत्री की अध्यक्षता में टास्क फोर्स का गठन किया गया है। अब तक हुई 3 बैठकों में स्कूल शिक्षा से जुड़े विशेषज्ञों की राय लेकर शिक्षा के गुणात्मक सुधार की ओर प्रयास किये जा रहे है। प्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के निर्देश पर प्रदेश भर में 20 और 21 जुलाई-2024 को गुरू पूर्णिमा का आयोजित किया गया।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक सीता शुक्ला द्वारा जेयन ऑफसेट वर्क्स, 119 इनारा हाऊस रायसेन रोड भोपाल-462023 म.प्र. से मुद्रित एवं ई.एम.एस. 21 इंडस टाउन, होशंगाबाद रोड, मिसरोद, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित, संपादक-सीता शुक्ला, प्रधान संपादक- विजय शुक्ला
आर.एन.आई.-पंजीयन नंबर MPHIN/2015/66998, (*समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। Email-vijaymat.bhopal@gmail.com